

विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति..

02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



प्यार का प्रेशर कुकर शो होस्ट..

11

वर्ष - 02, अंक - 227 | गाजियाबाद / गुरूवार 19 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

भोपाल के वैज्ञानिकों ने बनाई देश की पहली स्वदेशी वैक्सीन

● बर्ड फ्लू के खतरनाक वायरस से बचेंगी मुर्गियां व पोल्ट्री उद्योग ● एमपी के लिए बड़ी उपलब्धि, एक डोज छह महीने करेगा सुरक्षा

भोपाल (एजेंसी)। बर्ड फ्लू के खतरनाक वायरस एच5एन1 से मुर्गियों और पोल्ट्री उद्योग को बचाने के लिए भोपाल के वैज्ञानिकों ने देश का पहला स्वदेशी टीका विकसित किया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान ने यह टीका वायरस के क्लेड 2.3.2.1ए के खिलाफ तैयार किया है। इसकी एक खुराक से मुर्गियों को छह महीने तक सुरक्षा मिलेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 20 नवंबर को भोपाल स्थित संस्थान परिसर में इसे लॉन्च करेंगे। यह निष्क्रिय टीका है। इसके परीक्षणों में अंडा देने वाली और प्रजनन के लिए पाली जाने वाली मुर्गियों में अच्छे परिणाम मिले हैं। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से पोल्ट्री फार्मों में लेयर्स और ब्रीडर्स मुर्गियों के टीकाकरण के लिए किया जाएगा। अब तक भारत में इस वायरस स्ट्रेन के खिलाफ व्यावसायिक उपयोग के लिए स्वदेशी टीका उपलब्ध नहीं था।



- **अंडा देने और प्रजनन के लिए पाली जाने वाली मुर्गियों को ज्यादा फायदा-** इस टीके का सबसे ज्यादा फायदा लेयर्स और ब्रीडर्स मुर्गियों को होगा। लेयर्स का इस्तेमाल अंडा उत्पादन और ब्रीडर्स का इस्तेमाल प्रजनन के लिए किया जाता है। इनका जीवनकाल ब्रॉयलर मुर्गियों से ज्यादा होता है। इसलिए इन्हें लंबे समय तक संक्रमण से बचाना जरूरी है। छह महीने तक सुरक्षा मिलने से बार-बार टीकाकरण की जरूरत भी कम होगी।
- **इंसानों में संक्रमण का खतरा कम करने में भी मिलेगी मदद-** एच5एन1 वायरस इंसानों को भी संक्रमित कर सकता है। संक्रमित पक्षियों के संपर्क में आने से मनुष्यों में संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। इससे तेज बुखार, सांस लेने में परेशानी और गंभीर निमोनिया हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, 2003 से अब तक दुनियाभर में इंसानों में एच5एन1 संक्रमण के 1,003 मामले सामने आए हैं। इनमें 479 लोगों की मौत हुई है। मुर्गियों में संक्रमण रोकने से वायरस के प्रसार का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसके लिए नियमित निगरानी, फार्मों में जैव सुरक्षा और संक्रमित पक्षियों से दूरी बनाए रखना भी जरूरी होगा।

दूसरे देशों के टीके भारतीय वायरस के लिए कारगर नहीं थे

चीन, मिस्र और वियतनाम जैसे देशों में भी बर्ड फ्लू के टीके विकसित किए गए हैं। हालांकि, ये वहां पाए जाने वाले वायरस के अलग-अलग क्लेड के आधार पर तैयार किए गए हैं। भारत में एच5 एन1 का क्लेड 2.3.2.1ए मुर्गियों के लिए गंभीर चुनौती रहा है। भोपाल के वैज्ञानिकों ने इसी वायरस स्ट्रेन को ध्यान में रखकर स्वदेशी टीका तैयार किया है। इस टीके का इस्तेमाल व्यावसायिक पोल्ट्री फार्मों में चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। तय मानकों के अनुसार पशु चिकित्सकों और प्रशिक्षित कर्मचारियों की देखरेख में मुर्गियों को इसकी खुराक दी जाएगी। इसका उद्देश्य बर्ड फ्लू के संक्रमण को रोकना और पोल्ट्री उद्योग को होने वाले आर्थिक नुकसान को कम करना है।

अमेरिका में राहुल बोले-आर्थिक संकट की कगार पर भारत

● कहा-बेरोजगारी और एजुकेशन सिस्टम भी है बड़ी समस्या ● नितिन नवीन बोले- इकोनॉमी नहीं, उनकी सोच है डिजास्टर



न्यूयॉर्क/नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने कहा है कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां हैं। युवाओं में बढ़ती निराशा की मुख्य वजह यह है कि उन्हें अपना भविष्य नजर नहीं आता। राहुल गांधी ने यह बात बुधवार को न्यूयॉर्क में छात्रों और फैकल्टी के सामने कही। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा, 'राहुल विदेश में जाकर भारत की छवि खराब करते हैं। वो भारत की इकोनॉमी को डिजास्टर बताते हैं, लेकिन भारत नहीं उनकी सोच डिजास्टर है।'

वोटों के अंतर को बताया असंभव

राहुल ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा, 'अचानक 5 लाख वोटों का मार्जिन मिल जाना संभव नहीं है। चुनावी नतीजों और वोटों के आंकड़ों को लेकर हमारी पार्टी (कांग्रेस) के पास कई सवाल हैं। हमारे पास चुनावी धांधली के कई सबूत हैं। इन्हें सामने लाने के लिए हम काम कर रहे हैं।' राहुल ने कहा, 'हमारा मकसद देश की चुनावी व्यवस्था को फिर से दुरुस्त करना है।

आर्मी के सीनियर ऑफीसर्स की फिर से बदलेगी ड्रेस

1 दिसंबर से गोरखा हैट,मैरून-ब्लैक बेरेट और रेजिमेंटल पहचान फिर लौटेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने वरिष्ठ अफसरों की ड्रेस में 2023 में किए बदलाव वापस लेने का फैसला किया है। यह आदेश 1 दिसंबर से लागू होगा। 13 नवंबर के पत्र पर आधारित आंतरिक आदेश के मुताबिक, गोरखा राइफल्स के जनरल फिर अपनी पहचान वाली हैट पहन सकेंगे। स्पेशल फोर्सेज के वरिष्ठ अफसर मैरून बेरेट और बख्तरबंद रेजिमेंट के अफसर ब्लैक बेरेट पहन सकेंगे। वरिष्ठ अफसर अधिकृत वर्दी के साथ अपनी पारंपरिक रेजिमेंट या कोर से जुड़े चिन्ह भी लगा सकेंगे। यह बदलाव ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के अफसरों पर लागू होगा। 2023 में सेना ने वरिष्ठ नेतृत्व के लिए एक जैसी पहचान बनाने के लिए वर्दी के कई सामान एक जैसे कर दिए थे। उस नीति में अफसरों की मूल रेजिमेंट और सर्विस की पहचान दिखाने वाले चिन्ह हटा दिए गए थे।



पिछले हफ्ते एनएसजी कमांडो की यूनिफॉर्म बदलने का फैसला हुआ था- ब्लैक कैट कमांडो की मशहूर काली वर्दी अब बदलने जा रही है। वजह है- भयंकर गर्मी। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड ने अपने वीआईपी सुरक्षा में लगे कमांडो के लिए नई ब्रीदेबल यानी सांस लेने वाली यूनिफॉर्म बनाने की सिफारिश की है। ये यूनिफॉर्म नायको कपड़े से बनेगी, जिसमें नायलॉन और कॉटन होता है। यह कपड़ा हवा और नमी को आसानी से बाहर निकलने देता है। अप्रैल में विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में तैनात कमांडो करीब 44 डिग्री तापमान में बेहोश हो गया था। इसके बाद ही यह फैसला लिया गया। एनएसजी को उम्मीद है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा तक कमांडो नई यूनिफॉर्म पहनने लगेंगे।

इसी साल भारतीय फौज की फॉर्मल ड्रेस में बंदी जैकेट शामिल हुई

इसी साल जून में भारतीय सेना ने 174 पेज की नई 'आर्मी यूनिफॉर्म-2026' बुक में कॉलोनियल एरा के नियमों में भी बदलाव किया था। नए नियमों में रिव्यूइंग ऑफिसर के लिए परेड में तलवार रखना वैकल्पिक कर दिया गया है। वहीं, कुछ मैस ड्रेस के साथ इस्तेमाल होने वाली पाउच बेल्ट हटाई गई है। इसके साथ ही रॉयल जैसे पुराने शब्दों का इस्तेमाल बंद किया गया है। पहली बार फॉर्मल सिविल ड्रेस में स्वदेशी बंदी जैकेट को भी शामिल किया गया है। बंद गले वाली बंदी जैकेट को फुल स्लीव शर्ट, फॉर्मल ट्राउजर और बंद जूतों के साथ पहना जा सकेगा। सेना इससे पहले फरवरी 2023 में भी कई पुरानी परंपराएं खत्म कर चुकी है। इनमें समारोहों में घोड़ा-गाड़ी का इस्तेमाल, रिटायरमेंट के दौरान 'पुल आउट' इवेंट और डिनर में पाइप बैंड की परंपरा शामिल थी।

कुलगाम हमले का आरोपी आखिरी आतंकी भी ढेर

● फोर्स की एक जॉइंट टीम ने लतीफ भट का किया एनकाउंटर





नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में 11 नवंबर को सीआरपीएफ की पेट्रोलिंग टीम पर हमला करने वाला आतंकी लतीफ भट एनकाउंटर में ढेर हो गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, लतीफ जिस मस्जिद में छिपा था वहां से जैसे ही वह बाहर आया तो सुरक्षाबलों ने उसे मार गिराया। बुधवार सुबह से ही खुफिया जानकारी के आधार पुलिस, सेना और पैरामिलिट्री फोर्स का संयुक्त ऑपरेशन कुलगाम जिले के देवसर में जंगलपोरा गांव में चल रहा था। सुरक्षाबलों ने लतीफ को इस इलाके में घेर लिया था, जिसके बाद उसने इलाके में स्थित एक मस्जिद में शरण ले ली।

सुरक्षाबलों को डेडबॉडी के पास मिला हथियार

कश्मीर जोन पुलिस की ओर से इस एनकाउंटर से जुड़ी जो जानकारी साझा की गई है उसमें बताया गया है कि जिस जगह मुठभेड़ चल रही थी वहां एक आतंकी को मार गिराया गया है। सुरक्षाबलों ने आतंकी की डेडबॉडी को रिकवर कर लिया है। उसके पास से एक हथियार भी बरामद हुआ है। बता दें कि लतीफ घाटी में लश्कर का आखिरी लोकल एक्टिव आतंकी था।

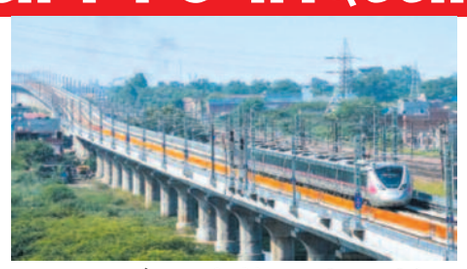
लतीफ ने सरेंडर करने से कर दिया था इनकार

इस एनकाउंटर से पहले लतीफ को सरेंडर करने का विकल्प भी मिला था। इंडियन आर्मी के हवाले से सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया जिसमें सुरक्षा अधिकारी लतीफ भट से वीडियो कॉल के जरिए सरेंडर करने की अपील कर रहे हैं, लेकिन लतीफ सरेंडर करने से इनकार कर रहा है। अगर तुम सरेंडर कर दोगे तो तुम्हारी जान बख्श दी जाएगी, लेकिन नहीं माना।

नमो भारत आसान करेगी दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश का सफर

● 150 किमी कॉरिडोर का प्राथमिक सर्वे शुरू, खुलेगा नया रास्ता

मेरठ (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर से हरिद्वार और ऋषिकेश जाने वाले लोगों के लिए नमो भारत रैपिड ट्रेन से सफर का रास्ता खुल सकता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश तक नमो भारत कॉरिडोर बनाने की संभावनाओं पर प्राथमिक सर्वे शुरू कर दिया है। करीब 150 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित रूट के लिए दो विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। पहला विकल्प मेरठ के मोदीपुरम स्टेशन से दौराला, खतौली,



मुजफ्फरनगर और रुड़की होते हुए हरिद्वार-ऋषिकेश तक ट्रेन पहुंचाने का है। वहीं, दूसरे विकल्प में मोदीनगर से गंगनहर पटरी के रास्ते सीधे रुड़की और हरिद्वार होते हुए ऋषिकेश तक अलग कॉरिडोर बनाने की संभावना तलाशी जा रही है। इसके लिए एनसीआरटीसी ने सिंचाई विभाग से गंगनहर पटरी मार्ग से जुड़ी जानकारी मांगी है। हालांकि, अभी यह योजना शुरुआती स्तर पर है और अंतिम रूट डीपीआर बनने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

मोदीपुरम से हरिद्वार तक रूट जोड़ने की तैयारी- दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम तक 82 किलोमीटर लंबे नमो भारत रैपिड ट्रेन कॉरिडोर की शुरुआत 22 फरवरी 2026 को हो चुकी है। एनसीआरटीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस कॉरिडोर पर हर महीने करीब 32 लाख लोग यात्रा कर रहे हैं। अब इसी नेटवर्क को हरिद्वार और ऋषिकेश तक विस्तार देने की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। प्रस्तावित योजना के तहत दिल्ली से हरिद्वार और ऋषिकेश तक नमो भारत ट्रेन चलाने का विकल्प तैयार किया जा रहा है।

गंगनहर पटरी से मोदीनगर को जोड़ने पर भी मंथन

हरिद्वार-ऋषिकेश तक नमो भारत ट्रेन पहुंचाने के लिए मोदीपुरम के अलावा गंगनहर पटरी का विकल्प भी सामने आया है। इस विकल्प के तहत मोदीनगर से गंगनहर पटरी के रास्ते सीधे रुड़की, हरिद्वार और ऋषिकेश तक अलग कॉरिडोर बनाने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इस संबंध में एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने सिंचाई विभाग से तकनीकी पहलुओं पर बातचीत की है। गंगनहर पटरी मार्ग की उपलब्ध जानकारी भी मांगी गई है। हालांकि, अभी जमीन की उपलब्धता या अधिग्रहण को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है।

भारत से 'आकाश' और 'पिनाका' सिस्टम भी खरीदेगा फिलीपींस

नए रक्षा सौदे की है तैयारी, चीन को मिलेगा करारा जवाब

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस के रक्षा मंत्री गिल्बर्टो सी. तेओदोरो जूनियर ने इस महीने कहा था कि भारत के साथ सिर्फ ब्रह्मोस मिसाइल ही नहीं बल्कि एयर डिफेंस सिस्टम और दूसरे कई हथियारों को लेकर भी उनका देश समझौता करना चाहता है। अब दोनों देशों के बीच अपनी डिफेंस पार्टनरशिप को विस्तार देने के लिए तेज रफ्तार से बातचीत चल रही है। फिलीपींस भारत से और ब्रह्मोस मिसाइलें खरीदने के अलावा आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, हेलीकॉप्टर और अंतरिक्ष सहयोग को लेकर बातचीत कर रहा है।



भुगतान के लिए नये तरीकों पर चल रही बातचीत

फिलीपींस भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की कम से कम 6 और बैटरी खरीदने पर विचार कर रहा है। फर्स्टपोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से कई प्रस्तावों पर बातचीत एडवांस स्तर तक पहुंच चुकी है।

● सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हजारों उम्मीदवारों को बड़ी राहत

25 साल बाद एमपी में खत्म हुआ दो बच्चों वाला नियम

● स्पेशल कैबिनेट मीटिंग में सिविल सेवा नियम में संशोधन को मंजूरी

भोपाल (एजेंसी) मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए बड़ी खबर है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ के बाद एमपी सरकार ने भर्तियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम खत्म कर दिया है, जो 25 साल से लागू था। बुधवार को हुई स्पेशल कैबिनेट बैठक में जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के सिविल सेवा नियम, 1961 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद अब तीसरा बच्चा होने पर न तो किसी सरकारी कर्मचारी की नौकरी जाएगी और नही नई भर्तियों में तीन बच्चों वाले उम्मीदवारों





को अयोग्य माना जाएगा। मध्य प्रदेश की सरकारी भर्तियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम 26 जनवरी 2001 के बाद से लागू था। तत्कालीन दिग्विजय सरकार ने इस नियम को जनसंख्या नियंत्रण को बढ़ावा देने के लिए लागू किया था।

सुप्रीम कोर्ट और एमपी कोर्ट ने सरकार से किए थे सवाल

हाल के कुछ वर्षों में सरकारी भर्तियों में टू-चाइल्ड पॉलिसी को व्यक्तिगत स्वतंत्रता के हनन के रूप में देखा जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने इसकी प्रासंगिकता पर टिप्पणी की थी और एमपी कोर्ट ने भी नौकरी लगने के बाद तीसरा बच्चा होने पर नियम लागू होने को लेकर सरकार से सवाल किए थे। हाल ही में इस नियम को हटाने में तब तेजी आई जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने घटती जनसंख्या पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि भारत में प्रजनन दर 2.1 है, लेकिन समाज के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए 3 बच्चों का होना जरूरी है।

राजस्थान और छत्तीसगढ़ में लागू था नियम

मध्य प्रदेश अकेले ऐसा राज्य नहीं है, जहां सरकारी नौकरियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम लागू था। राजस्थान सरकार ने इसे साल 2016 और छत्तीसगढ़ सरकार ने इसे 2017 में खत्म कर दिया था। वहीं आंध्र प्रदेश ने तीसरे बच्चे पर 25000 रुपये के प्रोत्साहन राशि देने की भी घोषणा की है। टू-चाइल्ड पॉलिसी के चलते हजारों कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। स्कूल, कॉलेज और मेडिकल कॉलेजों के सरकारी कर्मचारियों के 8 से 10 हजार मामले तीसरी संतान को लेकर विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई के दायरे में थे, जिन्हें अब बंद कर दिया जाएगा। हालांकि, सरकार ने साफ कर दिया है कि इस नियम के चलते जिन कर्मचारियों की नौकरी जा चुकी है या कार्रवाई में आखिरी फैसला हो चुका है, उन्हें वापस नहीं लाया जाएगा। यानी सेवा से बाहर चुके सरकारी कर्मचारियों को कोई राहत नहीं मिलेगी।

बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 27-28 को हरियाणा के सूरजकुंड में

नई दिल्ली , एजेंसी। बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 27 और 28 नवंबर को हरियाणा के सूरजकुंड में होगी इसमें पार्टी के नेता जुटेंगे। दो दिन तक चलने वाली इस बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हिस्सा लेंगे। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संगठन से जुड़े अहम मामलों पर विचार-विमर्श का एक प्रमुख मंच होती है। इससे पहले बीजेपी ने यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मथुरा में दो दिवसीय योजना बैठक की थी। यह बैठक 16 और 17 नवंबर को परखम गांव में हुई थी। इसमें सीएम योगी, दोनो डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक समेत पार्टी के 54 वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया था। बैठक के दूसरे दिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी शामिल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक मथुरा की बैठक में संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी पर चर्चा हुई थी। युवाओं तक पार्टी की पहुंच बढ़ाने, अब तक बीजेपी से दूर रहे सामाजिक वर्गों को जोड़ने का मुद्दा भी उठा था। इसके साथ ही सरकार की उपलब्धियों को आम लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया था। अब बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अगली बैठक हरियाणा के सूरजकुंड में 27-28 होने जा रही है।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे पर वाहनों की गति सीमा घटी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कोहरे के कारण होने वाले सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य के पांच प्रमुख एक्सप्रेसवे पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा कम की है। उत्तर प्रदेश सड़क सुरक्षा विभाग ने कम दृश्यता को देखकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिसका मुख्य उद्देश्य कोहरे की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना है। विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह शीतकालीन गति सीमा 15 नवंबर, 2026 से लेकर 15 फरवरी, 2027 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि के दौरान, सुबह 08:00 बजे से रात 08:00 बजे तक नई नियम लागू रहने वाले है। इसके तहत, कारों के लिए अधिकतम गति 80 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई है, जबकि यात्री बसों के लिए 60 किलोमीटर प्रति घंटा और मालवाहक ट्रकों के लिए 50 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित किया गया है। जिन पांच एक्सप्रेसवे पर नियम लागू, उसमें आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे शामिल हैं। यह कदम कोहरे के कारण होने वाले गंभीर हादसों को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है, जिनमें अक्सर कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। गति सीमा कम होने से चालकों को आपात स्थिति में वाहनों को नियंत्रित करने और दुर्घटनाओं के प्रभाव को कम करने में सहायता मिलेगी। उत्तर प्रदेश यातायात निदेशालय ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे ठंड और कोहरे के मौसम में सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित गति सीमा का कड़ाई से पालन करें।

सीएम योगी के गृह क्षेत्र में सपा की पदयात्रा पर बीजेपी ने कसा तंज कहा- 2047 तक सत्ता में नहीं आ सकते अखिलेश

लखनऊ , एजेंसी। यूपी 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले सियासी पारा चढ़ने लगा है। सीएम योगी आदित्यनाथ को उनके ही गृह क्षेत्र में राजनीतिक चुनौती देने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गोरखपुर में करीब 20 किलोमीटर लंबी एक भव्य रोड शो और पदयात्रा निकाल रहे हैं। इसको लेकर बीजेपी ने तंज कसा है और कहा कि बीजेपी को अखिलेश की पदयात्रा से कोई चिंता नहीं है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का कहना है कि 2047 तक उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी सत्ता में नहीं आ पाएगी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव चाहे गोरखपुर, सैफई या लखनऊ में कहीं भी यात्रा निकाल लें, सपा का भविष्य पहले भी अंधकार में था, आज भी है और आगे भी रहेगा। समाजवादी पार्टी 2047 तक उत्तर प्रदेश में सत्ता में आने के सपने तो देख सकती है, लेकिन असल में वे सत्ता में नहीं आ सकते। अखिलेश यादव यह बात बहुत अच्छी तरह जानते हैं। बता दें यूपी में 2027 के फरवरी या मार्च में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। पिछले विधानसभा चुनावों के आंकड़ों पर नजर डालें तो बीजेपी ने 255 सीटों पर जीत दर्ज कर प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की थी, जबकि मुख्य विपक्षी दल के रूप में समाजवादी पार्टी ने 111 सीटें जीती थीं। अब जहां बीजेपी विकास और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर तीसरी बार सत्ता की हैट्रिक लगाने की कोशिश कर रही है।

ऐसे बयान भारत की प्रगति और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी नफरत ही है

आर्थिक आपदा वाले बयान पर बीजेपी ने किया राहुल गांधी पर पटलवार

नई दिल्ली , एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर दिए गए बयान ने देश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। राहुल गांधी ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि भारत आर्थिक आपदा की कगार पर खड़ा है। उनके इस बयान पर बीजेपी ने कड़ा रुख अपनाते हुए तीखा हमला बोला और उन पर विदेशी धरती से भारतीय लोकतंत्र और देश की छवि को धूमिल करने का आरोप लगाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी के इस बयान की आलोचना करते हुए बीजेपी नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि भारत की प्रगति और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी नफरत ही है, जिसकी वजह से वे जब भी विदेश जाते हैं, तो भारत के बारे में बुरा-भला कहते हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब पूरी दुनिया मानती है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और भारतीय लोकतंत्र का दुनिया भर में सम्मान है। भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी ने हर बार विदेश जाकर भारत के खिलाफ बोला है!...एक जिम्मेदार विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी खुद एक आपदा हैं!

राहुल गांधी के बयान पर निशाना साधते हुए पश्चिम बंगाल के मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि भारत में राहुल गांधी की कोई बात नहीं सुनता, इसलिए वे विदेश जाकर ऐसी बातें करते हैं। घोष ने कहा कि एक अंधे व्यक्ति को दिन में भी अंधेरा ही दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है और पिछले 12 सालों से लोग खुश हैं। केवल सत्ता के भूखे लोग ही दुखी हैं।

बता दें राहुल गांधी ने कहा कि भारत एक गंभीर आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है, जिसका कारण व्यापक बेरोजगारी और देश की शिक्षा प्रणाली को लेकर गहरी चिंताएं हैं। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एक सभा को संबोधित



करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सीधी बात यह है कि भारत एक आर्थिक आपदा के मुहाने पर खड़ा है। यही हकीकत है। आप इसे नजरअंदाज कर सकते हैं, मीडिया भी इसे नजरअंदाज कर सकता है, लेकिन भारत में बेरोजगारी की एक बहुत बड़ी समस्या है। भारत की शिक्षा प्रणाली में भी एक बहुत बड़ी समस्या है।

दिल्ली में ढहती इमारतें: जानलेवा लापरवाही का सिलसिला

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में इमारतों के ढहने का जानलेवा सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह पूर्वी दिल्ली के शाहदरा स्थित ज्वाला नगर में रेलवे लाइन के पास एक करीब 40 साल पुराना दो मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया। इस दर्दनाक हादसे में मलबे में दबने से तीन साल के मासूम देवांश और 35 वर्षीय पिंटू की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह घटना राजधानी में पुराने और असुरक्षित भवनों की निगरानी व्यवस्था पर फिर गंभीर सवाल खड़े करती है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले छह महीनों में दिल्ली में इमारतों के ढहने के सात बड़े हादसे सामने आए हैं, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। लगातार हो रही घटनाओं से प्रशासन की जर्जर भवनों की पहचान, उनकी मरम्मत या उन्हें खाली कराने की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। ज्वाला नगर में गिरी इमारत करीब चार दशक पुरानी थी और जानकारी के अनुसार, मकान मालिक ने लंबे समय से इसकी मरम्मत नहीं की थी। बताया गया कि करीब 700 गज की जमीन पर बने इस परिसर में 30 कमरे थे और करीब 70 किरायेदार रहते थे, जो इमारत की क्षमता और उसकी मौजूदा स्थिति को लेकर संदेह पैदा करता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह इमारत नगर निगम की खतरनाक भवनों की सूची में शामिल नहीं थी। उत्तर-पूर्वी निगम जोन के अधिकारी ने पुष्टि की कि भवन निगम के रिकॉर्ड में खतरनाक इमारत के तौर पर दर्ज नहीं था, जिससे भवनों के सर्वे और निगरानी की प्रभावशीलता पर सीधा सवाल खड़ा होता है। राजधानी में तेजी से बढ़ती आबादी और सीमित आवासीय विकल्पों के कारण पुराने मकानों में बड़ी संख्या में किरायेदार मजबूरन रह रहे हैं। कई जगह भवनों में जरूरत से ज्यादा कमरे बनाकर किराये पर दिए जाते हैं।

अयोध्या और नेपाल के जनकपुर के बीच नई ट्रेन सेवा का होगा शुभारंभ

● पीएम मोदी और बालेन शाह दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी अयोध्या को बिहार के सीतामढ़ी से होकर नेपाल के जनकपुर धाम से जोड़ने वाली नई साप्ताहिक ट्रेन सेवा को मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण ट्रेन का शुभारंभ 23 नवंबर को होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह संयुक्त रूप से ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। माना जा रहा है कि यह सेवा नेपाल के प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा के दौरान शुरू होगी, जो मार्च में पदभार संभालने के बाद उनकी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा होगी।



यह ट्रेन अयोध्या कैंट और जनकपुर धाम के बीच करीब 604 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या को माता सीता से जुड़े स्थल जनकपुर और सीतामढ़ी से जोड़ने वाले मार्ग से तीर्थयात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। अपने सफर के दौरान यह ट्रेन कुल 10 प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी, जिसमें उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम, मनकापुर, बस्ती और गोरखपुर तथा बिहार के नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, शिशो, मधुबनी और जयनगर शामिल हैं। इसके बाद यह ट्रेन जयनगर के रास्ते नेपाल में प्रवेश कर जनकपुर धाम पहुंचेगी। रेलवे के तय कार्यक्रम के अनुसार, यह ट्रेन हर सोमवार को अयोध्या कैंट से रवाना होगी और वापसी में हर शनिवार को जनकपुर धाम से चलेगी। भारतीय रेलवे का मानना है कि इस सीमा पार ट्रेन सेवा के शुरू होने से तीर्थयात्रियों, पर्यटकों के साथ-साथ पढ़ाई, व्यापार और काम के सिलसिले में आने-जाने वाले लोगों के लिए यात्रा बेहद सुगम हो जाएगी। इस रूट पर स्थित दोनों देशों के प्रमुख शहरों में पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को भी नया बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र कैबिनेट के महत्वपूर्ण फैसले: शिक्षा, सुरक्षा और न्याय पर व्यापक प्रभाव

मुंबई , एजेंसी । मुंबई में महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें राज्य के गृह, उच्च व तकनीकी शिक्षा, वस्त्र उद्योग और विधि व न्याय विभागों से संबंधित कई बड़े निर्णय लिए गए।

इन फैसलों में, सुरक्षा बलों से नक्सलियों द्वारा लूटे गए हथियारों की जानकारी देने वालों के लिए नकद इनाम योजना शुरू करने का अहम फैसला शामिल है। इस पहल का उद्देश्य ऐसी गुप्त सूचनाओं को प्रोत्साहित करना है, जिससे राज्य में आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर सके।

इसके अलावा, राज्य में उच्च और तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए महाराष्ट्र पब्लिक यूनिवर्सिटीज एक्ट, 2016 में संशोधन को मंजूरी दी गई। यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों को ध्यान में रखकर किए जाएंगे, जिससे महाराष्ट्र में शिक्षा के स्तर को नई दिशा मिल सकेगी।

वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, कैबिनेट ने राज्य की इंटीग्रेटेड और सस्टेनेबल टेक्सटाइल इंडस्ट्री पॉलिसी में भी संशोधन को स्वीकृति दी। इस निर्णय के तहत, पालघर जिले को अब जोन-1 में शामिल किया जाएगा, जबकि जोन-4 को रद्द कर विस्तार के नियमों में भी बदलाव किए जाएंगे। इन संशोधनों से पालघर में वस्त्र संबंधी व्यापार और निवेश को गति मिलने की उम्मीद है।

न्यायिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कैबिनेट ने पालघर जिले में प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट के साथ-साथ चीफ मजिस्ट्रेट कोर्ट स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इसके अतिरिक्त, पालघर में सरकारी वकीलों के कार्यालय और उनसे संबंधित सहायक पदों के सृजन को भी हरी झंडी दिखाई गई है। इन फैसलों से पालघर जिले में न्यायिक प्रशासन मजबूत होगा और आम लोगों को स्थानीय स्तर पर त्वरित न्याय मिल सकेगा।

पांच हजार लीटर गंगाजल लेकर पशुपतिनाथ धाम रवाना हुई कलश यात्रा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। गंगोत्री धाम से नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के लिए निकाली गई श्रीगंगा कलश यात्रा का हरिद्वार पहुंचने पर निरंजनी अखाड़े में भव्य स्वागत किया गया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष डा. रविंद्रपुरी ने चरण पादुका मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद पांच हजार लीटर गंगाजल से भरे विशाल कलश को नेपाल स्थित पशुपतिनाथ धाम के लिए रवाना किया। इस पवित्र जल से पूरे वर्ष भगवान पशुपतिनाथ महादेव का अभिषेक किया जाएगा।



बुधवार को गंगोत्री धाम के रावल शिव प्रकाश इस कलश यात्रा के साथ हरिद्वार पहुंचे थे। डा. रविंद्रपुरी ने कहा कि गंगोत्री से लाया गया पवित्र जल पशुपतिनाथ महादेव को समर्पित किया जाएगा। भगवान केदारनाथ और पशुपतिनाथ के बीच विशेष आध्यात्मिक संबंध है। धार्मिक मान्यता के अनुसार केदारनाथ धाम में भगवान शिव के पिछले भाग की पूजा होती है, जबकि नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर में उनके मुख भाग की पूजा की परंपरा है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा प्राचीन धार्मिक परंपराओं को जीवित रखने के साथ भारत और नेपाल के आध्यात्मिक संबंधों को मजबूत करने की महत्वपूर्ण पहल है। आने वाले वर्षों में इस यात्रा को और अधिक भव्य स्वरूप दिया जाएगा।

रावल शिव प्रकाश ने बताया कि प्राचीन परंपरा के अनुसार गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने के बाद वहां से गंगाजल नेपाल स्थित पशुपति धाम ले जाया जाता है और भगवान पशुपतिनाथ का अभिषेक किया जाता है। इस अवसर पर निरंजनी अखाड़े के सचिव रामरतन गिरि, महामंडलेश्वर स्वामी सत्यश्रेयानंद गिरि, महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरि, महंत राज गिरि, प्रोफेसर सुनील बत्रा, डा. विशाल गर्ग, पंडित अधीर कौशिक सहित बड़ी संख्या में संत-महंत और श्रद्धालु मौजूद रहे।

आस्थापथ के विस्तार से कुंभ में श्रद्धालुओं को मिलेगी आवागमन की बेहतर सुविधा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के तहत हरिद्वार में आस्थापथ के विस्तार और विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। धनुष पुल से बैरागी कैंप तक आस्थापथ के विस्तारीकरण से श्रद्धालुओं को हरकी पैड़ी तक पहुंचने के लिए एक सुगम वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। इससे कुंभ के दौरान भीड़ का दबाव कम करने और आपातकालीन परिस्थितियों में श्रद्धालुओं की सुरक्षित निकासी में भी मदद मिलेगी।

मेलाधिकारी सोनिका ने बुधवार को चंडी चौक से धनुष पुल तक पैदल भ्रमण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण स्थलों पर नियमित निरीक्षण और गुणवत्ता की निरंतर निगरानी करने को कहा।

परियोजना के तहत धनुष पुल से आस्था पुल को जोड़ते हुए दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग तक मार्ग का निर्माण अंतिम चरण में है। इसके आगे पार्किंग से सटे तटवर्ती क्षेत्र में लगभग 270 मीटर लंबे ऊंचे मार्ग का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। मेलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कुंभ शुरू होने से पहले आस्थापथ के विस्तारित हिस्से को पूरी तरह व्यवस्थित और सुविधायुक्त बनाया जाए। इसके लिए दिन-रात काम कराने पर भी जोर दिया।

उन्होंने धनुष पुल से सीसीआर के बीच नवनिर्मित घाट का निरीक्षण कर शेष



कार्य तत्काल पूरा करने को कहा। घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और अन्य जनसुविधाओं के इंतजाम निर्माण के साथ ही पूरे करने के निर्देश दिए। इसके अलावा रोड़ी बेलवाला क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और एडमिन रोड की प्रगति भी देखी। उन्होंने क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त रखने के लिए नियमित निगरानी तथा जनसुविधाओं और प्रकाश व्यवस्था से जुड़े कार्य प्राथमिकता से पूरा करने को कहा। आस्थापथ के विस्तार के तहत धनुष पुल से चंडी चौक तक लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबे हिस्से का निर्माण यूआईआईडीबी की रोड़ी बेलवाला पुनर्विकास परियोजना के अंतर्गत यूपीडीसीसी के माध्यम से कराया जा रहा है। आगे इसे बैरागी कैंप से जोड़ने का कार्य उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग कर रहा है। निरीक्षण के दौरान यूपीडीसीसी के परियोजना प्रबंधक सुमित मलवाल, उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के अभियंता भारत भूषण सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पंजाब में भाजपा की समरसता संकल्प यात्रा का आगाज़, आप पर निशाना

जालंधर , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंजाब के जालंधर में समरसता संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाई। भाजपा नेताओं ने दौरे का मकसद सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) के कुशासन से राज्य को बचाना और पंजाब को फिर से सही रास्ते पर लाना बताया। जालंधर जिले के आदमपुर स्थित गुरु रविदास जी महाराज हवाई अड्डे पर पहुंचने पर उनका स्वागत पंजाब भाजपा प्रमुख केवल सिंह ढिल्लों और पार्टी प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने किया।

बीजेपी प्रवक्ता शेरगिल ने बताया कि यह यात्रा गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के सम्मान में आयोजित की गई है। उन्होंने कहा, नितिन नवीन पंजाब की पवित्र भूमि से प्रार्थना करने वाले हैं कि राज्य को आप के कुशासन से बचाया जा सके, जिस सरकार ने राज्य को नशीले पदार्थों, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बिगड़ती कानून-व्यवस्था के अंधेरे में धकेल दिया है। वे गुरु रविदास महाराज जी से पंजाब का पुराना गौरव वापस लौटने और राज्य को पूरे भारत में फिर से नंबर एक बनाने की भी प्रार्थना



करने वाले है।

वरिष्ठ भाजपा नेता विजय सांपला ने बताया पंजाब से शुरू हुई यह यात्रा चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सहित कुल सात राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से होकर 3 दिसंबर को वाराणसी में समाप्त होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समापन कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले है। बीजेपा नेता अश्वनी सेखरी ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य गुरु रविदास जी से जुड़ी घटनाओं को मनाना और उनके दिए गए आदर्शों व शिक्षाओं का सम्मान करना है। भाजपा के अनुसार, समरसता संकल्प यात्रा 3 दिसंबर तक पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में संत रविदास जी के संदेश का प्रसार करेगी। यह आयोजन तब हो रहा है जब भाजपा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती को साल भर चलने वाले एक राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मना रही है।

विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता: दीपक सैनी

देहरादून (शिखर समाचार)। देहरादून के नवनियुक्त मुख्य विकास अधिकारी दीपक सैनी ने बुधवार को विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने जनपद में विकास कार्यों को गति देने, जनकल्याणकारी योजनाओं का पारदर्शी ढंग से क्रियान्वयन कराने तथा योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को अपनी प्राथमिकता बताया।

दीपक सैनी ने नई जिम्मेदारी सौंपने के लिए उत्तराखंड शासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे। उन्होंने ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से



सशक्त बनाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जनपद में संचालित निर्माण एवं विकास परियोजनाओं की नियमित निगरानी की जाएगी। कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ लंबित परियोजनाओं को तेजी से पूरा कराने पर ध्यान दिया जाएगा। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता सहित मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने जनसमस्याओं के त्वरित समाधान, नियमित क्षेत्रीय निरीक्षण तथा ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाओं की प्रभावी समीक्षा पर बल दिया। उन्होंने देहरादून के पर्वतीय और दूरस्थ क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण संरक्षण, आपदा सुरक्षा और स्थानीय रोजगार को प्रोत्साहित करने की बात कही। दीपक सैनी ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के सहयोग से टीम भावना, पारदर्शिता तथा परिणामोन्मुख कार्यशैली के साथ विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि विकास का सकारात्मक प्रभाव लोगों के जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई दे।

शादी का वादा कर युवती का शोषण करने का आरोप, चांदपुर पुलिस ने दबोचा

बिजनौर (शिखर समाचार)। शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में चांदपुर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान ग्राम सुल्तानपुर निवासी आकाश पुत्र काले के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, 14 नवंबर को पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि आकाश ने शादी का वादा करके उसके साथ गलत कार्य किया। जब उसने इस बात का विरोध किया तो आरोपी के परिजनों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 और 351(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया था। मामले में कार्रवाई करते हुए बुधवार को चांदपुर पुलिस ने आरोपी आकाश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, प्रकरण में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में अपराध निरीक्षक दिनेश कुमार और मुख्य आरक्षी अश्वनी कुमार शामिल रहे।



दवा लेने जा रहे बुजुर्ग की सड़क हादसे में मौत, परिवार में मचा कोहराम

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना-धामपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुरैनी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने बाइक की टक्कर से लूना सवार 75 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया।



थाना क्षेत्र के ग्राम महारतपुर कला उर्फ पुरैनी निवासी राम सिंह सैनी बुधवार दोपहर करीब दो बजे अपनी लूना से पुरैनी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर दवा लेने जा रहे थे। जैसे ही वह स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य द्वार के सामने पहुंचे, तभी धामपुर की ओर जा रहे दो युवकों की बाइक अनियंत्रित होकर उनकी लूना से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राम सिंह सैनी गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही महारतपुर कला उर्फ पुरैनी और पुरैनी खास गांव के सैकड़ों ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और बुजुर्ग को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए पंचनामा भरा और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय बिजनौर भेज दिया।

गढ़मुक्तेश्वर में भैंसा बुग्गी सवार पर फायरिंग और धमकाने के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार, दो गाड़ियां सीज



गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में भैंसा बुग्गी सवार व्यक्ति को पिस्टल दिखाकर फायरिंग करने और बुग्गी दौड़ाने के लिए धमकाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त थार और जोंगा गाड़ी को भी बरामद कर सीज कर दिया है। पुलिस के अनुसार, 16 नवंबर को गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में भैंसा बुग्गी के आगे चल रही थार गाड़ी में सवार चार युवकों में से एक ने पिस्टल निकालकर भैंसा बुग्गी पर फायरिंग की और चालक को धमकाया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने तत्काल मामले का संज्ञान लिया और संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने चारों आरोपियों को नानपुर हाईवे फ्लाईओवर के नीचे से दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मेरठ के परतापुर थाना क्षेत्र स्थित मोहिउद्दीनपुर निवासी अरुण पुत्र वीर राणा, गाढ़वी निवासी आर्यन नेहरा पुत्र विजय सिंह नेहरा, मोहिउद्दीनपुर निवासी आर्यन उर्फ गुल्लू पुत्र महिपाल तथा गाजियाबाद के निवाड़ी थाना क्षेत्र स्थित पतला निवाड़ी निवासी राजू उर्फ उदय चौधरी पुत्र अजीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई थार और जोंगा गाड़ी बरामद कर उन्हें सीज कर दिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा है और इनके खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

संगीत और कथक की प्रतिभाओं ने दिखाया हुनर, संभागीय प्रतियोगिता में विजेताओं को मिला सम्मान



सहारनपुर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित शास्त्रीय एवं सुगम संगीत संभागीय प्रतियोगिता एवं प्रतिभा खोज प्रतियोगिता 2026-27 संपन्न हो गई। वैष्णवी नृत्यालय, संभाग सहारनपुर में केंद्र संयोजिका एवं निदेशक रंजना नैब के निर्देशन में आयोजित प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में कलाकारों ने प्रतिभाग किया। विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। निर्णायक मंडल में लखनऊ से रेणु श्रीवास्तव, सुनील सागर और प्रवेश चौधरी शामिल रहे। शास्त्रीय गायन (ख्याल) के बाल वर्ग में गुरनीत कौर ने प्रथम, अनंतिका ने द्वितीय और गार्वी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। किशोर वर्ग में शुभ सैनी प्रथम, अदिति वर्मा द्वितीय और प्रज्ञात तृतीय रहे। युवा वर्ग में विक्रांत ने प्रथम और वंश खन्ना ने द्वितीय स्थान हासिल किया। सुगम संगीत के बाल वर्ग में वंश मेहंदीरत्ता प्रथम, वंश राठौर द्वितीय और रंगत तृतीय रहे। किशोर वर्ग में गजल गायन में ईशान धीमान प्रथम, अदिति वर्मा द्वितीय और प्रज्ञा प्रकाश बोध तृतीय रहीं। युवा वर्ग में ध्रुपद-धमार विधा में कुश कुमार धीमान प्रथम रहे। कथक नृत्य के बाल वर्ग में जया महाजन प्रथम, पर्ल खरबंदा द्वितीय तथा शनाया कालरा और आराध्या पुंडीर तृतीय स्थान पर रहीं। युवा वर्ग में नंदनी बिंदल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तंत्र वाद्य के बाल वर्ग में सितार पर कवन प्रीत सिंह प्रथम, संतूर पर पूर्वा सिंह द्वितीय और सरोद पर अथर्व सिंगल तृतीय रहे। गज वाद्य में इसराज पर अमान्या चौधरी प्रथम, शुभ धिमान द्वितीय और सारंगी पर श्रेयान भार्गव तृतीय रहे। बांसुरी में श्रीधर वशिष्ठ द्वितीय और गर्वित सिंह तृतीय रहे, जबकि प्रथम स्थान रिक्त रहा। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को लखनऊ में होने वाली प्रादेशिक प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रंजना नैब ने कहा कि ऐसे आयोजन शास्त्रीय कलाओं के संरक्षण और नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गाजियाबाद में चार स्थानों पर स्थापित होंगे ईवीएम प्रदर्शन केंद्र, 20 नवंबर से शुरू होगा मतदाता जागरूकता अभियान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के क्रम में मतदाताओं को ईवीएम और वीवीपैट की कार्यप्रणाली से परिचित कराने के लिए जनपद में 20 नवंबर से विशेष मतदाता जागरूकता अभियान शुरू किया जाएगा। इस संबंध में बुधवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने बताया कि आमजन को मतदान प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान देने के उद्देश्य से जनपद में चार स्थानों पर ईवीएम प्रदर्शन केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इनमें जनपद की तीनों तहसीलों में एक-एक केंद्र तथा कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में एक केंद्र बनाया जाएगा। इन केंद्रों के सुचारू संचालन के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। केंद्रों पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक प्रशिक्षित कर्मचारियों की देखरेख में मतदाता छद्म मतदान (मॉक वोट) कर सकेंगे और



वीवीपैट पर्ची के माध्यम से अपने चुने गए प्रत्याशी के नाम व चुनाव चिह्न की पुष्टि करने की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।

अभियान को व्यापक बनाने के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल प्रदर्शन वैन तथा प्रमुख सार्वजनिक स्थलों के माध्यम से भी प्रचार-प्रसार किया जाएगा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह जागरूकता अभियान निर्वाचन की घोषणा होने तक निरंतर संचालित रहेगा। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता करने और अधिक से अधिक मतदाताओं को जागरूक करने में सहयोग की अपील की।

बैठक के उपरांत जिलाधिकारी ने निर्वाचन कक्ष का स्थलीय निरीक्षण कर ईवीएम और वीवीपैट मशीनों के रखरखाव व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जागरूकता के लिए चिह्नित मशीनों को मुख्य चुनाव मशीनों से पूरी तरह अलग रखा जाए तथा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को 20 नवंबर से पूर्व समस्त तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अंजनी कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गढ़ गंगा और तिगरी मेले को जोड़ने वाले पैंटून पुल का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (शिखर समाचार)। गढ़ गंगा कार्तिक पूर्णिमा मेला और तिगरी मेले के बीच श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए बनाए जा रहे पीपा (पैंटून) पुल का बुधवार को जिलाधिकारी कविता मीना, पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह और मुख्य विकास अधिकारी ने संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने पुल के निर्माण कार्य की प्रगति, मजबूती और सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।



निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी कविता मीना ने पुल पर की जा रही बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था और यातायात प्रबंधन के संबंध में संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कार्यदायी संस्था को सख्त निर्देश दिए कि पुल का निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के मानकों के अनुरूप हर हाल में पूर्ण किया जाए, ताकि मेले के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। वहीं, पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह ने सुरक्षा दृष्टिकोण से पुल पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, कुशल गोताखोरों और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुल पर किसी भी स्थिति में ओवरलोडिंग न होने दी जाए और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए।

अधिकारियों ने कहा कि इस पैंटून पुल के बन जाने से दोनों प्रमुख मेलों के बीच लाखों श्रद्धालुओं का आवागमन बेहद सुगम हो जाएगा। प्रशासन ने दोहराया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वन भूमि पर पिलर लगाने के आरोप में सपा विधायक स्वामी ओमवेश पर मुकदमा





बिजनौर (शिखर समाचार)। विदुर कुटी के निकट आरक्षित वन भूमि पर कथित कब्जे के प्रयास के मामले में चांदपुर विधानसभा क्षेत्र से सपा विधायक एवं पूर्व मंत्री स्वामी ओमवेश समेत कई लोगों के खिलाफ वन विभाग ने मुकदमा दर्ज कराया है। मामला करीब 8 से 10 बीघा आरक्षित वन भूमि पर 31 पिलर लगाए जाने से जुड़ा है। वन विभाग ने विधायक के साथी भूरा समेत अन्य लोगों को भी मामले में आरोपी बनाया है।

वन रक्षक चौधरी अजय कुमार की तहरीर पर विभाग ने भारतीय वन अधिनियम की धारा 26 तथा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धारा 27 और 51 के तहत वन अपराध दर्ज कराया है। वन विभाग का आरोप है कि आरक्षित वन भूमि पर अवैध कब्जा करने के उद्देश्य से पिलर लगाए गए थे। मामले को लेकर विभागीय स्तर पर कार्रवाई की गई है।

वहीं, विधायक स्वामी ओमवेश ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए मुकदमे को राजनीतिक षड्यंत्र करार दिया है। उनका कहना है कि उनकी राजनीतिक और सामाजिक छवि धूमिल करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई कराई गई है। विधायक ने वन क्षेत्राधिकारी महेश गौतम को अपना कट्टर दुश्मन बताते हुए मुकदमा दर्ज किए जाने की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। मामले को लेकर वन विभाग की कार्रवाई और विधायक के आरोपों के बाद क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है।

गाजियाबाद में स्वजनगणना के लिए नगर निगम ने निकाली जागरूकता रैली





गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल के नेतृत्व में नगर निगम की विभिन्न जोनल टीमों द्वारा आमजन को जनगणना के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नगर जनगणना अधिकारी एवं अपर नगर आयुक्त रेनू सिंह द्वारा जनगणना जागरूकता रैली का शुभारंभ किया गया, जिसके अंतर्गत वसुंधरा और मोहन नगर जोन में रैलियां निकाली गईं। प्रशासन के अनुसार अन्य जोन में भी इसी प्रकार जागरूकता रैलियों का आयोजन किया जाएगा। मोहन नगर जोनल प्रभारी आशीष त्रिपाठी ने बताया कि नगर निगम साहिबाबाद विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षकों ने जोन के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ मिलकर रैली निकाली और क्षेत्रवासियों को जनगणना के प्रति जागरूक किया। वहीं, वसुंधरा जोनल प्रभारी राजेश गुप्ता ने जानकारी दी कि मकनपुर स्थित नगर निगम विद्यालय द्वारा भी जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें स्थानीय पार्षद भी उपस्थित रहे। रैली के दौरान 'सही जानकारी, सही योजना' का संदेश प्रसारित किया गया। अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी के रूप में नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने नागरिकों से 30 नवंबर तक चल रहे स्वजनगणना अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि नागरिक निर्धारित सरकारी पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपने परिवार का विवरण दर्ज कर सकते हैं। इसके उपरांत 1 दिसंबर से 4 जनवरी तक 3577 प्रगणकों की टीम घर-घर जाकर जनगणना का कार्य संपन्न करेगी। उन्होंने सभी शहरवासियों से प्रगणकों को सही जानकारी उपलब्ध कराकर राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में पूर्ण सहयोग करने का अनुरोध किया है। नगर जनगणना अधिकारी रेनू सिंह ने बताया कि जन-जन तक संदेश पहुंचाने के लिए सभी जोन में रचनात्मक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। मोहन नगर जोन में कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनगणना की उपयोगिता समझाई गई, वहीं विभिन्न स्थानों पर भव्य रंगोली सजाकर और रैलियों के जरिए लोगों को स्वजनगणना के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

विकास कार्यों में योगदान को किया याद, बीडीओ सतीश कुमार को दी भावभीनी विदाई



बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। बुढ़ाना विकास खंड से सहारनपुर के सरसावा ब्लॉक में स्थानांतरित हुए खंड विकास अधिकारी सतीश कुमार के सम्मान में बुधवार को विकास खंड परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में क्षेत्र के गणमान्य लोगों, ग्राम प्रधानों, ग्राम सचिवों और कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके कार्यकाल की सराहना की।

कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी धर्मेंद्र चौधरी ने कहा कि सतीश कुमार एक कुशल अधिकारी होने के साथ-साथ मिलनसार और मददगार व्यक्तित्व के धनी हैं। उनके कार्यकाल में बुढ़ाना विकास खंड में विकास कार्यों को नई गति मिली। उन्होंने हमेशा कर्मचारियों और ग्राम प्रधानों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनकर उनका समाधान कराने का प्रयास किया। उन्होंने सतीश कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में मौजूद ग्राम सचिवों और ग्राम प्रधानों ने भी उनके कार्य करने के तरीके, सादगी और व्यवहार की प्रशंसा की। वक्ताओं ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान सभी के साथ बेहतर समन्वय और सहयोग की भावना बनी रही। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने सतीश कुमार को फूलमालाएं पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा नए कार्यस्थल पर सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में ग्राम सचिव पुष्पेंद्र कुमार, संजीव कुमार, रोहित तोमर, रश्मि सहित अनेक ग्राम सचिव, ग्राम प्रधान और विकास खंड के कर्मचारी मौजूद रहे।

जनगणना में भागीदारी बढ़ाने के लिए स्टेडियम में लगाया जागरूकता शिविर



मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय जनगणना 2027 के अंतर्गत स्वगणना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह स्टेडियम में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिला क्रीड़ा विभाग एवं सूचना विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में खिलाड़ियों और पत्रकारों को स्वगणना की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए इसमें सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन बाल कल्याण समिति के सदस्य राजीव कुमार ने किया। इस दौरान क्रीड़ा अधिकारी भूपेंद्र यादव और अपर जिला सूचना अधिकारी नरसिंह ने अपने कर्मचारियों के साथ स्वगणना की। शिविर में विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों को भी स्वगणना करने के लिए जागरूक किया गया। मास्टर प्रशिक्षक विक्रांत कुमार ने उपस्थित लोगों को जनगणना पोर्टल पर अपना विवरण पंजीकृत करने की प्रक्रिया विस्तार से समझाई। उन्होंने बताया कि 16 से 30 नवंबर तक नागरिक पोर्टल के माध्यम से अपनी स्वगणना कर सकते हैं। उन्होंने सभी जागरूक नागरिकों से निर्धारित अवधि में स्वगणना पूरी करने और जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान अंतरराष्ट्रीय पैरा एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता खिलाड़ी विजय तोमर को सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

गाजियाबाद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 81 जोड़ों का विवाह संपन्न

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत बुधवार को हापुड़ रोड स्थित धर्मशाला लाला मीनामल में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 81 जोड़ों का विवाह उनके पारंपरिक और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया। समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

समारोह में सभी वर्गों की सहभागिता देखने को मिली। इस दौरान अनुसूचित जाति के 27, अन्य पिछड़ा वर्ग के 18, सामान्य वर्ग के 20 तथा अल्पसंख्यक वर्ग के 16 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इनमें से 65 हिंदू जोड़ों का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार, जयमाला और सात फेरों के साथ संपन्न हुआ, जबकि मुस्लिम समुदाय के 16 जोड़ों का निकाह कराया गया।

जिला समाज कल्याण अधिकारी संदीप चौधरी ने योजना के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को गृहस्थी की शुरूआत के लिए 21 हजार रुपये मूल्य की उपहार सामग्री प्रदान की गई है। इस सामग्री में वर-वधू के वस्त्र, स्टील डिनर सेट, प्रेशर कुकर, ट्रॉली बैग, वैनिटी किट और दीवार



घड़ी सहित अन्य आवश्यक घरेलू वस्तुएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रत्येक वधू के बैंक खाते में 64 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि सीधे हस्तांतरित किए जाने का प्रावधान है।

कार्यक्रम में गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजीव शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सभी नवदंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए इसे सरकार की एक अत्यंत सराहनीय पहल बताया। समारोह को सफल बनाने में जिला समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

रिश्तों की टूटती मर्यादा को रोकने के लिए मातृशक्ति आगे आए : सुहृदय गिरि

कानपुर, एजेंसी। राजस्थान भवन कराचीखाना में चल रहे महिला शिक्षा मंडल के 78वें वार्षिक अधिवेशन के चौथे दिन संत समागम और श्रीराम कथामृत की रसधारा बही। महिलाओं ने गीता पाठ किया। वृंदावन से आए स्वामी जगदीश्वरानंद ने कहा कि मनुष्य को अपने मूल आधार को कभी नहीं भूलना चाहिए। इंदौर से आए स्वामी नारायणानंद ने वेदांत के महत्व पर प्रकाश डाला। पंडित आनंद कुमार गौड़ ने गीता ज्ञान यज्ञ कराया। कथा व्यास सुहृदय गिरी ने श्रीराम विवाह से रावण वध तक के प्रसंग सुनाए। उन्होंने कहा कि रिश्तों की टूटती मर्यादा को रोकने के लिए मातृशक्ति को आगे आना होगा। बच्चों ने गीता के श्लोक सुनाए और नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। आईएएस नेहा जैन ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। संचालन डॉ. ब्रजबाला सिंघल और मीरा गर्ग ने किया। यहां विधायक अमिताभ बाजपेई, गीता अग्रवाल, मीना गर्ग, मधु गुप्ता, हीरा अवस्थी, नीति गुप्ता, गौरी, राजेंद्र कुमार गुप्ता, सूरजपाल सिंह, बबलू आदि मौजूद रहे।

7013 छूटे विद्यार्थियों को 13 दिसंबर को बांटे जाएंगे टैबलेट

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से 15 नवंबर को राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में किन्हीं कारणों से टैबलेट न पाने वाले विद्यार्थियों को अब 13 दिसंबर को डिवाइस का वितरण किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसके लिए सूचना जारी कर दी है। डिजिशक्ति योजना के नोडल समन्वयक डॉ. आरबी सिंह के अनुसार, 7013 विद्यार्थियों को दो पालियों में टैबलेट दिए जाएंगे। पहली पाली में क्रम संख्या एक से 3500 तक के विद्यार्थियों को सुबह 10 से दोपहर 12:30 बजे तक टैबलेट मिलेंगे। दूसरी पाली में क्रम संख्या 3501 से 7013 तक के विद्यार्थियों को दोपहर एक से 3:30 बजे तक डिवाइस वितरित की जाएगी। वितरण विश्वविद्यालय के पुराने परिसर स्थित परीक्षा संचालन हॉल, आर्ट्स क्वाड्रैंगल में होगा। विद्यार्थियों को निर्धारित समय पर स्वयं उपस्थित होना होगा। साथ में विश्वविद्यालय का पहचान पत्र अथवा मूल अंकपत्र और आधार कार्ड लाना अनिवार्य है।

बरेका के पुराने क्वार्टरों की मजबूती के लिए आईआईटी रखेगा प्रोजेक्ट ऑफिसर

वाराणसी , एजेंसी। आईआईटी बीएचयू बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बरेका) के पुराने आवासीय क्वार्टरों को फिर से मजबूत करने की तकनीक सुझाएगा। एक साल के अंदर ये काम पूरा हो जाएगा। सिविल इंजीनियरिंग के वैज्ञानिक परिसर के भवनों का ऑडिट करेंगे। इसे लेकर आईआईटी बीएचयू में एक प्रोजेक्ट ऑफिसर पद पर भर्ती भी होगी। इन्हें 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। आईआईटी बीएचयू के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विश्वजीत आनंद इस प्रोजेक्ट के पीआई हैं। आईआईटी बीएचयू की ओर से स्ट्रक्चरल ऑडिट एंड रेमेडियल सॉल्यूशंस फॉर रीस्ट्रेथनिंग ऑफ ओल्ड रेजिडेंशियल क्वार्टर्स ऑफ बनारस लोकोमोटिव वर्क्स शीर्षक से प्रोजेक्ट ऑफिसर पद के लिए आवेदन भी शुरू कर दिया गया है। प्रोजेक्ट ऑफिसर के लिए अनिवार्य योग्यता सिविल या स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में एमटेक, एमई या एमएस होना चाहिए। इसके अलावा ऐच्छिक योग्यता में सिविल या स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में पीएचडी, इसी सेक्टर में एक साल का अनुभव होना चाहिए। वहीं ऑटोकैड, स्टाड प्रो, एसएपी 2000, ईटीएबीएस, मिडास, टेकला, एबस्कस और ऐंसिस जैसे सॉफ्टवेयर में काम करने की दक्षता हो।

एसआरएम टीम को बरेली मंडल के अस्पतालों में मिलीं खामियां

बरेली , एजेंसी। मुरादाबाद से आई स्टेट रिव्यू मिशन (एसआरएम) टीम का मंगलवार को बरेली मंडल के अस्पतालों का मूल्यांकन पूरा हो गया। शासन के आदेश पर 50 से अधिक टीमों ने मंडल के चारों जिलों के अस्पतालों का जायजा लिया। चार दिन चले निरीक्षण में चिकित्सा सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं में कई खामियां सामने आईं, जिनकी रिपोर्ट अब शासन को सौंपी जाएगी। टीम बीते 14 नवंबर को बरेली पहुंची थी। पहले दिन जिला अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति देखी गई। यहां लंबे समय से मानव संसाधन की कमी के चलते आईसीयू समेत अन्य सुविधाओं का संचालन ठीक नहीं मिला। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का भी जायजा लिया गया। निरीक्षण के अंतिम दिन मंगलवार को टीम जिला महिला चिकित्सालय पहुंची। यहां पर्चा काउंटर और ओपीडी की व्यवस्थाएं देखी गईं। लेबर रूम में रोगी भर्ती पुस्तिका में कई त्रुटियां मिलीं, जिनमें सुधार के निर्देश दिए गए। मुरादाबाद से आए संयुक्त निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ आशू अग्रवाल ने बताया कि एसआरएम का उद्देश्य स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार करना है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों में भी मरीजों को बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास है। निरीक्षण में मिली कमियों की रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी, जिससे जल्द सुधार होगा। जिला महिला अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए लगी लिफ्ट दो वर्ष से बंद मिली। तकनीकी खराबी के बाद मरम्मत तो हुई, लेकिन ऑपरेटर न होने से संचालन नहीं हो रहा है। एसएनसीयू में रेडिएंट वार्मर और फोटो थेरेपी मशीनों की संख्या कम है। इसके चलते स्टाफ को मजबूरन एक मशीन पर दो-दो नवजात भर्ती करने पड़ रहे हैं। अस्पताल में गर्भवती मरीजों को त्वरित इलाज देने के लिए एचडीयू स्थापित की गई है। हालांकि, मानव संसाधन की कमी के कारण इसकी सुविधा नहीं मिल पा रही है। प्रबंधन ने मानव संसाधन की तैनाती के लिए पत्राचार किया है। जिला अस्पताल में भी मानव संसाधन की कमी के कारण आईसीयू जैसी सुविधाएं प्रभावित थीं।

सरकार ने जारी किया 2027 अवकाश का कैलेंडर,

तीन दिन का होगा होली पर अवकाश



लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2027 के लिए आधिकारिक सार्वजनिक और निर्बन्धित अवकाशों की सूची जारी कर दी है, जिसमें होली, दीवाली और रविवार को पड़ने वाले प्रमुख अवकाशों का पूरा ब्योरा शामिल है। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार वर्ष 2027 में होली का मुख्य सार्वजनिक अवकाश 23 मार्च (मंगलवार) को रहेगा, जबकि 22 मार्च (सोमवार) को होलिका दहन और 24 मार्च (बुधवार) को निर्बन्धित अवकाश के रूप में होली शामिल की गई है।

साल के सबसे बड़े पर्व दीवाली का मुख्य सार्वजनिक अवकाश 29 अक्टूबर (शुक्रवार) को घोषित किया गया है, जिसके अगले दिन 30 अक्टूबर (शनिवार) को गोवर्द्धन पूजा और 31 अक्टूबर (रविवार) को भैयादूज व चित्रगुप्त जयंती का अवकाश रहेगा, वहीं 28 अक्टूबर (गुरुवार) को नरक चतुर्दशी का निर्बन्धित अवकाश तय किया गया है।

रविवार को पड़ रहे हैं तीन अवकाश : वर्ष 2027 में कई महत्वपूर्ण पर्व और जयंतियां रविवार के दिन पड़ने के कारण छुट्टियों का अतिरिक्त लाभ नहीं मिल सकेगा। जिनमें 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस), 31 अक्टूबर (भैयादूज एवं सरदार पटेल जयंती) और 14 नवम्बर (गुरु नानक जयंती/कार्तिक पूर्णिमा) प्रमुख रूप से शामिल हैं।

इस साल होंगे 26 सार्वजनिक अवकाश : शासन ने नए साल 2027 की छुट्टियों का कैलेंडर जारी कर दिया है। अगले साल 26 सार्वजनिक अवकाश होंगे। मकर संक्रांति व संत रविदास जयंती समेत तीन छुट्टियां बढ़ी हैं। जो 2026 में निर्बंधित अवकाश में शामिल थीं। शासन ने महर्षि वाल्मीकि जयंती 15 अक्तूबर को भी सार्वजनिक अवकाश में शामिल किया है। हालांकि यह निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के अधीन नहीं होगा।

सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी छुट्टियों के कैलेंडर के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए 27 निर्बंधित अवकाश भी घोषित किए गए हैं। साल की पहली सार्वजनकि छुट्टी 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर होगी। वहीं 22 मार्च को होलिका दहन, 23 मार्च को होली की छुट्टी होगी। इस बार सरकारी कर्मचारियों को होली पर तीन दिन का एक साथ अवकाश मिलेगा। क्योंकि 21 मार्च को रविवार है। इस बार 15 अगस्त रविवार को पड़ रहा है। जबकि इसी दिन ईद-ए-मिलाद/बारावफात भी पड़ रहे हैं। ऐसे में कर्मचारियों को इन छुट्टियों का नुकसान होगा।

कई त्योहार पड़ रहे हैं रविवार को : इसी तरह अगले साल कई त्योहार रविवार को पड़ रहे हैं। इनमें 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस और ईद-ए-मिलाद, 31 अक्तूबर को भैयादूज, 14 नवंबर को गुरु नानक जयंती और 12 दिसंबर को हजरत अली का जन्म दिवस शामिल हैं। इतना ही नहीं संत रविदास जयंती, महाशिवरात्रि समेत छह छुट्टियां शनिवार को पड़ रही हैं। फाइव डे वीक वाले कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए इनका नुकसान होगा।

सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव एसवीएस रंगाराव की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि 15 जनवरी को गुरु गोविंद सिंह जयंती और 24 नवंबर को गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस की छुट्टी कार्यकारी आदेशों के अधीन रहेगी। उन्होंने कहा है कि एक अप्रैल को बैंकों और कोषागारों में वार्षिक लेखाबंदी के कारण अवकाश रहेगा। जिलाधिकारी अपने जिले में अधिकतम तीन स्थानीय छुट्टियां घोषित कर सकेंगे। इससे अधिक छुट्टियां देने के लिए शासन की अनुमति लेनी होगी। पांच दिवसीय कार्य सप्ताह वाले विभागों में स्थानीय छुट्टियां और कार्यकारी आदेश से घोषित अवकाश लागू नहीं होंगे।

कर्मचारी निर्बंधित छुट्टियां ले सकेंगे : सार्वजनिक अवकाशों के अलावा 27 निर्बंधित छुट्टियों की सूची भी जारी की गई है। इनमें नया साल, शब-ए-बरात, वसंत पंचमी, जमात-उल-विदा, ईस्टर, परशुराम जयंती, महाराणा प्रताप जयंती, छठ पूजा समेत कई त्योहार शामिल हैं। कर्मचारी नियमानुसार इन छुट्टियों का भी लाभ ले सकेंगे।



सीएसजेएमयू की बड़ी उपलब्धि, क्यूएस रैंकिंग-2027 में प्रदेश में मिली पहली रैंक, देश में मिला 61वां स्थान

कानपुर, एजेंसी। कानपुर के छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करते हुए क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग-2027 में जगह बनाई है। 47.8 अंकों के साथ विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर 1301-1400 के बैंड में स्थान मिला है। एशिया में विश्वविद्यालय 490वें और देश में 61वें स्थान पर रहा है। खास बात यह है कि उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में सीएसजेएमयू ने पहला स्थान हासिल किया है।

क्यूएस की ओर से जारी रैंकिंग में दुनिया के 2004 उच्च शिक्षण संस्थानों को शामिल किया गया है। इसमें पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समावेशन, संस्थागत सुशासन और सतत विकास के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन का आकलन किया जाता है। रैंकिंग में सीएसजेएमयू का प्रदर्शन सुशासन और समानता जैसे मानकों पर बेहतर रहा है। विश्वविद्यालय को सुशासन में 100 में से 80.1 और समानता में 62 अंक मिले हैं।

अलग-अलग मानकों पर इतने अंक मिले : पर्यावरणीय स्थिरता में 56 और ज्ञान के आदान-प्रदान में 55.2 अंक हासिल हुए हैं। पर्यावरणीय प्रभाव के क्षेत्र में 48.8, स्वास्थ्य एवं कल्याण में 48.1, पर्यावरणीय शोध में 45.4 और पर्यावरणीय शिक्षा में 44 अंक मिले हैं। सामाजिक प्रभाव के मानक पर 40.2 और रोजगार एवं उसके परिणामों में 22.2 अंक प्राप्त हुए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का लक्ष्य आने वाले वर्षों में शोध, पर्यावरण संरक्षण, समावेशी शिक्षा और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रदर्शन को और बेहतर करना है।

ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था पर डीएम ने परखी तैयारियां

शामली (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण वर्मा ने बुधवार को तहसील शामली परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण कर सुरक्षा और रखरखाव व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मशीनों के सुरक्षित भंडारण, निगरानी व्यवस्था और अन्य आवश्यक प्रबंधों की जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को बारीकी से परखा और अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के रखरखाव और सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। वेयरहाउस की निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाए



रखने के साथ सभी निर्धारित सुरक्षा मानकों का नियमित रूप से अनुपालन किया जाए।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं के प्रति सतर्क रहने और निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुरूप सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी सदर सचिन राजपूत, तहसीलदार राहुल सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रमोद कुमार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

डासना जेल से बाहर आए आजम खान, बेटे अब्दुल्ला ने गले लगाकर किया स्वागत

गाजियाबाद/रामपुर (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान बुधवार को गाजियाबाद की डासना जिला जेल से रिहा हो गए। इलाहाबाद हाईकोर्ट से धनशोधन मामले में अंतरिम जमानत मिलने के बाद उनकी रिहाई का रास्ता साफ हुआ। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने और अदालत से रिहाई का आदेश जेल पहुंचने के बाद उन्हें मुक्त कर दिया गया। उनकी रिहाई की खबर मिलते ही समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। आजम खान को मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े वित्तीय लेनदेन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें गाजियाबाद की डासना जेल में रखा गया था। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को अदालत में



चुनौती दी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद उन्हें अंतरिम जमानत प्रदान की। अदालत ने जमानत के लिए आवश्यक शर्तें पूरी करने और निर्धारित जमानत राशि एवं मुचलका जमा कराने के निर्देश दिए थे।

रिहाई की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उनके बेटे अब्दुल्ला आजम उन्हें लेने डासना जेल पहुंचे। जेल से बाहर आने पर अब्दुल्ला ने अपने पिता का स्वागत किया। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा, "टाइगर इज बैक।" इसके बाद आजम खान अपने गृह नगर रामपुर के लिए रवाना हो गए। उनकी पत्नी तंजीन फातिमा ने भी रिहाई पर प्रसन्नता व्यक्त की। गौरतलब है कि आजम खान को 31 अक्टूबर को रामपुर जेल से रिहाई मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े धनशोधन मामले में दोबारा गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उन्हें डासना जेल भेजा गया था। अब अंतरिम जमानत पर रिहाई के बाद उनके अगले राजनीतिक कदम और रामपुर में सक्रियता को लेकर समर्थकों में उत्सुकता बनी हुई है।

दो साल से मानदेय के इंतजार में शिक्षा प्रेरक, बीएसए कार्यालय पर किया प्रदर्शन

शामली (शिखर समाचार)। करीब दो वर्ष का बकाया मानदेय नहीं मिलने से नाराज शिक्षा प्रेरकों ने बुधवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए ज्ञापन सौंपा और जुलाई 2016 से जुलाई 2018 तक का बकाया मानदेय जल्द दिलाने की मांग उठाई।

बुधवार को दर्जनों शिक्षा प्रेरक अपनी मांगों को लेकर बीएसए कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि जुलाई 2016 से जुलाई 2018 तक की अवधि का मानदेय अब तक नहीं मिला है। बकाया भुगतान के लिए वे कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायती पत्र दे



चुके हैं और कार्यालयों के चक्कर भी काट रहे हैं, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। शिक्षा प्रेरकों ने कहा कि लंबे समय से मानदेय लंबित रहने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आर्थिक तंगी के चलते उनके जरूरी घरेलू और अन्य कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए बकाया मानदेय के भुगतान की प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि उनकी समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आगे भी अपनी मांग को लेकर आवाज उठाते रहेंगे।

इस अवसर पर हरेन्द्र कुमार शर्मा, सहेन्द्र सिंह, मेनका शर्मा, रचना, बबीता, फुरकान अली, सहंसरपाल और अब्बास अली सहित अन्य शिक्षा प्रेरक मौजूद रहे।

गढ़ मेले में डीएम कविता मीना ने किया कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण

गढ़मुक्तेश्वर / हापुड़(शिखर समाचार)। कार्तिक पूर्णिमा और तिगरी मेले के दौरान सुरक्षा प्रबंधों और प्रशासनिक तैयारियों को पुख्ता बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कविता मीना ने गढ़ मेले में स्थापित मुख्य कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कंट्रोल रूम के माध्यम से संचालित होने वाली निगरानी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की लाइव मॉनिटरिंग, वायरलेस संचार प्रणाली, पुलिस बल की तैनाती, अग्निशमन इंतजामों और चिकित्सा सुविधाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने



अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में स्थापित कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे पूरी तरह सक्रिय रहना चाहिए, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति या आपातकाल में तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किए जा सकें। जिलाधिकारी ने भीड़ प्रबंधन, सुगम यातायात व्यवस्था और खोया-पाया केंद्र को सीधे कंट्रोल रूम से जोड़ने के निर्देश दिए, जिससे मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर त्वरित सहायता और मार्गदर्शन मिल सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निष्कासित पदाधिकारियों पर धमकी देने और अभद्रता का आरोप, एसपी से लगाई गुहार

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (प्रगति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अमित मलिक ने संगठन से निष्कासित दो पूर्व पदाधिकारियों पर संगठन के नेताओं को धमकी देने, गाली-गलौज करने और अभद्र भाषा का प्रयोग करने का आरोप लगाया है। बुधवार को उन्होंने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

शिकायती पत्र में चौधरी अमित मलिक ने बताया कि संगठन की ओर से मोहम्मद इकबाल को पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष और कामिनी कौशल शर्मा को महिला जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। संगठन विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता से जुड़ी शिकायतों के चलते अप्रैल



2026 में दोनों को उनके पदों से हटाकर संगठन से निष्कासित कर दिया गया था। आरोप है कि निष्कासन के बाद से दोनों संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व और अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायतें कर संगठन की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि दोनों पूर्व पदाधिकारियों द्वारा लोगों को शिकायतों और मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर आर्थिक लाभ लेने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में मोहम्मद इकबाल ने संगठन के मंडल अध्यक्ष जसवंत चौधरी को फोन कर धमकी दी और उनके साथ गाली-गलौज करते हुए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। बातचीत के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रति भी अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किए जाने का आरोप लगाया गया है।

चौधरी अमित मलिक ने कहा कि फोन पर हुई बातचीत से संबंधित साक्ष्य संगठन के पास मौजूद हैं, जिन्हें पुलिस जांच के दौरान उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

बादलपुर पुलिस और एएनटीएफ टीम की बड़ी कार्रवाई, डेढ करोड़ रुपये के गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

दादरी (शिखर समाचार)। थाना बादलपुर क्षेत्र के अंबेडकर पार्क के समीप पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की संयुक्त टीम ने एक ट्रक से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया है। पुलिस ने मौके से दो शातिर गांजा तस्करों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 178 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई है। बादलपुर कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि क्षेत्र में असामाजिक तत्वों और मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस और एएनटीएफ टीम चेकिंग कर रही थी, तभी अंबेडकर पार्क के पास खड़े एक संदिग्ध ट्रक की तलाशी ली गई। जांच के दौरान ट्रक से 178 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से दोनों आरोपियों– हरियाणा के सोहना जनपद के सांचौली गांव निवासी इरफान और आसिफ को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने खुलासा किया कि यह नशीला पदार्थ ओडिशा के फुलवानी से भरकर गुड़गांव ले जाया जा रहा था। शातिर तस्करों ने पुलिस की नजरों से बचने के लिए ट्रक के नीचे डीजल टैंक के पास एक गुप्त केबिन (टूल बॉक्स के पास) बनवाया था, जिसमें गांजा छिपाकर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर किसी को डिलीवर किया जाना था। पकड़े गए दोनों आरोपी पहले भी एनडीपीएस अधिनियम के मामलों में जेल जा चुके हैं। पुलिस ने ट्रक और बरामद गांजे को अपने कब्जे में लेकर दोनों आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की आगे की जांच की जा रही है।

खिरकिया स्थान पर रोजाना भीषण जाम से हाहाकार, राहगीर परेशान; आखिर कब जागेगा प्रशासन?



कुशीनगर(शिखर समाचार)। जनपद कुशीनगर के खिरकिया स्थान पर प्रतिदिन लगने वाला भीषण जाम अब आमजन के लिए गंभीर परेशानी का सबब बनता जा रहा है। यहां आए दिन सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित होता है। जाम के कारण राहगीरों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी समय लग रहा है। स्थिति यह है कि लोगों को सड़क पार करने तक में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों एवं राहगीरों के अनुसार खिरकिया स्थान पर जाम की समस्या रोजाना बनी रहती है, लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई प्रभावी व्यवस्था नजर नहीं आ रही है। सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों, चारपहिया वाहन सवारों और पैदल चलने वाले लोगों को उठानी पड़ती है। सड़क पर वाहनों की भीड़ के चलते लोगों का कीमती समय बर्बाद हो रहा है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। प्रतिदिन उत्पन्न हो रही इस समस्या को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। लोगों का सवाल है कि आखिर खिरकिया स्थान पर लगने वाले जाम से कब राहत मिलेगी? क्या संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन किसी बड़ी समस्या का इंतजार कर रहे हैं? अब आवश्यकता है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेकर यातायात व्यवस्था दुरुस्त करे तथा जाम से निजात दिलाने के लिए प्रभावी और स्थायी समाधान सुनिश्चित करे।

छह दिन बाद भी आग पीड़ित परिवार को नहीं मिली सरकारी मदद, इलाज और भरण-पोषण के लिए भटक रहा परिवार

कुशीनगर (शिखर समाचार)। जनपद के जटहा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत खाखर टोला, खेसिया गांव में आग लगने की घटना ने एक गरीब परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। बीती 11 नवंबर 2026 की रात करीब 11 बजे अचानक लगी आग में भरथ यादव की झोपड़ी और उसमें रखा घर-गृहस्थी का समूचा सामान जलकर राख हो गया। इस भीषण हादसे में झोपड़ी के अंदर मौजूद भरथ यादव गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज पडरौना में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। हैरानी की बात यह है कि घटना को छह दिन बीत जाने के बावजूद पीड़ित परिवार को अब तक किसी प्रकार की सरकारी सहायता नहीं मिल सकी है। परिवार का आरोप है कि अभी तक क्षेत्रीय लेखपाल अथवा किसी जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर उनकी सुध नहीं ली है। आग में घर का सामान, दैनिक उपयोग की वस्तुएं और पूरी गृहस्थी गंवा चुके परिवार के सामने अब दोहरी मुसीबत खड़ी हो गई है। एक ओर भरथ यादव अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर परिवार के सामने इलाज के खर्च और रोजमर्रा के भरण-पोषण का गंभीर संकट है। आग की इस घटना के बाद परिवार पूरी तरह बेबस और असहाय नजर आ रहा है। ऐसे में स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह मामले का तत्काल संज्ञान लेकर घटनास्थल का निरीक्षण कराए और नुकसान का आकलन करवाकर पीड़ित परिवार को नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए। साथ ही गंभीर रूप से झुलसे भरथ यादव के बेहतर उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि संकट की इस घड़ी में परिवार को राहत मिल सके।



ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के नवनियुक्त सीईओ डॉ. बलकार सिंह ने संभाला कार्यभार

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. बलकार सिंह ने बुधवार को विधिवत रूप से अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। वर्ष 2004 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और पूर्व में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रहे डॉ. बलकार सिंह ने पदभार संभालते ही अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा सिंह, सुमित यादव और नुपुर गोयल की उपस्थिति में अधिकारियों के साथ पहली समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने किसानों की समस्याओं के निस्तारण, आपसी सहमति से भूमि अधिग्रहण, विकास कार्यों की गुणवत्ता और शहर की स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के स्पष्ट निर्देश दिए।



अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि किसानों की जायज मांगों को पूरा करते हुए और उनकी आपसी सहमति से ही भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि कार्यालय आने वाले प्रत्येक किसान और आवंटी की शिकायतों को सम्मानपूर्वक सुना जाए तथा किसी को भी असुविधा न हो, इसके लिए समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।

विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए डॉ. बलकार सिंह ने निर्माण की गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के निर्देश दिए। उन्होंने परियोजना विभाग को नियमित निगरानी रखने और प्रतिष्ठित एजेंसियों के माध्यम से कार्यों की गुणवत्ता जांच कराने को कहा। शहर में स्वच्छता और प्रदूषण नियंत्रण पर जोर देते हुए उन्होंने सड़कों के किनारे व मध्य पट्टी पर हरियाली विकसित करने तथा अधिकारियों को स्वयं क्षेत्र में जाकर समस्याओं को चिन्हित कर कार्ययोजना बनाने का आदेश दिया। इसके अतिरिक्त, भूजल संरक्षण के लिए शोधित जल (ट्रीटेड वाटर) का सिंचाई और निर्माण कार्यों में अनिवार्य रूप से उपयोग करने को कहा।

उन्होंने नियोजन विभाग को आवासीय सेक्टरों में खाली पड़े भूखंडों के आवंटियों को चिन्हित कर वहां निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए एकल खिड़की प्रणाली (सिंगल विंडो सिस्टम) को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। बैठक में महाप्रबंधक (वित्त) स्वतंत्र गुप्ता, महाप्रबंधक (परियोजना) ए.के. सिंह, विशेष कार्याधिकारी अभिषेक पाठक, गुंजा सिंह, लवगीत कौर, गिरीश कुमार झा और मुकेश कुमार सिंह सहित प्राधिकरण के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बंकापुर फायरिंग मामले में पुलिस कार्रवाई से नाराज ग्रामीणों ने खुर्जा रोड पर लगाया जाम

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के गांव बंकापुर में सोमवार रात दो पक्षों के बीच हुई फायरिंग के मामले में पुलिस कार्रवाई से नाराज एक पक्ष के सैकड़ों ग्रामीणों ने बुधवार दोपहर जेवर-खुर्जा मार्ग पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई करने और निर्दोष युवाओं को फंसाने का आरोप लगाया। करीब तीन घंटे तक चले इस जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच और वास्तविक दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर ग्रामीणों को शांत कराया, जिसके बाद यातायात सुचारु हो सका।



बुधवार दोपहर करीब 12 बजे बंकापुर गांव के सैकड़ों लोग एकत्र होकर जेवर-खुर्जा रोड पर पहुंच गए और मार्ग अवरुद्ध कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का आरोप था कि पुलिस ने घटना में शामिल निर्दोष युवाओं के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है, जबकि दूसरे पक्ष के लोगों ने फायरिंग की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों पर भी गोलियां चलाई थीं, लेकिन उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

जाम की सूचना मिलते ही पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझाते हुए स्पष्ट किया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आश्वस्त किया कि मामले की गहनता और निष्पक्षता से जांच की जा रही है और किसी भी निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होने दी जाएगी। इसके साथ ही वास्तविक आरोपियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया गया, जिसके बाद ग्रामीण शांत हुए और जाम खोल दिया।

गौरतलब है कि सोमवार रात करीब नौ बजे बंकापुर गांव निवासी विशाल, चिंटू और जयंत शर्मा स्कॉर्पियो गाड़ी से जा रहे थे। गांव के समीप नहर की पुलिया पर सामने से आ रही थार गाड़ी (जिसमें गढ़ी निवासी आकाश व हरीश और जहांगीरपुर निवासी सौरभ सवार थे) से साइड देने को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया था। देखते ही देखते विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया और दोनों ओर से हुई फायरिंग में पांच लोग घायल हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने क्रॉस रिपोर्ट दर्ज कर दोनों पक्षों के एक-एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

शिक्षा और समाजसेवा के योगदान को किया याद, ओमपाल प्रधान की पुण्यतिथि पर उमड़े लोग

दुजाना/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। दुजाना गांव में प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं शिक्षाविद डॉ. ओमपाल प्रधान की द्वितीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों सामाजिक और राजनीतिक लोगों ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शिक्षा, खेल और समाजसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया। डॉ. ओमपाल प्रधान ने क्षेत्र में शिक्षा और खेलों को बढ़ावा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए थे। उनके सामाजिक योगदान को याद करते हुए उपस्थित लोगों ने उनके विचारों और कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। उनकी पत्नी अप्रीतकौर नागर वर्तमान में बिसरख ब्लॉक की प्रमुख हैं।



श्रद्धांजलि सभा में राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर ने कहा कि डॉ. ओमपाल प्रधान का असमय निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। औद्योगिक मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने कहा कि उनके सुपुत्र श्यामेंद्र प्रधान निरंतर उनके विचारों और कार्यों को आगे बढ़ाने में जुटे हैं।

इस अवसर पर उनके सुपुत्र एवं भाजपा नेता श्यामेंद्र ओमपाल प्रधान सहित औद्योगिक मंत्री जसवंत सिंह सैनी, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर, भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, पूर्व अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया, दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर, हापुड़ चेयरमैन रेखा नागर, बागपत चेयरमैन जय किशोर, सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी, पूर्व जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विजय भाटी, गजेंद्र मावी, रकम सिंह भाटी, पवन नागर बबली, अजमेंद्र प्रधान और डॉ. भूपेंद्र नागर सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

जनगणना-2027 की स्वगणना में धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी सख्त, लापरवाह कार्मिकों पर कार्रवाई के निर्देश





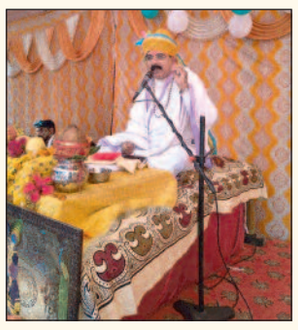
ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी की अध्यक्षता में जनगणना-2027 की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वगणना अभियान की धीमी गति पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को कार्य में तत्काल तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को समय पर ड्यूटी आवंटित न किए जाने पर जिलाधिकारी ने चार्ज अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिया कि जनगणना ड्यूटी ग्रहण न करने वाले तथा कार्य में लापरवाही या शिथिलता बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई शुरू की जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यालयों में कार्यरत सभी कर्मचारियों की स्वगणना आज ही पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, जनगणना कार्य में तैनात कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने आवंटित क्षेत्रों में परिवारों से संपर्क स्थापित कर अधिक से अधिक नागरिकों की स्वगणना कराएं, जिससे अभियान के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, एडीसीपी क्राइम आर.के. गौतम, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी अजीत सिंह, ओएसडी नोएडा इंदु प्रकाश सिंह, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, जिला विकास अधिकारी नेहा सिंह, प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी परवेज अली और जिला प्रभारी जनगणना प्रदीप कुमार सहित संबंधित चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे।

सत्संग से ही जागृत होता है विवेक, मनुष्य को मिलती है सही जीवन दिशाः आत्मानुभवी महाराज

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। दिल्ली-यमुनोत्री राजमार्ग स्थित निकटवर्ती गांव जन्धेड़ा समसपुर के प्राचीन शिव मंदिर में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आध्यात्मिक आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ चल रहा है। कथा में प्रसिद्ध भागवताचार्य आत्मानुभवी महाराज द्वारा श्रद्धालुओं को ज्ञान और भक्ति का संदेश दिया जा रहा है। कथा श्रवण के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। कथा के दौरान आत्मानुभवी महाराज ने कहा कि सत्संग के बिना विवेक संभव नहीं है और विवेक के अभाव में मनुष्य अपने जीवन को सही दिशा नहीं दे सकता। सत्संग ही व्यक्ति को अच्छे-बुरे, पाप-पुण्य और सही-गलत का अंतर समझने की दृष्टि प्रदान करता है। विवेकहीन व्यक्ति चाहे कितना भी धनवान, शिक्षित या बड़े पद पर आसीन क्यों न हो, वह अधिक समय तक अपनी स्थिति को स्थिर नहीं रख सकता। इसके विपरीत विवेकवान व्यक्ति कोई भी कार्य करने से पहले उसके परिणाम, लाभ-हानि और नैतिक पक्ष पर विचार करता है तथा सत्कर्मों की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव और अज्ञानता के कारण समाज में उत्पन्न हो रही धार्मिक गिरावट को दूर करने के लिए भारतीय संस्कृति और उसके विशुद्ध आदर्शों की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। भारत की महानता उसकी आध्यात्मिक परंपराओं, ईश्वर भक्ति और राष्ट्रभक्ति में निहित है। भारतीय संस्कृति के मूल्यों को अपनाकर ही समाज में सद्भाव, संस्कार और नैतिकता को मजबूत किया जा सकता है। इस अवसर पर पंडित जय भगवान शर्मा, चंद्रपाल सिंह चौधरी, शिशुपाल, दिनेश शर्मा, सतीश शर्मा, परीक्षित, अंकुर, प्रद्युम्न शर्मा, सुनीता, नीरू, नम्रता, ममता, मीना और संगीता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।



गौतमबुद्धनगर की जिलाधिकारी ने सूरजपुर स्थित जनसुविधा केंद्र का किया औचक निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों को सुगमता और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने मंगलवार को सूरजपुर स्थित जनसुविधा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र पर आने वाले लोगों को मिल रही विभिन्न सेवाओं, मूलभूत सुविधाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।



निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र पर नागरिकों के बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति और विभिन्न सेवाओं के संचालन की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि जनसुविधा केंद्र आम जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं, इसलिए यहां आने वाले प्रत्येक नागरिक को सुगम, सहज और बेहतर अनुभव मिलना चाहिए।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों और केंद्र संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परिसर में सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं चाक-चौबंद रखी जाएं और नागरिकों को तय समयसीमा के भीतर बिना किसी असुविधा के सेवाएं मिलनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान परिसर में प्रकाश व्यवस्था (लाइटिंग) अपर्याप्त मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई और तत्काल प्रभाव से रोशनी की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी

हाईकोर्ट बेंच और अधिवक्ता सुरक्षा कानून की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे वकील

सहारनपुर (शिखर समाचार)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उच्च न्यायालय की पीठ स्थापित करने और अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू कराने सहित तीन सूत्रीय मांगों को लेकर सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन के महासचिव पालम राणा के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने न्याय यात्रा निकाली। यात्रा के बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपकर मांगों का शीघ्र समाधान कराने की मांग की गई।



न्याय यात्रा सिविल कोर्ट सहारनपुर से शुरू होकर कोर्ट रोड होते हुए घंटाघर पहुंची। यहां महासचिव पालम राणा सहित अन्य अधिवक्ताओं ने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद आयोजित सभा में संघर्ष समिति के चेयरमैन अनुज कुमार शर्मा, संयोजक प्रवेज आलम और महासचिव पालम राणा ने कहा कि अधिवक्ता पिछले 45 वर्षों से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उच्च न्यायालय की पीठ स्थापित करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांग पर अब तक ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि शीघ्र पीठ की स्थापना नहीं होने पर आगामी विधानसभा चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा।

अधिवक्ताओं ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में वकीलों की हत्या, लूटपाट और मारपीट की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में अधिवक्ताओं को सुरक्षित और भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम शीघ्र लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने अपनी तीन सूत्रीय मांगों के समाधान के लिए सरकार से प्रभावी कदम उठाने की मांग की। न्याय यात्रा में चौ. रणधीर सिंह, अशोक पुंडीर, चौ. धीर सिंह, जयवीर सिंह पुंडीर, जमाल साबरी, अभय सैनी, शाहिद, अरुण चौधरी, सतीश नंदी, संजय वर्मा, सतेंद्र सैनी, अशोक पोसवाल, अनिल शर्मा, मुकेश लांबा, जयवीर सिंह, प्रमोद, कादिर राणा, सुनील, अंकुर सहगल, सुमुख रागिनी, जुबेर, आजाद, सादिया, रश्मि पांडेय, रश्मि सैनी, हनी शर्मा, राकेश त्यागी, ब्रजपाल सिंह, रुद्रप्रताप सिंह, रजत सिंह, अंकित चौधरी, रेखा रानी, देवेंद्र सिंह पंवार, नौशाद, प्रवीण राठी, जर्रार अहमद, रहमान, सना अंसारी, सुमित कमालपुर, मंजु राणा, शाहजमा, सतीश, जुल्फिकार, रचित गर्ग, रुमन लांबा, आयशा, पूजा सैनी, शाहनवाज, राव फैसल इशान, अभिषेक, सोनू विकास और साकिब सहित हजारों अधिवक्ता मौजूद रहे।

संपादकीय

किताब, प्रतिबंध की मांग और लोकतंत्र में असहमति की कसौटी

किसी राजनीतिक नेता की किताब अचानक राजनीतिक विवाद का केंद्र बन जाए, उसके अंशों पर बयानबाजी शुरू हो जाए और फिर उसे प्रतिबंधित करने की मांग उठने लगे, तो यह विवाद केवल साहित्य या इतिहास की व्याख्या तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक सहिष्णुता और सार्वजनिक विमर्श की मयार्दा जैसे बड़े सवाल खड़े करता है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की पुस्तक को लेकर महाराष्ट्र में सियासी हलचल और शिवसेना के शिंदे गुट के नेताओं की ओर से इसे प्रतिबंधित करने की मांग इसी बहस को नई दिशा दे रही है। किताब के विषय, उसमें दर्ज विचारों और राजनीतिक व्याख्याओं को लेकर उठने वाला विवाद अपनी जगह है, लेकिन किसी विचार का विरोध और उस विचार को सार्वजनिक विमर्श से हटाने की मांग, दोनों अलग अलग लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं हैं।

18 नवंबर को मुंबई में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान शिंदे गुट के नेताओं ने पुस्तक के कुछ पन्ने फाड़कर अपना विरोध दर्ज कराया। शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम, शाइना एनसी, आनंद दुबे सहित अन्य नेताओं ने पुस्तक के पृष्ठ 201 और 443 पर दर्ज टिप्पणियों को लेकर आपत्ति जताई। उनका आरोप है कि इन टिप्पणियों से वीर सावरकर के योगदान, हिंदुत्व की विचारधारा और मराठी अस्मिता का अपमान हुआ है। नेताओं ने प्रकाशक हार्पर कॉलिन्स से विवादित अंश हटाने की मांग की है और महाराष्ट्र में पुस्तक की बिक्री तथा वितरण पर रोक लगाने की अपेक्षा राज्य सरकार से की है। विरोध के दौरान पुस्तक के पन्ने फाड़कर प्रदर्शन भी किया गया। इस विवाद को राजनीतिक रूप से और तीखा बनाते हुए शिंदे गुट ने उद्धव ठाकरे की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं।

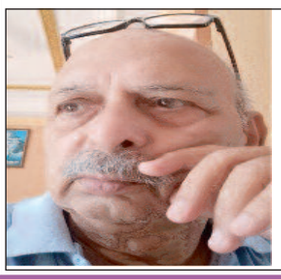
सोनिया गांधी की पुस्तक बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव उनके जीवन, परिवार, भारत से जुड़ाव और सार्वजनिक जीवन के अनुभवों का संस्मरण है। इसमें सावरकर के संदर्भ में ब्रिटिश शासन के दौरान लिखी गई दया याचिकाओं का उल्लेख करते हुए कांग्रेस के स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष से तुलना की गई है। इसी संदर्भ को लेकर विरोधी पक्ष ने आरोप लगाया है कि पुस्तक में ऐतिहासिक व्यक्तित्व के प्रति अनुचित भाषा का प्रयोग किया गया है। इस विवाद के बीच यह भी जरूरी है कि पुस्तक के पूरे संदर्भ को पढ़ा जाए, उसके कथनों को अलग अलग उद्धृत करने के बजाय लेखक की मूल दलील समझी जाए और ऐतिहासिक तथ्यों की जांच प्रमाणों के आधार पर हो। राजनीतिक आरोप अपने आप में किसी ऐतिहासिक निष्कर्ष का विकल्प नहीं बन सकते।

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन अनेक धाराओं, विचारों, संगठनों और व्यक्तित्वों से मिलकर बना था। इस इतिहास में गांधी, नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, सरदार पटेल, सावरकर और अनेक ऐसे नाम हैं जिनकी भूमिका, विचारधारा तथा रणनीति को लेकर इतिहासकारों और राजनीतिक दलों के बीच अलग अलग दृष्टिकोण रहे हैं। किसी व्यक्तित्व का मूल्यांकन केवल प्रशंसा के आधार पर नहीं, बल्कि उसके समय, परिस्थितियों, दस्तावेजों और ऐतिहासिक घटनाओं के समग्र अध्ययन से होना चाहिए। इतिहास न तो किसी एक दल की संपत्ति है और न किसी एक विचारधारा का निजी दस्तावेज। उसकी व्याख्या पर बहस होना स्वाभाविक है, लेकिन बहस का आधार तथ्य, तर्क और प्रमाण होना चाहिए, न कि केवल भावनात्मक प्रतिक्रिया।

इस विवाद में एक महत्वपूर्ण प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रतिबंध लगाने की राजनीति का भी है। संविधान नागरिकों को विचार व्यक्त करने, लिखने, पढ़ने और अपनी असहमति दर्ज कराने का

~ मौलिक चिंतन ~

जिस रिश्ते में आत्मीयता की भीनी-भीनी गंध नहीं, वो मात्र स्वार्थ-हित अनुबंध है संबंध नहीं।



© विनय संकोची

धर्मनिष्ठ सत्ता और ज़हरीले पानी में धर्मावलम्बी?



निर्मल रानी

स्विट्ज़रलैंड की वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था एयर आईक्यू की 2026 में जारी हुई वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली दुनिया का चौथा सबसे प्रदूषित शहर और लगातार आठवें वर्ष विश्व की सबसे प्रदूषित राजधानी रही। नवंबर 2026 के दूसरे सप्ताह विशेषकर 7 नवंबर और 13-16 नवंबर के दौरान एयर आईक्यू की लाइव रैंकिंग में दिल्ली कई बार लाहौर, कोलकाता और ढाका को पीछे छोड़कर दुनिया का प्रथम सबसे प्रदूषित प्रमुख शहर बन गया। इस दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों में दिल्ली का औसत AQI 400 के पार अर्थात गंभीर श्रेणी तक पहुंच गया, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी और आईटीओ जैसे कुछ इलाक़ों में यह 450 से ऊपर दर्ज किया गया।और इसी घोर प्रदूषित राजधानी में गत दिनों उत्तर भारत विशेषकर बिहार का सर्वाधिक लोकप्रिय धार्मिक व सामाजिक त्यौहार छठ मनाया गया। वर्तमान में केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम तीनों ही स्तरों पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। गोया दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार चल रही है। नवंबर 2026 में छठ महापर्व के आयोजन को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार ने दिल्ली वासियों ख़ासकर छठ पूजा हेतु श्रद्धालुओं को साफ़ यमुना जल उपलब्ध कराने, दिल्ली के 1,400 से अधिक घाटों के निर्माण और अभूतपूर्व नागरिक सुविधाओं के बड़े दावे किए थे। सरकार का मुख्य ज़ोर इस बात पर था कि इस वर्ष श्रद्धालुओं को बिना किसी गंदिगी या ज़हरीले झाग के, भव्य रूप से पूजा करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने छठ पूजा से ठीक पहले यह भी दावा किया था कि बीजेपी सरकार की तैयारियों के तहत यमुना का पानी साफ़ है और इसमें कोई गंदगी या झाग नहीं है। उन्होंने कहा था कि इस बार व्रती महिलाएं स्वच्छ यमुना जल में ही सूर्य देव को अर्घ्य देंगी। दिल्ली सरकार ने यह भी दावा किया था कि यमुना नदी के पानी को पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) उपचारित किया जा रहा है, जिससे पानी या जलीय जीवों पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। सरकार ने राजधानी भर में लगभग 1,482 छठ घाट तैयार करने का दावा किया था जो पिछले वर्ष के 1,326 घाटों की तुलना में अधिक थे। सभी बुनियादी तैयारियां 6 नवंबर 2026 तक पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। उत्तरी दिल्ली में आउटर रिंग रोड से इंद्रलोक तक मुनक नहर के दोनों किनारों पर लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से 11 किलोमीटर लंबा भव्य छठ घाट बनाने और उसमें साफ़ पानी छोड़ने का दावा किया गया था। सरकार ने सभी घाटों पर स्वच्छता, निर्बाध बिजली, रोशनी, पीने के पानी, मोबाइल शौचालय, चेंजिंग रूम और चिकित्सा सुविधाओं के पुख्ता प्रबंध किये जाने का दावा भी किया था।

परन्तु नए कृत्रिम या नहर घाटों के निर्माण के मोर्चे पर तो सरकार अपने कई दावों को पूरा करने में कुछ हद तक सफल ज़रूर रही परन्तु यमुना नदी को पूरी तरह साफ़ और झाग-मुक्त बनाने का उसका सबसे प्रमुख दावा ज़मीनी स्तर पर पूरा नहीं हो सका। ग़ौरतलब है कि सरकार ने दावा किया था कि छठ पूजा के दौरान इस बार यमुना नदी में ज़हरीला सफ़ेद झाग नहीं दिखेगा। 15 और 16 नवंबर 2026 को छठ पूजा के संध्या और उषा अर्घ्य के दौरान कालिंदी कुंज सहित यमुना के कई हिस्सों में श्रद्धालु कमर तक गहरे पानी और सफेद झाग की मोटी परतों के बीच पूजा करते नजर आए। दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने स्वयं स्वीकार किया कि कालिंदी कुंज के बड़े हिस्सों में झाग तैरता हुआ दिखाई दिया। नदी में बिना उपचारित सीवर के पानी, औद्योगिक कचरे और डिटर्जेंट के मिलने से पानी की सतह पर इसतरह का ज़हरीला सफ़ेद झाग बनता है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के आंकड़ों के हवाले से बताया गया कि यमुना के प्रमुख घाटों का पानी नहाने योग्य मानकों पर खरा नहीं उतरा। हद तो यह कि छठ से ठीक पहले वज़ीराबाद और सोनिया विहार के पास नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने और काले व प्रदूषित पानी की तस्वीरों ने स्वच्छ यमुना जल के दावों पर और भी गंभीर सवाल खड़े कर दिये। शालीमार बाग़ के कुछ हिस्सों, कई रिहायशी घाटों व कुछ स्थानीय इलाक़ों में सफ़ाई की भारी कमी, प्लास्टिक के कचरे और अपर्याप्त रोशनी को लेकर स्थानीय लोगों ने शिकायतें दर्ज कराईं।

परन्तु श्रद्धालुओं के ज़हरीले पानी में डुबकी लगाने पर अफ़सोस जताने या इस दुर्व्यवस्था के लिये सरकार की ज़िम्मेदारी स्वीकार करने के बजाये मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कई घाटों पर छठ पर्व को भव्य बनाने के लिए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि पिछली आप सरकार ने यमुना किनारे छठ पूजा पर प्रतिबंध लगाया था, जबकि वर्तमान बीजेपी सरकार ने 1,400 से अधिक घाटों पर रेड कार्पेट बिछाकर भव्य इंतज़ाम किए। बीजेपी ने यह भी दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले डेढ़ से दो वर्षों में यमुना नदी का आधे से अधिक हिस्सा साफ़ कर दिया है, जो काम कांग्रेस और आप दशकों में नहीं कर पाईं। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने तो यह आरोप लगाया कि विपक्षी दल और कुछ अज्ञात लोग छठ पर्व से पहले सरकार की छवि ख़राब करने के लिए जानबूझकर यमुना नदी में मरी हुई मछलियां डाल रहे थे। सोशल मीडिया पर विपक्ष के अलावा भी अनेक लोगों ने यमुना के झाग भरे ज़हरीले पानी में पूजा करने हेतु खड़ी महिला श्रद्धालुओं के वीडियो साझा करते हुए लिखा कि यही यमुना की असली हक़ीक़त है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधते हुए लोगों ने कहा कि यमुना की सफ़ाई के नाम पर केवल झूठे वादे और प्रचार किए गए, जिसके कारण श्रद्धालु ज़हरीले पानी में छठ मनाने को मजबूर हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने मरी हुई मछलियों का वीडियो जारी करते हुए कहा कि नदी में अत्यधिक प्रदूषण के कारण हज़ारों मछलियों की मौत हुई है और सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए विपक्ष पर बेबुनियाद आरोप लगा रही है। कांग्रेस ने भी यमुना में तैरते ज़हरीले झाग की तस्वीरें साझा कर केंद्र और दिल्ली की बीजेपी सरकार पर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और स्वास्थ्य के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि ये तस्वीरें यमुना की सफ़ाई को लेकर किए गए सरकारी दावों की पोल खोलती हैं।

निःसंदेह दिल्ली की बढ़ती आबादी के कारण यमुना नदी की स्वच्छता किसी भी सरकार के लिये एक बड़ी चुनौती है। परन्तु यह भी सच है कि देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया ने पहली बार किसी स्वयंभू धर्मनिष्ठ सत्ता और उसके द्वारा किये गये लंबे चौड़े वादों के बीच इस क़द्र झागयुक्त ज़हरीले पानी में श्रद्धालु धर्मावलंबियों को छठ के अवसर पर डुबकी लगाते हुये देखा।

इंदिरा गांधी: जिनके फैसलों ने बदल दी भारत की राजनीतिक तस्वीर



योगेश कुमार गोयल

विश्व राजनीति में भारत की बुलंद आवाज थी इंदिरा गांधी...

पं. जवाहरलाल नेहरू के घर 19 नवम्बर 1917 को जब प्रियदर्शिनी नामक कन्या ने जन्म लिया था तो किसे पता था कि यही कन्या आगे चलकर न केवल इस देश की बागडोर संभालेगी बल्कि अपनी दबंगता से पूरी दुनिया में मिसाल बन जाएगी। ऑक्सफोर्ड और स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात् इंदिरा गांधी ने उच्च पद पर नौकरी करने या कोई अन्य कार्य करने के बजाय अपना जीवन देशसेवा में समर्पित करने का निश्चय किया। देशभक्ति की भावना इंदिरा जी में बचपन से ही कूट-कूटकर भरी थी। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आव्हान से प्रेरित होकर बचपन में ही इन्होंने अपने घर के बाहर अपने कीमती कपड़ों की होली जलाकर न केवल अपनी इसी भावना का परिचय दिया था बल्कि उसके बाद इंदिरा जी से प्रेरणा लेकर इस आन्दोलन ने पूरे देश में जोर पकड़ा था।

इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, ''आखिर स्वर्ण अपने ही दलित भाईयों को गिरा हुआ, छूत और निकृष्ट क्यों समझते हैं तथा उनके साथ दुर्व्यवहार और अत्याचार क्यों करते हैं? अगर हमने अपनी ही सेवा करने वालों का इस तरह से निरन्तर तिरस्कार न किया होता तो आज अंग्रेजों को इस प्रकार लाभ उठाने का अवसर न मिल रहा होता और न ही बापू को इस तरह से आमरण अनशन कर अपने प्राण दांव पर लगाने पड़ते।'' इंदिरा जी की इन गूढ़ और तर्कसम्मत बातों के समक्ष सभी नतमस्तक थे और उनकी सराहना कर रहे थे। इंदिरा में बचपन से ही एक अच्छी राजनेता होने के तमाम गुण विद्यमान थे। 21 वर्ष की आयु में वह कांग्रेस में शामिल होकर सक्रिय राजनीति में कूद पड़ी। उसके बाद उन्होंने आजादी के आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

1942 में उन्होंने फिरोज गांधी से प्रेम विवाह किया किन्तु 1960 में फिरोज गांधी का अकस्मात् निधन हो गया। पिता जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद देश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में 'गूंगी गुड़िया' की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक 'गूंगी गुड़िया' नहीं बल्कि 'लौह महिला' हैं।

बैंकों के राष्ट्रीयकरण तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की शानदार जीत के बाद इंदिरा जी जनमानस की आंखों का तारा बन गई थी किन्तु 1975-77 के आपातकाल ने उनकी छवि पर ग्रहण लगाने में प्रमुख भूमिका निभाई और उस दौर ने उनकी छवि एक तानाशाह के रूप में स्थापित कर दी। यही वजह रही कि 1977 में इंदिरा को पहली बार हार का सामना करना पड़ा और सत्ता उनके हाथ से छिन गई किन्तु निराश होना तो जैसे उन्होंने सीखा ही नहीं था, इसलिए 1980 में एक बार फिर विशाल बहुमत के साथ वह सत्ता में लौटी। अपने शासनकाल में उन्होंने कभी अलगाववादी व साम्प्रदायिक आग भड़काने वाले तत्वों को नहीं पनपने दिया। ऐसे तत्वों को उन्होंने बेदर्दी से कुचलने में जरा भी देर नहीं लगाई।

1980 में पुनः देश का शासन संभालने के बाद पंजाब में अलगाववादी ताकतों ने खालिस्तान की मांग शुरू की और दूसरे देशों की शह पर अपने नापाक इरादों को सफल बनाने के लिए सिख अलगाववादियों ने भयानक नरसंहार का दौर शुरू किया तथा पंजाब में अवैध रूप से हथियारों के जखीरे इकट्ठा करने शुरू कर दिए। देश की जांबाज, निडर एवं साहसी नेता इंदिरा को भला यह कैसे सहन होता, इसलिए जैसे ही उन्हें खबर मिली कि सिख अलगाववादियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर जैसी पाक जगह में भी हथियारों का विशाल जखीरा इकट्ठा किया है तो उन्हें देश की एकता और अखंडता कायम रखने तथा अलगाववादियों के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए इस पवित्र धर्मस्थल के भीतर न चाहते हुए भी 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के तहत पुलिस भेजने का सख्त निर्णय लेना पड़ा। हालांकि उस वक्त स्वर्ण मंदिर के भीतर पुलिस बल भेजने के उनके फैसले की बहुत आलोचना हुई किन्तु जब स्वर्ण मंदिर से हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा बरामद हुआ और धार्मिक स्थल की आड़ में चल रही इस राष्ट्र विरोधी साजिश का भंडाफोड़ हुआ तो उन्हीं लोगों ने इंदिरा जी की सराहना भी की। उसके बाद इंदिरा ने जिस दिलेरी और दृढ़ता के साथ अलगाववादियों को रौंदा, वह एक मिसाल बन गया लेकिन अलगाववादियों के विरूद्ध चलाए गए उनके इसी ऑपरेशन की वजह से ही वह उनकी हिट लिस्ट में सबसे ऊपर आ गई, जिन्होंने हर हाल में उनकी हत्या कर उन्हें अपने मार्ग से हटाने की ठान ली।

इंदिरा जी को स्वयं अपनी मौत का आभास पहले ही हो गया था लेकिन फिर भी वह अपने दृढ़ इरादों से टस से मस न हुई और अलगाववादियों के खिलाफ अपना अभियान पहले से भी तेज कर दिया। 30 अक्तूबर 1984 को भुवनेश्वर की एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इंदिरा ने अपनी हत्या का पूर्वाभास होने का स्पष्ट संकेत देते हुए कहा था, ''देश की सेवा करते हुए यदि मेरी जान भी चली जाए तो मुझे गर्व होगा। मुझे भरोसा है कि मेरे खून की एक-एक बूंद देश के विकास में योगदान देगी और देश को मजबूत एवं गतिशील बनाएगी।''

इंदिरा जी के इस भाषण के चंद घंटों बाद ही 31 अक्तूबर 1984 की सुबह करीब सवा नौ बजे उनके दो निजी अंगरक्षकों ने ही उन्हें उस वक्त गोलियों से छलनी कर दिया, जब वह अपने आवास से निकलकर विदेशी मीडिया को इंटरव्यू देने जा रही थी। उस हत्याकांड से जहां पूरे देश में शोक की लहर छा गई, वहीं दूसरी ओर इंदिरा जी का शहीदी रक्त रंग लाया और इस नृशंस हत्याकांड के बाद सिख अलगाववादियों को मदद मिलनी बंद हो गई तथा इंदिरा जी की शहादत के साथ ही खालिस्तान की मांग भी गहरे दफन हो गई। इंदिरा जी अक्सर कहा करती थी कि उन कायरों और बुजदिलों पर मातम करो, जो दुनिया के जुल्मों से घबराकर इस तरह आंखें बंद कर लेते हैं, जैसे कि कुछ हुआ ही न हो।

भारत समिट के नाम पर मोदी विरोध का षड़यंत्र



ललित गर्ग

यदि किसी राजनीतिक दल को सत्ता में वापसी करनी है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। उसे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, युवा, महिला सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर अपना वैकल्पिक मॉडल देना होगा। केवल यह कहना कि लोकतंत्र खतरे में है, पर्याप्त नहीं। लोकतंत्र पर खतरे का दावा प्रमाण मांगता है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि उसमें सत्ता से असहमति के लिए पर्याप्त स्थान होता है। सरकार की नीतियों की आलोचना करना, उसके निर्णयों पर प्रश्न उठाना और जनता के सामने वैकल्पिक राजनीतिक दृष्टिकोण रखना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, लोकतांत्रिक दायित्व भी है। लेकिन जब किसी चुनी हुई सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को मंच उपलब्ध कराया जाने लगे और देश के आंतरिक लोकतांत्रिक प्रश्नों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का विषय बनाया जाए, तब सवाल केवल राजनीतिक नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान, संप्रभुता और लोकतांत्रिक मर्यादा से जुड़ जाता है। हैदराबाद में 13-14 नवंबर 2026 को आयोजित 'भारत समिट' इसी कारण राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गया। कांग्रेस और तेलंगाना सरकार इसे वैश्विक चुनौतियों-जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आर्थिक न्याय, निवेश, लोकतंत्र और विकास पर विमर्श का अंतरराष्ट्रीय मंच बता रही हैं। दूसरी ओर भाजपा ने सम्मेलन में कुछ विदेशी वक्ताओं की टिप्पणियों को आधार बनाकर इसे 'एंटी-भारत समिट' तक कहा है। दोनों पक्षों के अपने राजनीतिक तर्क हैं। लेकिन इस पूरे विवाद के बीच एक अधिक गंभीर प्रश्न उभरता है-क्या भारत की आंतरिक राजनीति में विदेशी राजनीतिक हस्तक्षेप को सामान्य लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा मान लिया जाना चाहिए? वैसे भी लोकतंत्र में सत्ता का विरोध हो, लेकिन राष्ट्रहित की कीमत पर नहीं।

यह प्रश्न किसी एक दल के पक्ष या विपक्ष में खड़े होकर नहीं, बल्कि राष्ट्रहित की कसौटी पर विचार करने की मांग करता है। विदेशी विद्वानों, अर्थशास्त्रियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और लोकतांत्रिक चिंतकों को भारत में आमंत्रित करना अपने आप में कोई गलत बात नहीं है। भारत सदियों से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना में विश्वास करता आया है। दुनिया के साथ संवाद भारतीय सभ्यता की शक्ति है। जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति और मानवाधिकार जैसे विषय किसी एक देश की सीमाओं में बंद नहीं रह सकते। ऐसे विषयों पर अंतरराष्ट्रीय संवाद आवश्यक है। समस्या वहां शुरू होती है, जहां वैश्विक संवाद राजनीतिक प्रचार का माध्यम बन जाए और विदेशी राजनीतिक व्यक्तियों से भारत की निर्वाचित सरकार, चुनाव प्रक्रिया अथवा देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर ऐसे आरोप लगवाए जाएं, जिनका प्रमाण सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत न किया गया हो। हैदराबाद सम्मेलन में इतालवी समाजवादी नेता जियाकोमो फिलिबेक की कथित टिप्पणी ने इसी विवाद को जन्म दिया। राहुल गांधी की उपस्थिति में भारतीय चुनाव व्यवस्था पर



सवाल उठाने और 'वोट चोर-गद्दी छोड़' जैसे राजनीतिक नारे से जुड़ा प्रसंग इस बहस को और तीखा बना गया। यहां मूल प्रश्न यह नहीं है कि किसी विदेशी नागरिक को भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर राय रखने का अधिकार है या नहीं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए वह राय रख सकता है। प्रश्न यह है कि क्या भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई में विदेशी राजनीतिक नेताओं को सक्रिय पक्षकार बनाया जाना चाहिए?

लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन जनता करती है, विदेशी शक्तियां नहीं। यदि किसी भारतीय राजनीतिक दल को लगता है कि चुनाव व्यवस्था में कोई कमी है, तो उसके पास संसद है, न्यायपालिका है, निर्वाचन आयोग है, मीडिया है और सबसे बड़ी शक्ति-भारत की जनता है। वह चुनाव परिणामों को चुनौती दे सकता है, न्यायालय जा सकता है, प्रमाण प्रस्तुत कर सकता है और जनता के बीच अभियान चला सकता है। लेकिन यदि वह अपने राजनीतिक आरोपों को पुष्ट करने के लिए विदेशी राजनीतिक मंचों एवं विदेशी राजनेताओं का सहारा लेने लगे, तो इससे अंततः उसकी अपनी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता कमजोर होती है। यहां कांग्रेस से एक गंभीर प्रश्न पूछा जाना चाहिए-क्या भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास इतना कमजोर हो गया है कि अपने राजनीतिक आरोपों को प्रमाणित करने के लिए विदेशी आवाजों की आवश्यकता पड़ने लगी है? और यही प्रश्न भाजपा से भी पूछा जाना चाहिए। हर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को 'भारत विरोधी' या हर आलोचना को 'विदेशी साजिश' बताना भी लोकतांत्रिक परिपक्वता नहीं है। भारत इतना विशाल और आत्मविश्वासी लोकतंत्र है कि वह आलोचना से डरकर नहीं, बल्कि तथ्यों और तर्कों से उसका उत्तर दे सकता है। विदेशी अतिथि की अनुचित टिप्पणी का विरोध होना चाहिए, लेकिन हर असहमति को राष्ट्रविरोध की संज्ञा देना भी उचित नहीं।

इस विवाद का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि भारत की विदेश नीति और राष्ट्रीय हित को घरेलू दलगत राजनीति से अलग रखने की परंपरा कमजोर होती दिखाई दे रही है। विदेश नीति किसी कांग्रेस, भाजपा या किसी अन्य राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं होती। वह 140 करोड़ से अधिक भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। सरकारें आती-जाती हैं, लेकिन राष्ट्र स्थायी रहता है। भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन की परंपरा से लेकर आज की बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था तक हमेशा अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की पहचान बनाए रखी है। उसने अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान, अरब देशों, अफ्रीका और वैश्विक दक्षिण-सभी के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर संबंध बनाए हैं। ऐसे देश के लिए यह आवश्यक है कि घरेलू राजनीतिक मतभेदों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा न बनाया जाए। सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं है। लेकिन सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को भारत की आंतरिक राजनीति में सक्रिय भूमिका देना निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय है। इसी अंतर को समझना आज भारतीय लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता का अर्थ यह नहीं कि देश में विपक्ष समाप्त हो जाए। राष्ट्रीय एकता का अर्थ है-विचार अलग हों, राजनीतिक दल अलग हों, सरकार और विपक्ष एक-दूसरे की तीखी आलोचना करें, लेकिन भारत के हित, भारत की संप्रभुता और भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति मूल प्रतिबद्धता साझा रहे।

यदि किसी राजनीतिक दल को सत्ता में वापसी करनी है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। उसे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, युवा, महिला सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर अपना वैकल्पिक मॉडल देना होगा। केवल यह कहना कि लोकतंत्र खतरे में है, पर्याप्त नहीं। लोकतंत्र पर खतरे का दावा प्रमाण मांगता है। चुनावी पराजय का उत्तर विदेशी मंच नहीं, जनविश्वास होता है। इसी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल को भी आत्ममंथन करना चाहिए। यदि कोई विपक्ष लोकतंत्र या चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाता है तो उसे केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय पारदर्शिता, संस्थागत विश्वसनीयता और संवाद के माध्यम से जनता के विश्वास को मजबूत करना चाहिए। लोकतंत्र में विश्वास केवल भाषणों से नहीं, संस्थाओं के व्यवहार से बनता है। भारत आज विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना रहा है और वैश्विक मंचों पर उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में देश की आंतरिक राजनीतिक लड़ाई को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ले जाना एक ऐसी परंपरा को जन्म दे सकता है जिसका भविष्य में दुरुपयोग किसी भी दल के विरुद्ध हो सकता है। आज यदि सत्ता पक्ष के विरुद्ध विदेशी हस्तक्षेप स्वीकार्य बना दिया गया, तो कल यही हथियार किसी दूसरे राजनीतिक दल के विरुद्ध इस्तेमाल हो सकता है। इसलिए यह प्रश्न कांग्रेस बनाम भाजपा का नहीं, बल्कि भारत बनाम राजनीतिक अवसरवाद का होना चाहिए। 'भारत समिट' सचमुच भारत को विश्व के साथ संवाद का नया मंच बनाता है तो उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन यदि भारत के नाम पर आयोजित मंच भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई को विदेशी हस्तक्षेप का माध्यम बना देता है, तो उसकी आत्मा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। भारत को विदेशी विचारों से डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन भारत की राजनीतिक नियति तय करने का अधिकार केवल भारत की जनता को होना चाहिए। सत्ता किसी विदेशी समर्थन से नहीं, लोकतांत्रिक जनादेश से मिलती है और जाती है। अंततः लोकतंत्र की असली शक्ति यही है कि हम सरकार की कठोर आलोचना कर सकें, विपक्ष के तर्कों को सुन सकें, विदेशी विचारों से संवाद कर सकें, लेकिन निर्णायक अधिकार भारतीय नागरिक के हाथ में रहे। भारत की राजनीति में मतभेद रहें, मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन संप्रभुता से समझौता न हो। सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा हो, लेकिन राष्ट्रहित की सीमा लांघकर नहीं। क्योंकि सरकार बदल सकती है, राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं, चुनावी परिणाम बदल सकते हैं, लेकिन भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक संप्रभुता किसी भी दल की राजनीतिक रणनीति से बड़ी है। यही भारत की लोकतांत्रिक मर्यादा है और यही उसकी राष्ट्रीय शक्ति भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)



कहीं आपके बच्चे को दिल की बीमारी तो नहीं? पसीने से करें पहचान

क्या आप जानते हैं कि शिशुओं को असल में ज्यादा पसीना नहीं आता? वयस्कों के विपरीत, उनके छोटे शरीर तापमान को अलग तरह से नियंत्रित करते हैं क्योंकि उनकी पसीने की ग्रंथियां अभी भी विकसित हो रही होती हैं। इसलिए, अगर आपके शिशु को बार-बार या बहुत ज्यादा पसीना आता है, तो यह कभी-कभी दिल की बीमारीका संकेत भी हो सकता है।

बच्चे ज़्यादा पसीना क्यों नहीं आता?

डॉक्टरों के अनुसार, नवजात और छोटे बच्चों के शरीर में पसीना ग्रंथियां पूरी तरह विकसित नहीं होतीं। इसलिए वे वयस्कों की तरह बहुत पसीना नहीं बहाते। उनके शरीर का तापमान नियंत्रण सिस्टम अभी छोटा और संवेदनशील होता है। इस वजह से वे सामान्य तौर पर बहुत कम या बिलकुल नहीं पसीना बहाते।

किन बच्चों को आता है ज्यादा पसीना

विशेषज्ञों के अनुसार, अगर आपका बच्चा दूध पीते समय, सोते हुए, या जरा-सा हिलते-डुलते ही बहुत ज्यादा पसीना बहा रहा है तो यह दिल की किसी समस्या का संकेत हो सकता है। जिस बच्चे के दिल में कोई जन्मजात दोष होता है, तो दिल को शरीर में खून पंप करने के लिए बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इस अतिरिक्त मेहनत से शरीर की ऊर्जा जल्दी खर्च होती है, बच्चा जल्दी थक जाता है और शरीर तापमान को कम करने के लिए ज्यादा पसीना बहाने लगता है।

ऐसे लक्षणों पर ध्यान दें:

- बच्चे को दूध पीते समय बहुत पसीना आता है।
- जल्दी थक जाता है या दूध अधूरा छोड़ देता है।
- तेज सांस लेता है या साँस फूलती है
- वजन नहीं बढ़ रहाया बहुत कमजोर लग रहा है
- त्वचा या होंठ नीले पड़ने लगते हैं

इस तरह रखें बच्चों का ख्याल

बच्चे को ठंडी जगह पर रखें, बहुत गर्म कपड़े न पहनाएं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा या घरेलू नुस्खा न दें। अगर डॉक्टर सुझाएं तो इकोकार्डियोग्राम या ईसीजी जांच करवाएं। ध्यान रखें कि हर बच्चे को थोड़ा-बहुत पसीना आना सामान्य है, लेकिन अगर पसीना बहुत ज्यादा है तो शरीर किसी अंदरूनी परेशानी का इशारा कर रहा है।'

बच्चों को नहीं लगेगा चश्मा, पेरेंट्स जरुर खिलाएं ये फूड्स



ज्यादातर मोबाइल और लैपटॉप इस्तेमाल करने के कारण आजकल बच्चों की आंखे कमजोर होने लगी हैं। इसके अलावा गलत खान-पान भी बच्चों की आंखे कमजोर होने के मुख्य कारण है। ऐसे में छोटी उम्र में ही उन्हें चश्मा लगने लगा है। एक्सपर्ट्स की मानें तो आजकल काफी उम्र से ही बच्चे लंबे समय तक टीवी, मोबाइल आदि देखने लगते हैं और पोषण की कमी के कारण बच्चों की आंखे कम उम्र में ही कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे फूड्स बताते हैं जो बच्चों की आंखों को मजबूत बनाएंगे। आइए जानते हैं....

विटामिन-ई

विटामिन-ई से भरपूर आहार आप बच्चों की डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए आप बच्चों को बादाम, मूंगफली, मक्के का तेल, सरसों के बीज जैसी चीजें खिला सकते हैं।

सेलेनियम

यह एक ऐसा एंटीऑक्सीडेंट है जो यीस्ट और सीफूड में मौजूद होता है। आप इसका सेवन बच्चों को करवाने के लिए उन्हें सप्लीमेंट के तौर पर दे सकते हैं।

विटामिन-ए

यह शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनाने और आई साइट को मजबूत बनाने में मदद करता है। शरीर में यदि इस विटामिन की कमी हो जाए तो बच्चों की आंखे तेजी से कमजोर होने लगती है। ऐसे में आप उन्हें डाइट में अंडा, लीवर, दूध, हरी सब्जियां, स्वीट पोटैटो, रंग-बिरंगे फल आदि खाने के लिए दें।

जिंक

जिंक की कमी भी आंखों में रोशनी कम होने की समस्या बढ़ सकती है। जिकं की कमी बच्चों के शरीर से पूरी करने के लिए आप उन्हें ओएस्टर, गेंहू और तरह के नट्स दे सकते हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

इसकी कमी होने के कारण भी बच्चों की आंखें कमजोर हो सकती हैं। ऐसे में बच्चों के शरीर में से ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी पूरी करने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स, कोल्ड वॉटर फिश, ब्रोकली उन्हें दे सकते हैं।

जंगल सफारी का नया ठिकाना

राजस्थान के जवाई में देखें तेंदुए और

जंगल सफारी के शौकीनों के लिए राजस्थान का जवाई नेशनल पार्क एक बेहतरीन विकल्प है, जहाँ आप तेंदुए, मगरमच्छ और अन्य जंगली जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में देख सकते हैं। पाली जिले में स्थित यह तेंदुआ संरक्षण रिजर्व अपनी अद्वितीय विशेषता के लिए जाना जाता है, जहाँ ग्रामीण और तेंदुए साथ रहते हैं। यह ट्रिप आपको एडवेंचर और रोमांच से भरपूर एक यादगार अनुभव देगी।



जंगल सफारी करने का एक अलग ही आनंद होता है। अगर आपको भी जंगली जानवर देखने का शौक हैं, लेकिन जब नेशनल पार्क में जाते हैं तो सिर्फ हिरन और बंदर को देखकर आ जाते हैं। हालांकि, शेर, चीता और बाघ न मिले तो मजा नहीं आता है। हर किसी का बजट साउथ अफ्रीका और केन्या जाने का तो होता नहीं। जहां पर मसाई मारा जैसे नेशनल पार्क में जा पाएं और जंगली जानवर देख पाएं। लेकिन आपको ज्यादा दूर जाने की जरुरत नहीं है। आप राजस्थान के जवाई नेशनल पार्क में, जहां पर तेंदुआ, मगरमच्छ जैसे जंगली जीव खुले घूमते दिख जाएंगे और आपको यहां पर सैर करके काफी सुंदर नजारे दिखेंगे।

जवाई नेशनल पार्कट

जवाई नेशनल पार्क राजस्थान के पाली जिले में मौजूद है। यह एक तेंदुआ सरंक्षण रिजर्व सेंटर है। इस पार्क में आपको तेंदुआ की काफी आबादी देखने को मिल जाएगी। यहां पर जवाई बांध भी है। बता दें कि, 60 किलोमीटर एरिया में फैले इस नेशनल पार्क में 16 गांव बसे हैं। जहां पर तेंदुआ और ग्रामीण लोग साथ में रहते है। तेंदुआ और दूसरे जंगली जानवरों को देखने आप यहां जरुर जाएं। ट्रिप आपकी रोमांच से भर जाएगी। यहां पर तेंदुआ की अलग-अलग प्रजाति के अलावा जंगली बिल्ली, भेड़िया, सियार और धारीदार लकड़बग्घे भी रहते हैं। आपको 100 से ज्यादा वैराइटी के प्रवासी और लोकल पक्षी भी देखने को मिल जाएंगे। ग्रेनाइट की पहाड़ियों के लिए सुंदर नजारों के बीच वाइल्ड लाइफ का करीब से दीदार होगा।

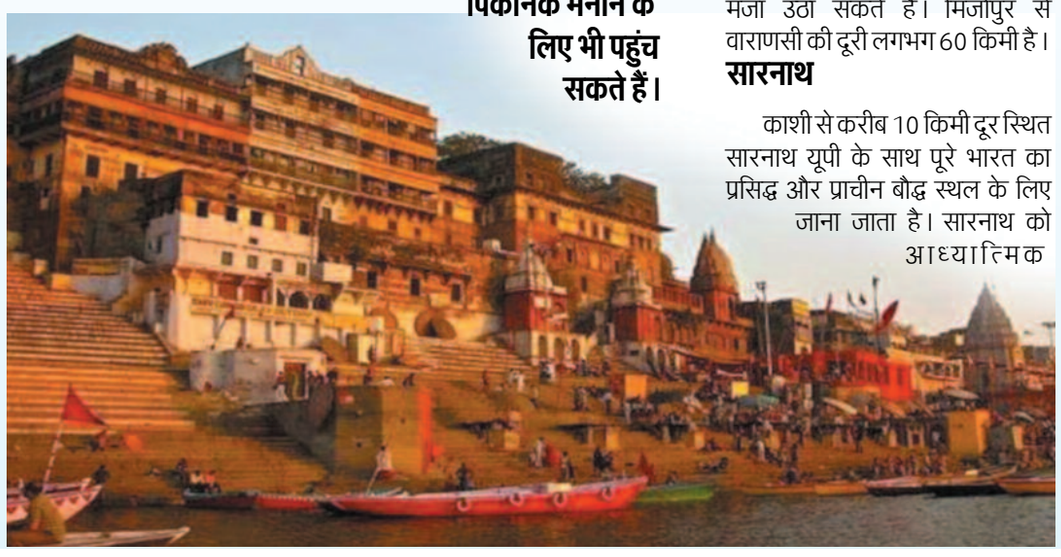
कैसे पहुंचे

जवाई जाने के लिए बाय रोड भी जा सकते हैं। उदयपुर या जयपुर एयरपोर्ट से यहां प्राइवेट साधन के जरिए जा सकते हैं। नजदीकी एयरपोर्ट उदयपुर है जो करीब 150 किमी दूर है। इसके अलावा, सिर्फ 4 किमी की दूरी पर मोरी बेरा रेलवे स्टेन है। जो जयपुर, दिल्ली, मुंबई से जुड़ा हुआ है। सर्दियों के मौसम में यहां पर जाना अच्छा माना जाता है।



मिर्जापुर से बनाएं यादगार वन-डे ट्रिप

मिर्जापुर का नाम सुनते ही अधिकतर लोगों के जहन में सबसे पहले मिर्जापुर वेब सीरीज का ही ध्यान आता है। हालांकि इस वेब सीरीज से अलग हटकर मिर्जापुर का जिक्र किया जाता है, तो यह शहर हाथों द्वारा निर्मित कालीन और दरियों का सबसे बड़ा उत्पादन भी करता है। उत्तर प्रदेश में स्थित मिर्जापुर एक ऐसा शहर है, जोकि पहाड़ियों से घिरा है। वहीं इस शहर में बहुत कम ऐसी जगहें हैं, जहां पर लोग घूमने के लिए जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मिर्जापुर के आसपास स्थित कुछ ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं। वहीं आप इन जगहों पर वीकेंड पर पिकनिक मनाने के लिए भी पहुंच सकते हैं।



वाराणसी

जब भी मिर्जापुर के आसपास में किसी शानदार और चर्चित जगह घूमने की बात की जाती है, तो कई लोग सबसे पहले वाराणसी का नाम लेते हैं। यह यूपी का एक चर्चित धार्मिक स्थल है।

गंगा नदी के तट पर स्थित वाराणसी में आप काशी विश्वनाथ मंदिर, मणिकर्णिका घाट, अस्सी घाट, दशाश्वमेध यज्ञ और भारत माता मंदिर जैसे कई विश्व प्रसिद्ध धार्मिक जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसलिए वाराणसी में दूर-दूर से पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। आप यहां पर बोटिंग का भी मजा उठा सकते हैं। मिर्जापुर से वाराणसी की दूरी लगभग 60 किमी है।

सारनाथ

काशी से करीब 10 किमी दूर स्थित सारनाथ यूपी के साथ पूरे भारत का प्रसिद्ध और प्राचीन बौद्ध स्थल के लिए जाना जाता है। सारनाथ को आध्यात्मिक स्थानों में से एक माना जाता है।

सारनाथ में आप धमेख स्तूप से लेकर चौखंडी स्तूप, अशोक स्तंभ और थाई मंदिरों जैसे बौद्ध स्थलों को देख सकते हैं। वहीं सारनाथ में स्थित मूलगंध कुटी विहार और हिरण उद्यान को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। मिर्जापुर से सारनाथ की दूरी लगभग 75 किमी है।

प्रयागराज

प्रयागराज यूपी का एक बेहद खूबसूरत और प्रमुख शहर है। इस शहर को कई लोग इलाहाबाद के नाम से भी जानते हैं। यह हिंदुओं के लिए एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। क्योंकि प्रयागराज एक ऐसा शहर है, जो गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम पर स्थित है। प्रयागराज महाकुंभ मेले के लिए भी जाना जाता है।

यहां पर कई ऐतिहासिक और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं, जिनको आप एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप प्रयागराज फोर्ट, खुसरो बाग, त्रिवेणी संगम और चन्द्रशेखर आजाद पार्क को एक्सप्लोर कर सकते हैं। मिर्जापुर से प्रयागराज की दूरी 88 किमी है।

नौगढ़ डैम

यूपी के चंदौली जिले में स्थित नौगढ़ डैम राज्य का खूबसूरत डैम है। यह डैम चंद्रप्रभा वन्यजीव अभ्यारण में स्थित है, इस डैम का निर्माण 1956 में किया गया था। नौगढ़ डैम का पानी सिंचाई के तौर पर इस्तेमाल होता है। इसको पर्यटन स्थल के रूप में जाना जाता है। नौगढ़ डैम प्राकृतिक सौंदर्य के साथ आसपास के वन्यजीवों के लिए भी फेमस है। कई लोग वीकेंड में नौगढ़ डैम के किनारे पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते रहते हैं। मानसून में नौगढ़ डैम की खूबसूरती देखने लायक होती है। मिर्जापुर से नौगढ़ डैम की दूरी लगभग 113 किमी दूर है।



नेपाल को भारत से 350 मेगावाट बिजली आयात करने की मंजूरी मिली

जलविद्युत उत्पादन में कमी के कारण निर्णय लिया

काठमांडू ।

नेपाल को आगामी शीतकाल में घरेलू बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत से 350 मेगावाट तक बिजली आयात करने की मंजूरी मिल गई है। जलविद्युत उत्पादन में कमी और हाल की बाढ़ से कई परियोजनाओं को हुए नुकसान के कारण यह निर्णय लिया गया है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के अधिकारियों के अनुसार भारत के केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने एनईए को भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज (आईईएक्स) से प्रतिस्पर्धी दरों पर बिजली खरीदने की अनुमति दी है। यह मंजूरी 17 नवंबर, 2026 से 31 जुलाई, 2027 तक वैध है, जिससे नेपाल को भविष्य में भी मौसमी अंतर को पाटने में मदद मिलेगी। नेपाल की बिजली आपूर्ति मुख्य रूप से नदी के प्रवाह पर निर्भर जलविद्युत परियोजनाओं पर आधारित है। सर्दियों में जलस्तर घटने से उत्पादन कम हो जाता है। इसके अतिरिक्त, अगस्त में रसुवा-भोटेकोशी क्षेत्र में आई बाढ़ से 431 मेगावाट क्षमता वाली परियोजनाएं अभी भी राष्ट्रीय ग्रिड से जुड़ नहीं पाई हैं, जिससे संकट और गहरा गया है। हालांकि, अप्रैल के मध्य से नदियों का जलस्तर बढ़ने पर घरेलू उत्पादन में सुधार की उम्मीद है, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी और नेपाल फिर से बिजली निर्यात शुरू कर सकेगा।

दिल्ली का खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे खुदरा बाजारों में 24वें स्थान पर

न्यूयॉर्क का अपर फिफ्थ एवेन्यू दुनिया में सबसे महंगा, सालाना किराया 2700 डॉलर प्रति वर्ग फुट

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सलाहकार कुशमैन एंड वेकफील्ड की ताजा रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का प्रतिष्ठित खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे प्रमुख खुदरा बाजारों की सूची में 24वें स्थान पर अपना दबदबा बनाए हुए है।

यह भारत का सबसे महंगा खुदरा बाजार भी है, जहां सालाना किराया 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट पहुंच गया है। कुशमैन एंड वेकफील्ड की मेन स्ट्रीट्स अक्रॉस द वर्ल्ड 2026 रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क का अपर फिफ्थ एवेन्यू 35 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,700 डॉलर प्रति वर्ग फुट सालाना किराये के साथ दुनिया का सबसे महंगा खुदरा बाजार बन गया है। लंदन का न्यू बॉन्ड स्ट्रीट (2,230 डॉलर) दूसरे और मिलान का विया मोंटेनापोलियोने (2,160 डॉलर) तीसरे स्थान पर रहे। दिल्ली के खान मार्केट में मजबूत मांग के कारण सालाना किराया 14 प्रतिशत बढ़कर करीब 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट (लगभग 1,875 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह) हो गया है। सर्वेक्षण में शामिल करीब आधे बाजारों में किराये बढ़े, जबकि वैश्विक स्तर पर किराये की औसत वृद्धि 3 फीसदी रही। भारतीय खुदरा बाजार मजबूत खपत, खुदरा विक्रेताओं के विस्तार और प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण मजबूत बना हुआ है, जो वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते महत्व को दर्शाता है।

एनवीडिया ने सीईओ पद पर हुआंग की वापसी से किया इनकार

नई दिल्ली ।

चिप बनाने वाली दिग्गज कंपनी एनवीडिया ने अपने पूर्व सह-संस्थापक और सीईओ जेनसन हुआंग को कंपनी के शीर्ष पद पर बहाल करने की किसी भी योजना से स्पष्ट इनकार कर दिया है। चेयरमैन हार्वे जोन्स ने बुधवार को कहा कि हुआंग ने कंपनी की आचार संहिता के मानकों के अनुरूप नहीं होने वाले निजी व्यवहार के खुलासे के बाद स्वेच्छा से इस्तीफा दिया था। यह घोषणा हुआंग के उस बयान के कुछ ही घंटे बाद आई है, जिसमें उन्होंने वापसी की इच्छा जताई थी। न्स ने पुष्टि की कि निदेशक मंडल ने सर्वसम्मति से हुआंग का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था और अब उन्हें सीईओ के रूप में बहाल करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने बताया कि इस्तीफे की घोषणा के समय भले ही कारण नहीं बताया गया था, लेकिन हुआंग ने निजी व्यवहार के खुलासे के बाद ही पद छोड़ा था। फिलहाल, कंपनी की मुख्य वित्त अधिकारी कोलेट क्रेस अंतरिम सीईओ के रूप में कार्यरत हैं, और बोर्ड ने स्थायी सीईओ की तलाश के लिए हेड्रिक एंड स्ट्रगल्स को नियुक्त किया है। निदेशक मंडल ने क्रेस के नेतृत्व पर पूरा भरोसा जताया है और राष्ट्रीय सुरक्षा तथा निर्यात नियंत्रण निगरानी समिति भी गठित की है। इससे पहले, हुआंग ने सोशल मीडिया पर स्वीकार किया था कि उन्होंने निजी जीवन में गंभीर गलतियां की थीं, लेकिन वापसी की इच्छा भी जताई थी। इस बीच, एनवीडिया का शुद्ध लाभ दोगुने से अधिक होकर 65.3 अरब डॉलर हो गया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 500, निफ्टी 159 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 500.38 अंकों की गिरावट के साथ ही 82,031.81 अंकों पर बंद हुआ। जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 159.45 अंक फिसलकर 25,227.95 अंकों पर बंद हुआ। आज एसबीआई, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों ने तेजी के साथ कारोबार बंद किया जबकि टाइटन, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एटरनल, इंडिगो, इन्फोसिस, टाटा स्टील के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। आज सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 8 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ लाभ पर बंद हुए और बाकी की सभी 22 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 15 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 35 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों में एसबीआई के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.26 फीसदी उछले जबकि टाटा समूह की प्रमुख कंपनी टाइटन के शेयर आज सबसे ज्यादा 4.82 फीसदी गिरे। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी , अल्ट्राटेक सीमेंट , पावरग्रिड , मारुति सुजुकी , ट्रेंट , सन फार्मा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एटरनल सहित इन शेयरों में गिरावट आई है। टीसीएस , बजाज फाइनेंस , एटरनल 2, इंडिगो , इन्फोसिस , टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा , एशियन पेंट्स के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।



इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 100 अंकों से अधिक की गिरावट के साथ 82,443.35 के स्तर पर वहीं निफ्टी भी 33.50 अंक गिरकर 25,353.90 पर आ गया है। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरे, जबकि एशियाई बाजारों में बुधवार सुबह मिलाजुला कारोबार दिखा।

रुपया 24 पैसे चढ़कर 93.27 प्रति डॉलर पर

रुपया मंगलवार को 93.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था



मुंबई ।

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 24 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.27 पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी पूंजी के भारी प्रवाह से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला।विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में मजबूती मुख्य रूप से रातोंरात अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट से आई है। इससे भारत की आयात लागत और महंगाई को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 93.47 पर खुला और बढ़त हासिल करते हुए 93.27 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 24 पैसे की बढ़त है। रुपया मंगलवार को 43 पैसे मजबूत होकर सात महीने के उच्च स्तर 93.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत बढ़कर 103.60 पर रहा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत तेज

- औपचारिक समझौते के बजाय अहम नीतिगत मुद्दों पर जोर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) का एक उच्च-स्तरीय दल इन दिनों दिल्ली में भारतीय अधिकारियों के साथ गहन चर्चा कर रहा है। इन बैठकों का मुख्य एजेंडा बौद्धिक संपदा (आईपी), नियामकीय डेटा संरक्षण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और वित्तीय सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दों पर द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाना है। अमेरिकी दूतावास ने इन चर्चाओं की पुष्टि करते हुए इसे दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने का निरंतर प्रयास बताया। यूएसटीआर के सहायक व्यापार प्रतिनिधि डैनियल ली सहित वरिष्ठ अधिकारियों का दल वाणिज्य, वित्त, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा औषध विभागों के प्रमुख भारतीय अधिकारियों से मिल रहा है। हालांकि, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि ये बातचीत भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की औपचारिक वार्ता का हिस्सा नहीं हैं। फिलहाल दोनों देश पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटे हैं, जिसमें वस्तुओं के व्यापार, गैर-शुल्क बाधाओं और आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। अमेरिका का मानना है कि बौद्धिक संपदा जैसे मुद्दों पर भारत को गैर-शुल्क बाधाओं को समझौते के बिना भी दूर करना चाहिए।

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया नया इक्विटी फंड

- बाजार जोखिम से बचाव पर रहेगा जोर

नई दिल्ली ।

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी (कोटक म्यूचुअल फंड) ने अपने स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) प्लेटफॉर्म के तहत इन्फिनिटी इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट फंड लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी निवेश रणनीति है, जिसका मुख्य उद्देश्य शेयरों के सावधानीपूर्वक चयन के माध्यम से लंबी अवधि में पूंजी बढ़ाना और डेरिवेटिव्स का उपयोग करके बाजार के जोखिमों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करना है। इस नए फंड ऑफर (एनएफओ) की अवधि 17 नवंबर से शुरू होकर 1 दिसंबर तक रहेगी। इस फंड में न्यूनतम 10 लाख रुपये का निवेश करना होगा, जो एएमसी की सभी एसआईएफ योजनाओं में पैन स्तर पर लागू होगा। निवेशकों को रोजाना निवेश और निकासी की सुविधा मिलेगी। फंड का बेंचमार्क निफ्टी 100 टीआरआई है, और कल्पेश जैन, रोहित टंडन तथा अभिषेक बिसेन इसके फंड मैनेजर होंगे। यह कोटक म्युचुअल फंड की दूसरी एसआईएफ रणनीति है, इससे पहले कंपनी ने इन्फिनिटी हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट फंड लॉन्च किया था। फंड की निवेश रणनीति मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों के शेयरों पर केंद्रित होगी, जिसमें कारोबार, विकास की संभावनाओं और उचित वैल्यूएशन के आधार पर शेयरों का चयन होगा। जोखिम को कम करने और निवेश के स्तर को समायोजित करने के लिए डेरिवेटिव्स का सक्रिय उपयोग किया जाएगा। इसमें कवर्ड कॉल और पुट ऑप्शन जैसी रणनीतियों से बाजार के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित किया जाएगा। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एमडी नीलेश शाह ने कहा कि इक्विटी निवेश में अवसरों के साथ-साथ बाजार में गिरावट के दौरान जोखिम संभालना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन आईपीओ खुला,कृषि क्षेत्र में निवेश का अवसर

- कंपनी का लक्ष्य 455 करोड़ जुटाना, 20 नवंबर तक आवेदन का मौका

नई दिल्ली ।

प्राथमिक बाजार में निवेश के इच्छुक निवेशकों के लिए बुधवार, 18 नवंबर को कृषि-रसायन कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुल गया है। खेती से जुड़े रसायन, फसल सुरक्षा उत्पाद और बीज बनाने वाली यह भारतीय कंपनी इस आईपीओ के जरिए कुल 455.49 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के आईपीओ का प्राइस बैंड 259 से 272 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है, और यह 20 नवंबर तक खुला रहेगा। निवेशकों को कम से कम 55 शेयरों के एक लॉट के लिए आवेदन करना होगा। इस इश्यू में 354.77 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयर जारी होंगे, जबकि मौजूदा शेयरधारक बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिए 100.71 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 23 नवंबर को होने की उम्मीद है, और कंपनी के शेयरों की बीएसई और एनएसई पर 26 नवंबर को लिस्टिंग संभव है। बाजार विश्लेषकों ने इस आईपीओ पर मिली-जुली राय दी है। कुछ ब्रोकरेज फर्मों ने कंपनी के विविध कारोबारी क्षेत्रों में मौजूदगी और अनुसंधान व विकास पर जोर को देखते हुए लंबी अवधि के लिए निवेश की सलाह दी है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि वैल्यूएशन बहुत सस्ता नहीं है। आईपीओ के अपर प्राइस बैंड पर कंपनी का कुल मार्केट कैप लगभग 4,437.9 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। वहीं, कुछ अन्य फर्मों ने कंपनी की कमाई पर मॉनसून और कृषि उत्पादों की मांग की निर्भरता जैसे जोखिमों के कारण आईपीओ पर न्यूट्रल रेटिंग दी है, हालांकि कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन मजबूत रहा है।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी को अर्थशॉट पुरस्कार

कंपनी ने अब तक लाखों टन सीओ2 उत्सर्जन रोका

नई दिल्ली ।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी (एमएलएमएम) को इलेक्ट्रिक वाहनों के माध्यम से प्रदूषण कम करने और छोटे कारोबारियों व चालकों को सशक्त बनाने के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित 'अर्थशॉट पुरस्कार 2026' के 'स्वच्छ हवा' श्रेणी का विजेता घोषित किया गया है।

यह वैश्विक सम्मान कंपनी की पर्यावरण-अनुकूल पहल और सामाजिक समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कंपनी 10 लाख पाउंड (लगभग 11 लाख अमेरिकी डॉलर) की पुरस्कार राशि का उपयोग समावेशी इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए करेगी। इसमें महिला चालकों को प्रशिक्षण देना, उन्हें किफायती वित्तपोषण उपलब्ध कराना, कम सुविधाओं वाले क्षेत्रों में चार्जिंग ढांचे का विस्तार करना और इलेक्ट्रिक रिक्शा को व्यापक समुदायों तक पहुंचाना शामिल है। एमएलएमएम ने अब तक चार लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बेचे हैं, जिससे 1.85 लाख टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन रोकने में मदद मिली है।

भारत को कोकिंग कोयले की चिंता नही नवीन जिंदल

यूरोप 2035 के बाद ब्लास्ट फर्नेस से हटेगा, भारत में जारी निर्माण से होगी उपलब्धता सुनिश्चित

नई दिल्ली ।

भारतीय इस्पात संघ के अध्यक्ष नवीन जिंदल ने बुधवार को कहा कि यूरोप और अमेरिका जैसे प्रमुख इस्पात उत्पादक देश 2035 तक ब्लास्ट फर्नेस से दूर हो रहे हैं, ऐसे में भारत में जारी इन फर्नेस के निर्माण से भविष्य में कोकिंग कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

यह एक महत्वपूर्ण राहत होगी, क्योंकि भारत अपनी कोकिंग कोयले की लगभग 90 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरी करता है। नवीन जिंदल ने आईएसए कमिंग कोल समिट में बताया कि जहां वैश्विक स्तर पर अमेरिका और यूरोप में ब्लास्ट फर्नेस बंद किए जा रहे हैं, वहीं भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां अब भी बड़े ब्लास्ट फर्नेस स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीन के पास भी बड़ी क्षमता है, लेकिन वह इसे धीरे-धीरे कम कर रहा है। यह वैश्विक बदलाव भारत के लिए शुभ संकेत है, क्योंकि कोकिंग कोयला लोहा और इस्पात उत्पादन में इस्तेमाल होने वाला एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। यह घरेलू इस्पात कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस प्रक्रिया का अभिन्न अंग है। जिंदल के अनुसार, यूरोप 2035 के बाद पूरी तरह से ब्लास्ट फर्नेस तकनीक से हट जाएगा और अमेरिका भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

एनवीडिया ने कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए, कुल राजस्व सालाना 100 अरब डॉलर के पार

वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए कंपनी 130 अरब डॉलर की बिक्री का अनुमान जताया

नई दिल्ली।

एनवीडिया ने हाल ही में जारी वित्त वर्ष 2027 की तीसरी तिमाही के नतीजों में कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जिसमें कंपनी का राजस्व पहली बार 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर गया। कंपनी का कुल राजस्व सालाना आधार पर 103 फीसदी बढ़कर 115.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह कम था। यह प्रभावशाली प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ जब कंपनी के पूर्व सीईओ जेनसेन हुआंग के इस्तीफे और उनके संभावित वापसी पर अटकलें लगाई जा रही थीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतृत्व में अनिश्चितता के बावजूद, कंपनी के कारोबार पर इसका कोई नकारात्मक असर नहीं दिखा है। तीसरी तिमाही में एनवीडिया का मुनाफा भी बाजार के अनुमानों से बेहतर रहा, जिसमें प्रति शेयर आय 2.68 डॉलर रही, जो जानकारों के 2.47 डॉलर के अनुमान से ज्यादा थी। कंपनी के डेटा सेंटर व्यवसाय ने इस शानदार वृद्धि में अहम भूमिका निभाई, जिसकी बिक्री दोगुने से ज्यादा बढ़कर 107.6 अरब डॉलर तक पहुंच गई। एआई मॉडल को प्रशिक्षण देने और चलाने के लिए जरुरी चिप्स की बढ़ती मांग इस सेगमेंट की बिक्री में भारी उछाल का प्रमुख कारण है।

कंपनी ने आगामी वित्त वर्ष के लिए भी मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया है, जिसमें राजस्व में 75फीसदी तक की बढ़ोतरी की संभावना है, जो पहले लगाए गए 70फीसदी के अनुमान से ज्यादा है। वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए, एनवीडिया ने करीब 130 अरब डॉलर की बिक्री का अनुमान जताया है। कंपनी की अंतरिम सीईओ और सीएफओ कोलेट क्रेस ने पुष्टि की है कि कंपनी का कारोबार सामान्य तरीके से चल रहा है और उसे अपने ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं और व्यापारिक भागीदारों का लगातार समर्थन मिल रहा है।

मोतीलाल ओसवाल के पांच पसंदीदा शेयर, 27 फीसदी उछाल का अनुमान

- ब्रोकरेज फर्म को दमदार फंडामेंटल वाले शेयरों में दिख रहा दम

नई दिल्ली ।

विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार में वापसी ने उत्साह भर दिया है, जिससे बेंचमार्क इंडेक्स एक महीने में करीब 10 फीसदी ऊपर चढ़ गए हैं। इस तेजी के माहौल के बीच, घरेलू ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने निवेशकों को दमदार फंडामेंटल वाले पांच शेयरों पर खरीदारी की सलाह दी है।

ब्रोकरेज फर्म को इन शेयरों में सालभर में 27 फीसदी तक की तेजी का अनुमान है, जिससे निवेशकों को अच्छा मुनाफा कमाने का अवसर मिल सकता है।

मोतीलाल ओसवाल की सूची में स्पेशियलिटी केमिकल सेक्टर की आरती इंडस्ट्रीज शामिल है, जिसके लिए 600 रुपए का लक्ष्य रखा गया है, जो इसके 470.85 रुपए के बंद भाव से काफी अधिक है। दूसरा नाम संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल है, जिसके शेयरों पर 200 रुपए का अपसाइड टारगेट दिया गया है, जबकि यह 164 रुपए पर बंद हुआ था।

ब्रोकरेज फर्म नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के शेयरों पर भी बुलिश है, जिसके लिए 2300 रुपए का लक्ष्य है, जबकि यह 2061.85 रुपए पर बंद हुआ था। मजबूत फंडामेंटल वाले शेयरों में एनबीएफसी सेक्टर से बजाज फाइनेंस को भी चुना गया है, जिसका टारगेट 1250 रुपए है (मौजूदा भाव 1120.35 रुपए)। पांच शेयरों की इस सूची में अंतिम नाम टेलीकॉम दिग्गज भारती एयरटेल का है, जिसके लिए 2395 रुपए का अपसाइड टारगेट दिया गया है, जबकि यह 2140 रुपए पर बंद हुआ था। जानकारों के अनुसार, इन कंपनियों का मजबूत प्रदर्शन और सकारात्मक आउटलुक निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत कर सकता है।

अदाणी एयरपोर्ट्स ने लॉन्च किया अदाणी रिवॉर्ड्स

- मुंबई, जयपुर सहित आठ एयरपोर्ट्स पर सुविधा उपलब्ध

जयपुर ।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अदाणी रिवॉर्ड्स नामक एक नया और उन्नत सदस्यता कार्यक्रम शुरू किया है। मुंबई, नवी मुंबई, जयपुर, अहमदाबाद, लखनऊ, गुवाहाटी, मंगलुरु और तिरुवनंतपुरम सहित कंपनी द्वारा संचालित आठ हवाई अड्डों पर यह सुविधा उपलब्ध होगी, जिसके तहत सदस्य सालाना 65,000 रुपये तक के आकर्षक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह नया कार्यक्रम अदाणी वन ऐप के साथ एकीकृत है और सदस्यता की श्रेणी के आधार पर कई प्रकार की सुविधाएं प्रदान करता है। इनमें खरीदारी और खानपान पर विशेष छूट, एयरपोर्ट लाउंज में निःशुल्क प्रवेश, सुरक्षा जांच के लिए प्राथमिकता, सुविधाजनक पार्किंग विकल्प और यात्रियों को उनकी आवश्यकतानुसार विशेष हवाई अड्डा सहायता शामिल हैं। एएएचएल के एक अधिकारी ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पिछले अदाणी रिवॉर्ड्स 1.0 कार्यक्रम को मिली शानदार प्रतिक्रिया (70 लाख सदस्यों) ने यह दर्शाया कि यात्रियों की रुचि अब केवल हवाई यात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हवाई अड्डों पर मिलने वाली सेवाओं से भी गहरा जुड़ाव चाहते हैं। उन्होंने बताया कि यह उन्नत कार्यक्रम यात्रा, खुदरा खरीदारी, खानपान और आतिथ्य सेवाओं से जुड़े सभी लाभों को एक ही मंच पर एकीकृत करता है, जिससे यात्रियों को एक सहज और समृद्ध अनुभव मिल सके। यह कार्यक्रम हवाई अड्डे को सिर्फ एक ट्रांजिट पॉइंट नहीं, बल्कि एक जीवनशैली गंतव्य के रूप में स्थापित करने की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है।

पहला टेस्ट आज से



'फाइनल में पहुंचना है तो आराम के दायरे से बाहर निकलना होगा'

मोर्कल ने कहा कि भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए अब खुद को पहले से ज्यादा चुनौती देनी होगी। टीम को ऐसे काम करने के लिए तैयार रहना होगा, जो शायद उसने पहले नहीं किए हैं। उन्होंने खास तौर पर तेज गेंदबाजों के लंबे स्पेल और अतिरिक्त ओवर करने की जिम्मेदारी का जिक्र किया। मोर्कल ने कहा, 'फाइनल में पहुंचने के लिए हमें अब खुद को थोड़ा और आगे बढ़ाना होगा। हमें अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ऐसी स्थिति में जाना होगा, जहां शायद हम पहले कभी नहीं गए हैं। अगर किसी मौके पर टीम को जरूरत हो कि कोई गेंदबाज दो या तीन ओवर अतिरिक्त करे, हवा के विपरीत गेंदबाजी करे और मुश्किल जिम्मेदारी निभाए, तो हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।'

वेलिंगटन की हवा और न्यूजीलैंड का निचला क्रम भी चुनौती

न्यूजीलैंड दौरे पर वेलिंगटन की तेज हवाएं भी भारतीय गेंदबाजों के लिए चुनौती बन सकती हैं। मोर्कल के मुताबिक, दोनों टीमों को इन परिस्थितियों का सामना करना होगा।
ऐसे में खिलाड़ियों को मजबूत मानसिकता के साथ मैदान पर उतरना होगा। उन्होंने कहा कि किसी एक छोर से गेंदबाज को जिम्मेदारी उठानी होगी और खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज ऐसी होनी चाहिए कि वे लगातार गेंदबाजी करने के लिए तैयार दिखें। इसके अलावा मोर्कल ने न्यूजीलैंड के निचले क्रम को भी भारत के लिए अहम चुनौती बताया।

WTC फाइनल के लिए भारत को क्या करना होगा?: मोर्कल ने सिराज-बुमराह से इस चुनौती से निपटने को कहा; और क्या बोले?

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज सिर्फ एक द्विपक्षीय मुकाबला नहीं है, यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल की दौड़ में भारत के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने का बड़ा मौका भी है। फिलहाल न्यूजीलैंड अंक तालिका में शीर्ष पर है, जबकि भारतीय टीम चौथे स्थान पर है। ऐसे में भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने टीम को फाइनल तक पहुंचने का एक अहम मंत्र दिया है। उनका मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को अब अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ज्यादा मेहनत करनी होगी। जरूरत पड़ने पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त ओवर करने और मुश्किल परिस्थितियों में भी टीम के लिए जिम्मेदारी उठाने को तैयार रहना होगा।



गेंदबाजी संयोजन को लेकर मोर्कल को पूरा भरोसा

सीरीज से पहले भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी संयोजन को लेकर भी चर्चा है। जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, अंशुल कंबोज और हाल ही में टीम में शामिल किए गए गुरनूर बराड़ जैसे विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में प्लेइंग-11 चुनना टीम प्रबंधन के लिए चुनौती हो सकता है। हालांकि, मोर्कल को उपलब्ध गेंदबाजों की क्वालिटी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि टीम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगी, उसमें 20 विकेट लेने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'गौतम (गंभीर) को मेरा फीडबैक यही था कि इस दौरे पर हम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेंगे, हमारे पास 20 विकेट लेने के लिए पर्याप्त क्षमता है। मुझे इस पर भरोसा है। हर गेंदबाज में अलग तरह की खूबी है और सभी कुशल हैं। मेरा मानना है कि सभी खेलने के लिए तैयार हैं।' मोर्कल ने सिराज को विश्वस्तरीय प्रदर्शन करने वाला गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा कि जब भी सिराज को भारतीय टीम की जर्सी में मौका मिला है, उन्होंने खुद को साबित किया है।



पिछले नतीजों की निराशा पीछे छोड़ना चाहता है भारत

मोर्कल ने स्वीकार किया कि हाल के टेस्ट नतीजों से भारतीय ड्रेसिंग रूम में निराशा रही है। उनके मुताबिक, टीम कुछ अहम खिलाड़ियों के जाने के बाद अपनी लय तलाश रही थी। हालांकि, आगामी दो टेस्ट को लेकर खिलाड़ियों के बीच बातचीत सकारात्मक रही है।
उन्होंने कहा कि टीम को पता है कि वह इससे बेहतर क्रिकेट खेल सकती है और अगले 10 से 13 दिनों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सभी में मजबूत इच्छाशक्ति है। भारत ने डब्ल्यूटीसी के पहले दो फाइनल खेले थे और अब 2027 में द ओवल में होने वाले फाइनल में वापसी करना चाहेगा। इसके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट भारत के अभियान में अहम साबित हो सकते हैं।

फ्रेंडली मैच में अर्जेंटीना ने कोस्टा रिका को 7-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स। निको पाज, जूलियन अल्वारेज और फ्रैंको मास्टैंटुओनो के दो-दो गोल की मदद से अर्जेंटीना ने एक मैत्री मैच में कोस्टा रिका को 7-0 से हरा दिया। कोस्टा रिका ने एक तिहाई से भी कम पजेशन पर कंट्रोल किया। टीम मुश्किल से अपने अटैकिंग थर्ड में घुस पाई। गेम शुरू होने के सिर्फ सात मिनट बाद, पाज ने पेनल्टी एरिया के किनारे पर एक रिबाउंड पर झपट्टा मारा और एक शानदार



फिनिश के साथ पहला गोल किया। गोल के बाद के मिनट पूरी तरह से लियोनेल स्कालोनी की टीम के कंट्रोल में थे, जिन्होंने मिडफील्डर्स के बीच बॉल को मूव किया और विंग्स से अटैक करने की कोशिश की। इसके बावजूद, कोस्टा रिका ने एक काउंटर-अटैक के बाद कप्तान एमिलियानो मार्टिनेज को एक शानदार सेव करने पर मजबूर कर दिया। बाद में, लगभग 30 मिनट के बाद, नेशनल टीम ने एक और अच्छा अटैकिंग खेल दिखाया। कुछ देर बाद, एन्जो फर्नांडीज की एक शानदार थ्रू बॉल और गिया के विंग से नीचे दौड़ने के बाद, जूलियन अल्वारेज को पास मिला और उन्होंने मैच का दूसरा गोल किया। फिर, पाज ने एक सोलो रन बनाया, एक डिफेंडर को पीछे छोड़ते हुए, अंदर कट करते हुए, और एक जोरदार शॉट मारा जो पैट्रिक सेक्वेरा को छकाते हुए टॉप कॉर्नर में चला गया। पहला हाफ 4-0 के साथ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ के तीन मिनट बाद, फ्रैंको मास्टैंटुओनो ने पास के पोस्ट पर गोलकीपर को पीछे छोड़ते हुए एक लो शॉट मारा, जिससे अर्जेंटीना के लिए उनका दूसरा और पांचवां गोल हुआ।
दूसरे हाफ के बीच में, नेशनल टीम ने बॉल पर कब्जा बनाए रखा और विंग्स से अटैक किया। इसके बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने पेनल्टी एरिया में दो डिफेंडरों को छकाते हुए छठा गोल किया। गेम के आखिर में, मास्टैंटुओनो ने फिर से गोल किया। गिउलिआनो शिमोन के साथ वन-टू के बाद, मिडफील्डर ने सटीकता से गोल करके 7-0 की जीत पक्की कर दी।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बनाई एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह, बेन शेल्टन को हराया

ट्यूरिन। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने राउंड-रॉबिन मुकाबले में बेन शेल्टन को हराकर साल 2026 के एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। जर्मन खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शेल्टन को 6-2, 7-6(4) से हराया। एक घंटे और 34 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। ज्वेरेव इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग टूर्नामेंट में नौवीं बार हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले, उन्होंने 2018 में



लंदन में और 2021 में ट्यूरिन में ट्रॉफी जीती थी। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, 2018, 2019, 2021 और 2024 के बाद यह पांचवीं बार है जब वह इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। शेल्टन, जो लगातार दूसरे साल इस सीजन-फिनाले में खेल रहे हैं, अब जॉन मैकेनरो ग्रुप में 1-1 की स्थिति में हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर फिल्स को हराकर एटीपी फाइनल्स में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब उनका ध्यान गुरुवार को राफेल जोडार के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर है।

फुटबॉल: भारत के खिलाफ मैच में फिलिस्तीन के खिलाड़ियों पर नस्लवाद का आरोप



नई दिल्ली। भारत ने मंगलवार को कुआलालंपुर में खेले गए एफसी अंडर-17 एशियन कप 2027 क्वालिफायर में फिलिस्तीन को 4-1 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे को नस्लभेदी व्यवहार का सामना करना पड़ा। घटना के कैमरे में रिकॉर्ड होने के बाद भी रेफरी ने कोई एक्शन नहीं लिया। मुकाबले में भारत और फिलिस्तीन दोनों टीमें क्वालिफाइंग ग्रुप में टॉप स्पॉट के लिए लड़ रही थीं। इस वजह से दोनों टीमें एक दूसरे पर हावी होने का प्रयास कर रही थीं। इस दौरान फिलिस्तीनी खिलाड़ी बार-बार भारतीय खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से चुनौती देने और परेशान करने की कोशिश कर रहे थे। विवाद तब बढ़ गया जब फिलिस्तीन के नंबर 19 खिलाड़ी को भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे के पास नाक पर पंखा झलते हुए देखा गया। इस हरकत को नस्लभेदी माना गया। लाइव ब्रॉडकास्ट में दिखने के बावजूद, मैच अधिकारियों ने इस घटना पर बिना किसी कार्रवाई के खेल जारी रहने दिया।
फिलिस्तीनी खिलाड़ी मोहम्मद जमहूर ने नौवें मिनट के आस-पास एक भारतीय खिलाड़ी को पीछे से दो बार लात मारी और फिर फुटबॉलर के जमीन पर गिरने के बाद उसके हाथ पर पैर पटक दिया। इस घटना के बाद रेफरी ने फिलिस्तीन के खिलाड़ी को रेड कार्ड दिया था। मैच के दौरान इन तनावपूर्ण क्षणों को बावजूद भारतीय टीम ने अपना धैर्य नहीं खोया और शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-1 के अंतर से जोरदार जीत हासिल की।

आईसीसी रैंकिंग: टॉम बैंटन ने लगाई लंबी छलांग

अर्शदीप को मिला न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम अर्शदीप सिंह को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है। वह 12 स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस हफ्ते गेंदबाजी रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुधार करने वाले खिलाड़ियों में अर्शदीप शामिल हैं। अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज राशिद खान 50 ओवर के फॉर्मेट में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी 15 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 12वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी काइल जैमीसन 15 स्थान ऊपर चढ़कर 45वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम बैंटन को भी ताजा रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। उन्होंने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में जीत दिलाने वाली शतकीय पारी खेली थी। बैंटन ने 99 गेंदों पर 121 रन बनाए, जो उनका दूसरा वनडे शतक था। उनकी इस पारी की मदद से इंग्लैंड ने सीरीज में बराबरी की और वह बल्लेबाजी रैंकिंग में 34 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके साथी खिलाड़ी जो रूट भी टॉप 10 में वापस आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में अर्धशतक लगाने के बाद रूट दो स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल वनडे में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं।



इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भी वनडे गेंदबाजों की टॉप 10 सूची में वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों में एक-एक विकेट लेने के बाद, वह चार स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर आ गए हैं। इस बीच, शारजाह में जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच खेली गई कड़े मुकाबले वाली टेस्ट सीरीज (जिसे जिम्बाब्वे ने 2-0 से जीता) के बाद, दोनों टीमों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी काफी सुधार हुआ है।
टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। उन्होंने दूसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में छह विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, जिससे वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 16वें नंबर पर आ गए हैं। स्पिनर ग्रीम क्रेमर भी छह स्थान की छलांग लगाकर 65वें नंबर पर आ गए हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के ओपनर इनोसेंट काइया 20 स्थान की छलांग लगाकर 50वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि अनुभवी ब्रेंडन टेलर 40 स्थान ऊपर चढ़कर 62वें नंबर पर आ गए हैं। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर नसीर मारूफखिल ने अपने टेस्ट डेब्यू में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच की पहली पारी में शतक लगाया और सात विकेट लिए। पुरुषों के टेस्ट क्रिकेट में ऐसा कारनामा करने वाले वह केवल चौथे खिलाड़ी बने।

खिलाड़ियों और स्टाफ के अनुभव गोपनीय रखे जाएंगे

सीए 'सैंडपेपरगेट कांड' एक फोरम बनाएगा

होबार्ट। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने घोषणा की है कि वह 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे में शामिल खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए एक इंडिपेंडेंट फोरम बनाएगा, ताकि वे अपनी गवाही दोबारा सुन सकें। बोर्ड ने कहा कि केपटाउन घटना की जांच दोबारा नहीं शुरू की जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन डेविड बून ने कहा, 'ध्यान से सोचने के बाद, सीए बोर्ड ने एक ऐसा फोरम बनाने का फैसला किया है जो 2018 में साउथ अफ्रीका की घटनाओं में शामिल खिलाड़ियों और स्टाफ को अपने अनुभव और नजरिए शेयर करने की इजाजत देगा।' उन्होंने कहा, 'हमारा मानना ??है कि यह खेल के सबसे अच्छे हित में है। लगभग एक दशक से, उन घटनाओं के नतीजे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के बारे में बातचीत का हिस्सा रहे हैं। यह कई लोगों के लिए एक मुश्किल चैप्टर रहा है और, तेजी से, चल रही बहस खेल से ध्यान भटकाने



वाली बन गई है। हमारा मानना ??है कि अब सर्किट ब्रेकर का समय आ गया है। यह फोरम अतीत पर फिर से बात करने के बारे में नहीं है। यह उन लोगों के लिए एक मौका बनाने के बारे में है जो एक सम्मानजनक माहौल में अपनी कहानियां सुनाना चाहते हैं, और हमारे खेल को सुनने के लिए।'
उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट तब सबसे मजबूत होता है जब वह एकजुट होता है। हम उन सभी के प्रति जिम्मेदार हैं जो खेल से प्यार करते हैं कि हम समझ, सम्मान और नजरिए के साथ एक साथ आगे बढ़ने की हर मुमकिन कोशिश करें। एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर, मैं जानता हू कि क्रिकेट हमें सबसे जरूरी चीजों में से एक देता है, वे रिश्ते जो हम बनाते हैं और वह दोस्ती जो खेल करियर खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है। मेरी उम्मीद है कि यह प्रक्रिया उन कनेक्शन को मजबूत करने में मदद कर सकता है और हमें आगे क्या होने वाला है, इस पर ध्यान देने दे सकता है।
' डेविड बून ने कहा, 'मैं सभी को प्रोत्साहित करूंगा कि वे इस प्रक्रिया को सम्मानपूर्वक और निजी तौर पर आगे बढ़ने दें। हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि खेल आगे भी बढ़ता रहे। '
क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, 'पिछले सप्ताह हमने 2018 में केपटाउन टेस्ट में जो हुआ उसके बारे में कई अलग-अलग बातें सुनी हैं। यह खेल और इससे जुड़े सभी लोगों के लिए बहुत मुश्किल और असहज समय रहा है।

स्मैट 2026: बंगाल ने झारखंड को 7 विकेट से हराया आंध्र-छत्तीसगढ़ और बिहार ने दर्ज की जीत

नई दिल्ली। सैयद मुश्ताक अली (स्मैट) एलीट 2026 में बुधवार को बंगाल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन झारखंड को 7 विकेट से हराया। वहीं, बिहार, आंध्र और छत्तीसगढ़ ने भी जीत दर्ज की। छत्तीसगढ़ बनाम ओडिशा : ग्रुप डी के मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोबोर्ड पर 228 रन लगाए। टीम की तरफ से कप्तान विकल्प तिवारी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 56 गेंदों का सामना करते हुए 119 रनों की दमदार पारी खेली। 229 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए ओडिशा की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 177 रन ही बना सकी। टीम की ओर से सर्वाधिक 57 रन कार्तिक बिस्वाल ने बनाए। आंध्र बनाम केरल : आंध्र ने ग्रुप सी के मुकाबले में केरल को 29 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए



आंध्र ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 225 रन बनाए। टीम की तरफ से सीरम वेंकट राहुल ने सर्वाधिक 64 रन बनाए, जबकि शेख रशीद ने 39 गेंदों में 60 रनों का योगदान दिया। इसके जवाब में केरल की टीम 5 विकेट खोकर 196 रन ही बना सकी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन
का की कू घ ङ
छ के को हा

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू डे डो

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह
मा मी मू मे मो
टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या
टो पा पी पू ष
ण ठ पे पो

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला
रा री रु रे रो
ता ती तू ते

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक
तो ना नी नू ने
नो य यी यू

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु
ये यो भा भी भू
धा फा ढा भे

व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर
मे जा जी खी खू
खे खो गा गी

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

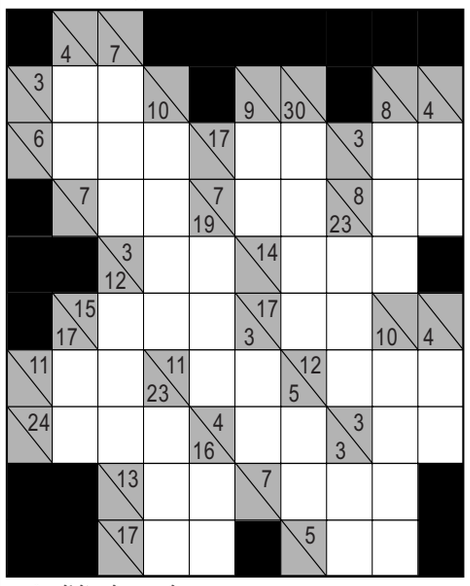
कुंभ
गू गे गो सा
सी सू से सो दा

किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन
दी दू थ झ ञ दे
दो चा ची

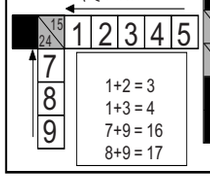
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 4072

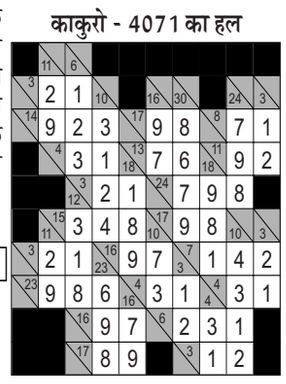


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4071 का हल



हंसी के फव्वारें

बबलू अपने मित्र को पिछले रविवार का हाल बता रहा था. 'छुट्टी के दिन सुबह ही से मैं अपने बगीचे में काम कर रहा था. अचानक वहां मुझे एक सिक्का मिल गया. मैंने उसे उठाकर अपनी जेब में रख लिया और दोबारा काम करने लगा. फिर मुझे एक सिक्का मिला,उसे भी मैंने जेब में डाल लिया और काम शुरू कर दिया. तकरीबन दस बार ऐसा ही हुआ.'

मित्र ने दिलचस्पी से पूछा,'क्यों, क्या कोई खजाना छिपा हुआ था वहां?'

बबलू ने बताया, 'नहीं यार, मेरी जेब फटी हुई थी.'

□ □ □

'अरे यार, आज सड़क पर इतने सारे पेपर क्यों पड़े हैं?'

'भई, ये नगर निगम के इश्तहार हैं. इनमें आम जनता से अपील की गयी है कि सड़कों पर गंदगी न फैलायें.'

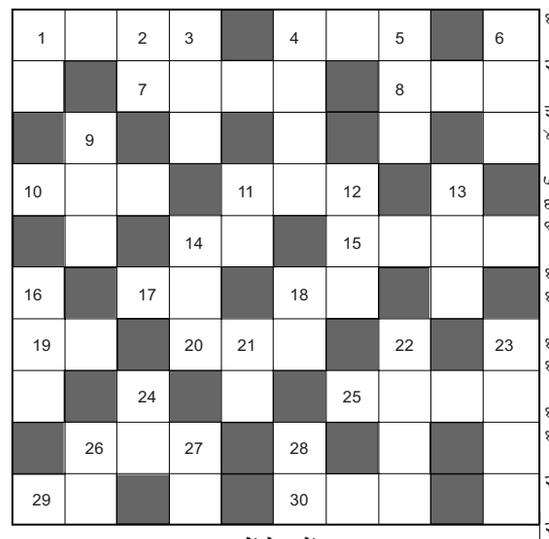
□ □ □

एक स्त्री अपने पति को झिड़ककर बोली,'हाय-हाय ! मेरी तो किस्मत ही फूट गयी, जो तुमसे विवाह हुआ. मुझे तुमसे अच्छे और ज्यादा अक्लमंद वर मिल रहे थे.'

पति बोला,'बेशक वे मुझसे ज्यादा अच्छे और अक्लमंद थे. तभी तो तुम्हारे चंगुल में नहीं फंसे.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4072



बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4071

दी	वा	ने		फू	ल	औ	र	कां	टे
वा		हा	सि	ल		जा		टे	
र	न		फ़ी		शे	र	नी		ञ्ज
	सी		तु	म			य	ती	म
ञ्ज	ब	न	म		स	पू	त		रू
त		गिं		जू		णिं		तू	
र		स	हे	ली		मा	ई	ल	व
ज	या		य		ज		मा		र
	य	ज	म	ह	ल		न		दा
ली	ना			म	वा	ली		डॉ	न

सूडोकु -4072

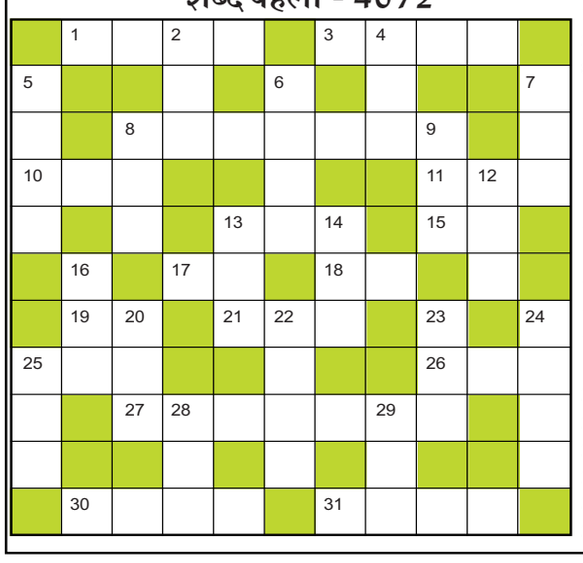
4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4071 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 4072



बाएँ से दाएँ

1. ईष्ट कृपा,वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा,बैर-3
11. जंगल,वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा,लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे

2. वलय,घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी,मदमस्त-4
7. यज्ञ,होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -4071 का हल

अ	मा	न	त			अ		बी	र	ब	ल
	ला			वा		म	हि	मा		ल	व
म				य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ			चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न			गै		ह	
ला	प	र	वा	ह			का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा			मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला	
जा			शा		ह	न	न				गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा		
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त	



एक्सरसाइज की शुरुआत करने में मदद करेंगे ये आसान टिप्स

हम सभी जानते हैं कि व्यायाम फिट रहने, आपकी ऊर्जा बढ़ाने, मोटापे से बचने और कई पुरानी जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। एक नियमित फिटनेस रूटीन आपको मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से बचने, नींद में सुधार करने में भी मदद कर सकती है।

यदि आप फिट और स्वस्थ रहना चाहते हैं तो नियमित व्यायाम आवश्यक है। इसका कोई विकल्प नहीं है। किसी भी एक्सरसाइज रूटीन को शुरू करने के बाद ही आपको लाभ दिखने लगेगा। लेकिन अधिकांश लोग एक्सरसाइज रूटीन की शुरुआत नहीं कर पाते हैं, यह करना काफी मुश्किल लगता है। हालांकि, अगर आपने अपना मन बना लिया है और दृढ़ संकल्प है, तो यह करना आसान है। लेकिन ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं, तमाम तरह की रूकावटें उन्हें ऐसा करने से रोकती हैं। आप हमेशा आलस्य महसूस करते हैं। अगर आप भी खुद को एक फिटनेस रूटीन बनाने के लिए प्रेरित नहीं कर पा रहे हैं तो हम आपकी मदद कर सकते हैं। यहां हम बिगिनर के लिए कुछ उपाय बता रहे हैं जो आपकी हेल्प कर सकते हैं।

अपने फिटनेस रूटीन को शुरू करने से पहले ध्यान रखने योग्य बातें

आप एक ऐसा फिटनेस रूटीन चुनें जो आपको इस पर बने रहने में मदद करे। अपने लक्ष्यों के बारे में यथार्थवादी बनें। यह बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, यदि आपको कोई स्वास्थ्य जटिलताएं हैं, तो पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करें। वह आपको एक अच्छी और सुरक्षित शुरुआत के लिए मार्गदर्शन करने में मदद करेंगे। धीमी शुरुआत करें और धीरे-धीरे तीव्रता की ओर बढ़ें। आजकल हर कोई व्यस्त जीवन जी रहा है। तो, 'समय' हमेशा एक समस्या है। व्यायाम के लिए एक समय निर्धारित करें और उससे चिपके रहें। यदि आप एक घंटे का प्रबंधन नहीं कर सकते हैं, तो इसे 30 या 15 मिनट करें। लेकिन इसे हर दिन करें।



एक बहुत ही सामान्य गलती जो बिगिनर करते हैं, वह यह है कि वे पहले दिन से ही तीव्र व्यायाम में जुट जाते हैं। इससे चोटों का खतरा बढ़ जाता है। बस याद रखें कि अधिक मात्रा में कुछ भी स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। यही हाल व्यायाम का भी है। आप खुद को एक दिन का अवकाश भी दे सकते हैं। इससे आपको अपने फिटनेस रूटीन में नए जोश के साथ आने में मदद मिलेगी।

बिगिनर के लिए फिटनेस रूटीन टिप्स

- दिन में बहुत सारा पानी पीएं। यह आपको डिहाइड्रेशन से बचने में मदद करता है। क्योंकि आप एक्सरसाइज के दौरान काफी पसीना बहाते हैं।
- स्वस्थ भोजन का सेवन करें। यह आपके फिटनेस रूटीन को सपोर्ट करेगा। उचित और अच्छी तरह से संतुलित भोजन लें, जिसमें फल और सब्जियां शामिल हों।
- अपने आहार में स्वस्थ काबर्स शामिल करें। यह मांसपेशियों की रिकवरी में सहायता करेगा और आपकी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाएगा।
- प्रोटीन का सेवन जरूर करें। ये मांसपेशियों की रिकवरी में भी मदद करते हैं। यह ऊतकों की तेजी से चिकित्सा और मांसपेशियों के निर्माण की सुविधा भी प्रदान करेगा।
- सभी वसा खराब नहीं हैं। स्वस्थ वसा वास्तव में आपको तेजी से वसा जलाने में मदद कर सकते हैं। यह ऊर्जा के स्तर को भी बढ़ाएगा और आपको लंबी अवधि तक काम करने में मदद करेगा।
- आपनी फिटनेस रूटीन से पहले वार्मअप करना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपको चोटों के जोखिम से बचने में मदद करेगा। यह शरीर को फ्लेक्सीबिलिटी प्रदान करेगा।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words



Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/



साई पल्लवी के सपोर्ट में उतरे धनुष

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में सीता का किरदार निभाने को लेकर साई पल्लवी लगातार चर्चा में हैं। फिल्म में उनकी कास्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। अब अभिनेता धनुष ने साई पल्लवी का समर्थन करते हुए उनकी जमकर तारीफ की है। उन्होंने साई की भक्ति, व्यक्तित्व और एक्टिंग की तारीफ करते हुए उनके सीता के किरदार को लेकर हो रही आलोचना पर सवाल उठाए हैं। दरअसल, धनुष और साई पल्लवी जल्द ही फिल्म 'ओम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों करीब नौ साल बाद साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने फिल्म 'मारी 2' में साथ काम किया था। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान धनुष ने साई पल्लवी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया और उनकी तारीफ की।

इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें धनुष साई पल्लवी के सीता बनने को लेकर हो रही चर्चाओं पर बात करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि साई के किरदार को लेकर इतना शोर क्यों मचाया जा रहा है। धनुष ने बताया कि शूटिंग के दौरान भी साई ब्रेक के समय लगातार भगवान की प्रार्थना किया करती थीं। धनुष ने कहा, 'उनके सीता के किरदार को लेकर इतनी बातें और चर्चाएं हो रही हैं। मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों है। शूटिंग के दौरान शॉट्स के बीच मिलने वाले ब्रेक में भी वह लगातार प्रार्थना करती रहती थीं। अगर आप पूरे भारत में भी तलाश करेंगे, तो आपको उनके जैसी दूसरी सीता नहीं मिलेगी। वह भगवान के प्रति गहरी आस्था रखने वाली और बेहद साफ दिल की इंसान हैं। वह बेहद खूबसूरत हैं और एक शानदार कलाकार भी हैं।'

नौ साल में साई पल्लवी में आया बड़ा बदलाव

धनुष ने साई पल्लवी के साथ अपनी पहली फिल्म 'मारी 2' को भी याद किया। उन्होंने बताया कि उस समय साई काफी शांत स्वभाव की थीं और बहुत कम बोलती थीं। वह कुछ भी कहने से पहले काफी सोचती थीं। हालांकि, नौ साल बाद फिल्म 'ओम' के सेट पर उनसे दोबारा मिलकर धनुष उनके बदले हुए अंदाज को देखकर हैरान रह गए। उन्होंने कहा, 'जब मैं पहली बार 'मारी 2' के दौरान साई पल्लवी से मिला था, तब वह बहुत मासूम थीं और काफी कम बोलती थीं। कुछ भी कहने से पहले सोचती थीं और बात करने में भी हिचकिचाती थीं। लेकिन नौ साल बाद इस फिल्म के सेट पर उनसे मिला, तो वह पूरी तरह बदली हुई नजर आईं। वह सिनेमा की कला में पूरी तरह माहिर हो चुकी थीं। उनके बोलने के अंदाज, चलने के तरीके और एक्सप्रेशंस में एक अलग ही आत्मविश्वास और ठहराव दिखाई दे रहा था। यह देखकर मैं हैरान रह गया।'

मुश्किल किरदार को साई ने हिम्मत के साथ निभाया

धनुष ने अपनी आने वाली फिल्म 'ओम' में साई पल्लवी के काम की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि फिल्म में उनका किरदार निभाना आसान नहीं था, लेकिन साई ने इसे पूरी हिम्मत के साथ स्वीकार किया और शानदार अभिनय किया। धनुष के मुताबिक, 'इस किरदार को निभाना बिल्कुल आसान नहीं है। साई पल्लवी ने इसे बहुत हिम्मत और साहस के साथ स्वीकार किया और शानदार परफॉर्मेंस दी।'

'ओम' में साई पल्लवी ने निभाया ये किरदार

बता दें कि फिल्म 'ओम' में धनुष और साई पल्लवी एक बार फिर साथ नजर आएंगे। फिल्म में ममूटी भी अहम भूमिका में हैं। साई पल्लवी फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की सीबीआई अधिकारी का किरदार निभा रही हैं, जो लाल चंदन की अवैध तस्करी के मामले की जांच करती हैं। वहीं, नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम, यश रावण, रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल भगवान हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुआ था, जबकि इसका दूसरा पार्ट 2028 में रिलीज होने वाला है।





आवारा पागल दीवाना 2 पर बोले सुनील शेट्टी

साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारा पागल दीवाना' का सीक्वल बनने जा रहा है। अभिनेता सुनील शेट्टी ने फैंस को यह खुशखबरी दी है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है।

सुनील शेट्टी ने हाल ही में बातचीत में फिल्म 'आवारा पागल दीवाना 2' के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है, इस पर काम जारी है।' इस पर उनसे सवाल हुआ कि क्या इसकी शूटिंग अगले साल शुरू हो सकती है? इसके जवाब में शेट्टी ने कहा कि हां ऐसा हो सकता है।

सफलता से खुश हैं अभिनेता

इस बातचीत में आगे सुनील शेट्टी ने 2026 के प्रोजेक्ट्स पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने बॉर्डर 2 में भी काम किया है। मैं उसमें सिर्फ एक सीन में था, लेकिन मैं इसे एक सफलता मानता हूं क्योंकि आखिरकार यह हमारी फ्रेंचाइज बन गई है। जिस तरह से चीजें आगे बढ़ रही हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं। साथ ही, भारत के सुपर फाउंडर्स के पहले सीजन की सफलता से भी मुझे बहुत खुशी है।'

साल 2002 में रिलीज हुई आवारा पागल दीवाना का निर्माण फिरोज नाडियाडवाला ने किया था और फिल्म को सारे किरदार काफी मजेदार थे। सुनील शेट्टी के अलावा, इस एक्शन – कॉमेडी में अक्षय कुमार, आफताब शिवदासानी, परेश रावल, अमृता अरोरा, आरती छाबड़िया, प्रीति झंगियानी, सुप्रिया पिलगांवकर, ओम पुरी, जॉनी लीवर और राहुल देव ने अभिनय किया था। इतने सारे लोकप्रिय कलाकारों के एक साथ आने से फिल्म में भरपूर कॉमेडी और एक्शन देखने को मिला था।



जॉन डो से ड्रीम डेब्यू कर भावुक हुईं सृष्टि सिंह

अभिनेत्री सृष्टि सिंह ने 13 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म 'जॉन डो' के साथ अपना 'ड्रीम डेब्यू' किया है। तमिल फिल्म उद्योग में अपने पहले कदम को लेकर उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके दिल में हमेशा एक खास जगह बनाए रखेगा। अपनी पहली फिल्म के दर्शकों तक पहुंचने पर खुशी जाहिर करते हुए सृष्टि ने इस अनुभव को बेहद अविश्वसनीय बताया। उन्होंने कहा, 'किसी ऐसी यात्रा को बड़े पर्दे पर जीवंत होते देखना, जिसकी शुरुआत कई अनिश्चितताओं के साथ हुई थी, अपने आप में बेहद खास एहसास है। मुझे दर्शकों से मिल रहे प्यार, प्रोत्साहन और सराहना से बेहद खुशी हो रही है। लोगों को फिल्म से जुड़ते और इसे इतना स्नेह देते देख जो एहसास हो रहा है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है।' सृष्टि ने उन सभी लोगों का आभार भी व्यक्त किया जिन्होंने उनके सपने को साकार करने का अवसर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं निर्देशक मधुमिता, निर्माताओं और अपने सह-कलाकारों की बेहद आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर को खास बनाया। मैं विशेष रूप से अर्का मीडिया वर्क्स और खासकर प्रसाद गरु, शोबू गरु, किशोर और सौम्या का



धन्यवाद करना चाहती हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे यह अवसर दिया। उनके विश्वास ने ही यह सब संभव बनाया और मैं इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी।' उन्होंने कहा, 'मैं अपनी अभिनय प्रशिक्षक कलई रानी का भी धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने एक कलाकार के रूप में मेरा मार्गदर्शन किया। साथ ही मेरी तमिल भाषा प्रशिक्षक माधुरी मैम का भी आभार, जिन्होंने मुझे एक नई भाषा को समझने और इस अनुभव को आत्मविश्वास के साथ अपनाने में मदद की। इस यात्रा को सफल बनाने में हर व्यक्ति का योगदान रहा है। मैं इससे बेहतर शुरुआत की कल्पना नहीं कर सकती थी और 'जॉन डो' हमेशा मेरे दिल के बेहद करीब रहेगी।' अर्का मीडिया वर्क्स के बैनर तले निर्मित इस ड्रामा फिल्म में अर्जुन दास, संचना नटराजन और सृष्टि सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा जारा विनीत, नीरव एस, बडावा गोपी, कार्तिक कुमार, अनुपमा कुमार और अर्चना चंदोके भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।



प्यार का प्रेशर कुकर शो होस्ट करेंगी शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी रिलेशनशिप रियलिटी शो 'प्यार का प्रेशर कुकर' को होस्ट करने जा रही हैं। शो के मेकर्स के अनुसार, यह शो ऐसे कपल्स को एक साथ लाएगा जो अपने रिश्तों में किसी मोड़ पर आकर फंस गए हैं। एक ही घर में रहने के दौरान, प्रतिभागियों को उन सवालों के जवाब देने होंगे जिनसे वे अब तक बचते आ रहे हैं। इस प्रक्रिया में उनके माता-पिता भी शामिल होंगे, जो उन्हें एक जरूरी 'रियलिटी चेक' देंगे, ताकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके और सच सामने आ सके।

शो के बारे में बात करते हुए शिल्पा ने कहा, 'आजकल रिश्तों में कई नए शब्द जुड़ गए हैं, जैसे 'सिचुएशनशिप', 'ब्रेडक्रंबिंग' और 'बेचिंग'। इस सब के बीच असल स्पष्टता कहीं खो गई है। चाहे रिश्ता नया हो या वर्षों से चला आ रहा कोई पुराना रिश्ता, एक ऐसा मोड़ जरूर आता है, जब किसी को सही और जरूरी सवाल पूछने ही पड़ते हैं। 'प्यार का प्रेशर कुकर' की जो बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है, वह है रियलिटी फॉर्मेट पर इसका एक नया नजरिया।'

अपनी बात कहने के लिए प्रेरित करता है शो

शिल्पा ने आगे कहा 'यह भारत का पहला ऐसा रिलेशनशिप शो है, जहां माता-पिता प्रतिभागियों को 'रियलिटी चेक' देते हैं। यह शो कपल्स के साथ-साथ उनके माता-पिता के लिए भी काफी दिलचस्प है, जो यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि असल में क्या चल रहा है। यह एक ऐसा शो है जो लोगों को वह बात कहने के लिए प्रेरित करता है जो वे वास्तव में कहना चाहते हैं। मैं इसे होस्ट करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।' यह शो जल्द ही जियो हॉटस्टार और कलर्स पर आएगा।

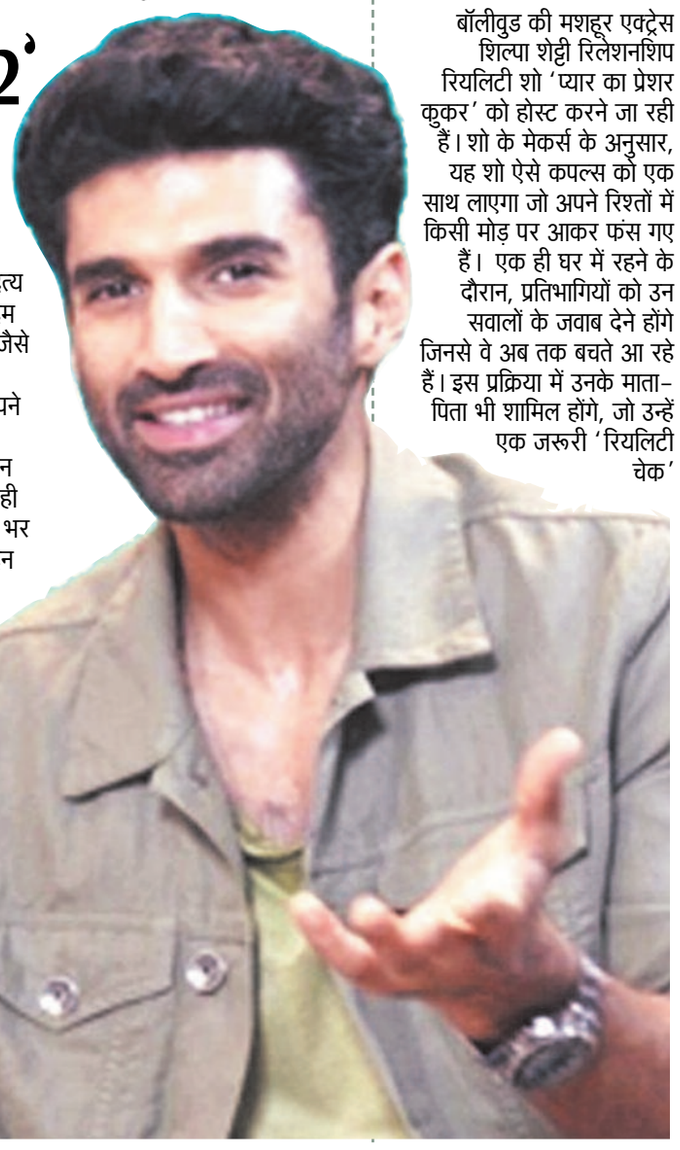
सलमान-अजय के साथ किया डेब्यू, 'आशिकी 2' ने आदित्य रॉय कपूर को दिलाई असली पहचान

अपनी शानदार पर्सनैलिटी, दमदार आवाज और सहज अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले आदित्य रॉय कपूर आज लाखों लड़कियों के दिलों पर राज करते हैं। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि आदित्य कभी अभिनेता बनना ही नहीं चाहते थे। उनका सपना तो एक प्रोफेशनल क्रिकेटर बनने का था लेकिन किस्मत उन्हें क्रिकेट के मैदान से उठाकर फिल्मों की दुनिया में ले आई। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत सलमान खान और अजय देवगन जैसे सुपरस्टार्स के साथ फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' से की थी लेकिन उन्हें असली पहचान 'आशिकी 2' से मिली। आदित्य रॉय कपूर का जन्म 16 नवंबर 1985 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही फिल्मी दुनिया से जुड़ा हुआ था। उनके दादा रघुपत रॉय कपूर 1940 के दशक में फिल्म निर्माता थे। वहीं, उनके बड़े भाई सिद्धार्थ रॉय कपूर बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म निर्माता हैं। उनकी शादी अभिनेत्री विद्या बालन से हुई है। आदित्य के दूसरे बड़े भाई कुणाल रॉय कपूर भी अभिनेता हैं। आदित्य की मां सलोमी रॉय कपूर (सलोमी आरोन) पूर्व मिस इंडिया और कोरियोग्राफर रह चुकी हैं। ऐसे में उनके परिवार का मनोरंजन जगत से पुराना नाता रहा है। इसके बावजूद आदित्य ने कभी बचपन से अभिनेता बनने का सपना नहीं देखा था। आदित्य को बचपन से ही क्रिकेट खेलने का बहुत शौक था। वह एक प्रोफेशनल क्रिकेटर बनना चाहते थे और इसके लिए उन्होंने क्रिकेट की कोचिंग भी ली थी। हालांकि, छठी कक्षा के बाद उन्होंने कोचिंग छोड़ दी।

फिल्मों में आने से पहले आदित्य ने बतौर वीडियो जॉकी अपने करियर की शुरुआत की थी। उनके मजाकिया अंदाज, बेबाक बातचीत और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। 'पकाऊ' और 'इंडियाज हॉटेस्ट' जैसे शो के जरिए वह युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो गए थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात फिल्मी दुनिया के लोगों से होने लगी और धीरे-धीरे उनके लिए फिल्मों के दरवाजे खुलने लगे। आदित्य ने साल 2009 में फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में सलमान खान और अजय देवगन जैसे बड़े सितारे मुख्य भूमिकाओं में थे। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि आदित्य ने यह फिल्म बड़ा अभिनेता बनने के सपने के साथ साइन नहीं की थी।

एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि फिल्म की शूटिंग लंदन में होनी थी और उन्हें वहां घूमने का मौका मिल रहा था। यही बात उन्हें इतनी पसंद आई कि उन्होंने फिल्म के लिए हामी भर दी। उस समय उनके लिए अभिनय से ज्यादा आकर्षण लंदन घूमने और गिटार बजाने का था। इसके बाद वह 'एक्शन रिप्ले' और 'गुजारिश' जैसी फिल्मों में भी नजर आए। हालांकि, इन फिल्मों से उन्हें वह पहचान नहीं मिली, जिसकी एक अभिनेता को तलाश होती है।

आदित्य रॉय कपूर की जिंदगी में सबसे बड़ा बदलाव साल 2013 में आया, जब मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'आशिकी 2' रिलीज हुई। इस फिल्म में उन्होंने श्रद्धा कपूर के साथ मुख्य भूमिका निभाई। आदित्य ने फिल्म में राहुल जयकर नाम के एक ऐसे गायक का किरदार निभाया, जिसकी जिंदगी प्यार, दर्द और संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म की कहानी और गानों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। वहीं, आदित्य और श्रद्धा की केमिस्ट्री भी खूब पसंद की गई।



संक्षिप्त समाचार

लंदन में भिड़े बांग्लादेशी: शेख हसीना समर्थकों और एनसीपी कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प, कई गंभीर घायल

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों की लड़ाई अब देश की सरहदों को भी पार कर गई है। दरअसल सोमवार को बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना और एनसीपी नेता नाहिद इस्लाम के समर्थकों में लंदन में हिंसक झड़प हो गई। इस झड़प में कई लोग घायल हुए हैं और चार घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नाहिद इस्लाम इन दिनों लंदन के दौरे पर हैं, जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में पार्टी समर्थकों को संबोधित करेंगे। सोमवार शाम को लंदन के मेफेयर वेन्यू में भी नाहिद इस्लाम की पार्टी का कार्यक्रम था। एनसीपी ने फेसबुक पर साझा एक पोस्ट में बताया कि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के समर्थक भी वेन्यू के बाहर इकट्ठा हो गए और एनसीपी के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। एनसीपी का आरोप है कि अवामी लीग के समर्थकों ने एनसीपी समर्थकों पर हमला किया, जिसके बाद दोनों तरफ से हिंसक झड़प शुरू हो गई।

घंटों टीवी देखते हैं तो सावधान! किडनी को पहुंच सकता बड़ा नुकसान, डायबिटीज मरीजों के लिए खतरा ज्यादा

लंदन, एजेंसी। खाली समय में टीवी देखना भले ही मनोरंजन का आसान तरीका हो, लेकिन घंटों तक स्क्रीन के सामने बैठे रहने की आदत आपकी किडनी की सेहत पर भारी पड़ सकती है। क्योंकि लंबे समय तक टीवी देखने की आदत सिर्फ आंखों और वजन पर ही असर नहीं डालती, बल्कि इसका संबंध किडनी की सेहत से भी हो सकता है। मेडिकल जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग रोजाना अधिक समय टीवी देखने में बिताते हैं, उनमें किडनी की कार्यक्षमता तेजी से घटने का जोखिम अधिक हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया, जापान, ब्रिटेन समेत कई देशों के वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की सेहत के बीच संबंधों का विश्लेषण किया। करीब 12 वर्षों तक प्रतिभागियों की किडनी की कार्यक्षमता में होने वाले बदलावों पर नजर रखी गई। इसमें अधिक समय तक टीवी देखने वाले लोगों में किडनी की कार्यक्षमता में गिरावट का संबंध सामने आया। अध्ययन में सबसे अहम बात यह सामने आई कि टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की कार्यक्षमता घटने के बीच संबंध अधिक मजबूत पाया गया। दरअसल, डायबिटीज का असर केवल ब्लड शुगर तक सीमित नहीं रहता। लंबे समय तक रक्त में शुगर का स्तर बढ़ा रहने से किडनी की छोटी रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। इससे किडनी की खून को छानने और शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकालने की क्षमता धीरे-धीरे प्रभावित होने लगती है। ऐसे में डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए शारीरिक गतिविधि बनाए रखना और लंबे समय तक लगातार बैठे रहने से बचना बेहद जरूरी है। रिसर्च के मुताबिक, लंबे समय तक टीवी देखने का मतलब अक्सर लगातार बैठे रहना है। शारीरिक गतिविधि कम होने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

देश में विमानों की भारी कमी, 1000 और नए विमान खरीदने की तैयारी में भारत: पीयूष गोयल

काहिरा , एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत में नागरिक विमानों की भारी कमी है और हवाई यातायात की मांग पूरी करने के लिए 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने की तैयारी है। गोयल ने यह भी कहा कि विमानों की जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से लगातार संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमें हवाई संपर्क बढ़ाने की जरूरत है। जैसे-जैसे हमें और विमान मिलेंगे, हमें विश्वास है कि हम मिस्र के लिए और अधिक उड़ानें शुरू कर सकेंगे। गोयल भारत और मिस्र के बीच व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। फिलहाल इजिप्टएयर भारत और मिस्र के बीच सीधी उड़ानों का संचालन करती है। गोयल के मुताबिक, भारत फिलहाल विमानों की भारी कमी का सामना कर रहा है। गोयल ने कहा, हम 1,200 से अधिक विमानों का ऑर्डर दे चुके हैं और 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने को तैयार हैं। हमारी जरूरतें पूरी करने के लिए हमें 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है। इसलिए हम जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से संपर्क कर रहे हैं। इस बीच, गोयल ने सोमवार को मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबूली से मुलाकात की।

विटामिन बी12 में बड़ी ताकत... लाइलाज बीमारी से मिल सकती राहत

लंदन, एजेंसी। अक्सर थकान या कमजोरी दूर करने के लिए लिया जाने वाला साधारण सा विटामिन बी12 अब एक बेहद गंभीर और दुर्लभ बीमारी के इलाज में उम्मीद की नई किरण बनकर उभरा है। वैज्ञानिकों की एक ताजा रिसर्च में सामने आया है कि यह विटामिन वेरहेइज सिंड्रोम जैसी लाइलाज मानी जाने वाली आनुवंशिक बीमारी से होने वाली शारीरिक कमियों को काफी हद तक ठीक कर सकता है।



साइंसडेली वेबसाइट पर प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, वैज्ञानिकों ने पाया है कि विटामिन बी12 ने वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़े आनुवंशिक उत्परिवर्तन वाले कृमियों में विकासात्मक असामान्यताओं को काफी हद तक ठीक कर दिया है। वेरहेइज सिंड्रोम एक दुर्लभ विकार है जो विकास संबंधी समस्याओं और विकास में देरी का कारण बनता है। मानव रोगियों में भी इसी तरह के चयापचय परिवर्तन देखे गए, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि यह सामान्य विटामिन दुर्लभ आनुवंशिक रोगों के लिए नए उपचारों को प्रेरित कर सकता है।

विटामिन बी12 से जुड़ी एक आश्चर्यजनक खोज दुर्लभ आनुवंशिक विकारों को समझने और संभावित रूप से उनका इलाज करने के लिए नए रास्ते खोल सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह विटामिन वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़े आनुवंशिक उत्परिवर्तन वाले छोटे कृमियों में विकासात्मक समस्याओं को ठीक कर सकता है। वेरहेइज सिंड्रोम एक दुर्लभ मानव स्थिति है जो विकास में देरी, बाधित वृद्धि और बौनेपन का कारण बनती है। वेबसाइट के अनुसार, ये निष्कर्ष आरएनए स्प्लिसिंग नामक एक कोशिकीय प्रक्रिया पर केंद्रित हैं, जो कोशिकाओं द्वारा प्रोटीन उत्पादन के लिए उपयोग किए जाने वाले आनुवंशिक निर्देशों को तैयार करने में मदद करती है। स्प्लिसिंग के दौरान, मैसेंजर आरएनए के अनावश्यक हिस्सों को हटा दिया जाता है, और शेष भागों को सही क्रम में एक साथ जोड़ा जाता है। जब यह प्रक्रिया गलत हो जाती है, तो यह आवश्यक कोशिकीय कार्यों को बाधित कर सकती है और गंभीर विकासात्मक विकारों में योगदान कर सकती है। स्प्लिसिंग के लिए जिम्मेदार जीनों में उत्परिवर्तन से वेरहेइज सिंड्रोम जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इन आनुवंशिक परिवर्तनों के प्रभावों को बेहतर ढंग से समझने के लिए, वैज्ञानिकों ने एक प्रयोगशाला मॉडल में यह अध्ययन किया कि एक संबंधित उत्परिवर्तन वृद्धि और चयापचय को कैसे प्रभावित करता है। विटामिन बी12 कृमियों में विकासात्मक दोषों को उलट देता है यह खोज सी. एलिगेंस नामक एक छोटे गोलकृमि पर किए गए प्रयोगों से सामने आई, जिसका उपयोग आमतौर पर जैविक अनुसंधान में किया जाता है। शोधकर्ता शुरू में जीवनकाल को प्रभावित करने वाले अज्ञात जीनों की खोज कर रहे थे, जब उन्होंने आरएनए स्प्लिसिंग में शामिल एक जीन में उत्परिवर्तन की जांच शुरू की। यही जीन मनुष्यों में वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़ा है। उत्परिवर्तन वाले कृमियों में मानव विकार के महत्वपूर्ण लक्षणों से मिलती-जुलती समस्याएं विकसित हुईं। उनकी वृद्धि काफी धीमी हो गई और वे सामान्य से छोटे रह गए। यह पता लगाने के लिए कि ऐसा क्यों हुआ, वैज्ञानिकों ने आनुवंशिक जांच की और कृमियों के चयापचय का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि उत्परिवर्तन ने विशिष्ट चयापचय मार्गों को बाधित कर दिया जो विटामिन बी12 पर निर्भर करते हैं और स्वस्थ विकास और सामान्य कोशिकीय गतिविधि के लिए आवश्यक हैं। इसके बाद शोधकर्ताओं ने परीक्षण किया कि क्या अतिरिक्त विटामिन बी12 प्रदान करने से इन परिवर्तनों को प्रतिकारा जा सकता है। वेबसाइट के अनुसार, इस इलाज से प्रभावित मेटाबॉलिक प्रक्रियाएं सामान्य हो गईं और म्यूटेशन से जुड़ी विकासात्मक असामान्यताएं भी ठीक हो गईं। इस अध्ययन के पहले लेखक जोनाथन कोल्शबैक कहते हैं, हमें यह देखकर हैरानी हुई कि आरएनए प्रोसेसिंग की एक बुनियादी प्रक्रिया में बदलाव का, विटामिन बी12 पर निर्भर मेटाबॉलिज्म पर इतना सटीक असर पड़ा। वेबसाइट के अनुसार, जोनाथन कोल्शबैक ने आगे कहा, सबसे रोमांचक बात यह थी कि हम विटामिन बी12 का इस्तेमाल करके, वर्म मॉडल (कीड़ों के मॉडल) में इस बदलाव के नतीजों को काफी हद तक ठीक करने में कामयाब रहे। यह जानने के लिए कि क्या उनके निष्कर्ष इंसानों पर भी लागू हो सकते हैं, शोधकर्ताओं ने मानव कोशिकाओं से जुड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटासेट की जांच की। उन्होंने कोलोन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के न्यूरो-पीडियाट्रिशियन होर्मोस डफसारी के साथ मिलकर, वेरहेइज सिंड्रोम से पीड़ित मरीजों के रक्त के नमूने भी एकत्र किए।

यूक्रेन शांति वार्ता: बातचीत में प्रगति पर क्या बोले ट्रंप के दामाद कुशनर, भविष्य के तीन आधारों में क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद और यूक्रेन-रूस जंग के बीच शांति बहाली के लिए नियुक्त विशेष दूत-जेरेड कुशनर ने कहा है कि उनका देश रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में प्रगति कर रहा है। उन्होंने यूक्रेन के भविष्य के लिए तीन प्रमुख आधारों का जिक्र कर इसे वार्ता और शांति बहाली की रूपरेखा बताया। तीन बिंदुओं में विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी, यूरोपीय संघ (ईयू) की सदस्यता का मार्ग और युद्ध खत्म होने के बाद व्यापक आर्थिक समृद्धि योजना शामिल है।

सोमवार को कुशनर ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्थायी शांति बहाल करने का दृढ़ संकल्प लिया है। बकौल कुशनर, अमेरिका युद्ध और इससे होने वाली मानवीय पीड़ा को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि कुशनर ने अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ रूसी खेमे से बातचीत के बाद ये बयान दिया। रूस की तरफ से अमेरिका से बात करने वाले लोगों में राष्ट्रपति पुतिन के सहायक यूरी उषाकोव शामिल हैं। दोनों पक्षों के बीच शांति प्रक्रिया में प्रगति पर चर्चा हुई।

शांति वार्ता के मुख्य आधार क्या हैं : कुशनर ने यूक्रेन के लिए तीन आवश्यक आधार बताए हैं। पहला, भविष्य के आक्रमण से यूक्रेन की रक्षा के लिए मजबूत और विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी। दूसरा, यूरोप में यूक्रेन के दीर्घकालिक भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ की सदस्यता का मार्ग। तीसरा, यूरोपीय साझेदारों, विश्व बैंक और अन्य के साथ विकसित एक व्यापक युद्धोपरांत समृद्धि योजना। यह योजना यूक्रेन की वित्तीय स्थिरता, पुनर्निर्माण, निवेश और दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि का समर्थन करेगी। कुशनर ने जोर दिया कि कोई भी अंतिम शांति समझौता रूस और यूक्रेन दोनों की सहमति से ही होगा।

कूटनीतिक प्रयासों में कौन शामिल हैं : कुशनर ने यूक्रेन और यूरोपीय साझेदारों के साथ एक उपयोगी बातचीत भी की। इसमें जर्मनी, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, पोलैंड और इटली के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल थे। यूरोपीय संघ (ईयू) और नाटो के प्रतिनिधि भी इस बातचीत में मौजूद थे। उन्होंने यूरोप और रूस के बीच सीधी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने पर चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि नाटो यूरोपीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण आधार बना रहेगा। दूसरी तरफ यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि यूक्रेनी, अमेरिकी और यूरोपीय वार्ता दलों के बीच एक और दौर की चर्चा हुई है। युद्ध के सम्मानजनक अंत और यूक्रेन के लिए गारंटीशुदा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजनयिक प्रयास सक्रिय रूप से जारी हैं।

अमेरिका के प्रमुख बैंकों में आई भारी तकनीकी खराबी: ठप हुईं ऑनलाइन सेवाएं, चेक डिपॉजिट और पेमेंट अटके

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब कई बड़े बैंकों की ऑनलाइन और डिजिटल सेवाएं अचानक ठप हो गईं। आउटेज ट्रैकिंग वेबसाइट डाउनडिटेक्टर डॉट कॉम के अनुसार बैंक ऑफ अमेरिका, जेपीमॉर्गन चेस, यूएस बैंक, कैपिटल वन, ट्रुइस्ट और वेल्स फार्गो जैसे प्रमुख बैंकों के ग्राहकों ने अपने खातों तक पहुंच न मिलने और लेन-देन अटकने की व्यापक शिकायतें दर्ज कराईं।

चेस बैंक के 4,800 से ज्यादा ग्राहकों ने की शिकायत, सिस्टम डाउन का मिला संदेश : सोमवार सुबह से शुरू हुई यह समस्या दोपहर तक और गंभीर हो गई। पूर्वी समय के अनुसार दोपहर 2 बजे तक अकेले जेपीमॉर्गन चेस बैंक के 4,800 से अधिक उपयोगकर्ताओं ने सेवाएं बाधित होने की रिपोर्ट दर्ज कराई, जो सभी बैंकों में सबसे अधिक थी। चेस बैंक के कई ग्राहकों को मोबाइल और ऑनलाइन पोर्टल पर संदेश मिला कि कुछ सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं, हम इन्हें ठीक कर रहे हैं, कृपया बाद में प्रयास करें। डलास (टेक्सास) में एक ग्राहक जब शाखा में चेक जमा करने गया, तो बैंक कर्मचारी ने बिना कोई विस्तृत विवरण दिए केवल इतना कहा कि सिस्टम डाउन है।

साइबर हमला नहीं, केवल तकनीकी गड़बड़ी: चेस और यूएस बैंक का स्पष्टीकरण : बैंकिंग सेवाओं के अचानक ठप होने से साइबर हमले की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन चेस बैंक के प्रवक्ता ने सोमवार को स्पष्ट किया कि यह समस्या किसी साइबर हमले के कारण नहीं बल्कि एक तकनीकी बग के कारण आई है। प्रवक्ता ने कहा कि कुछ लेन-देन पूरा होने में सामान्य से अधिक समय लग रहा है, लेकिन ग्राहकों की अपने खातों और फंड तक पहुंच बनी हुई है। वहीं, यूएस बैंक के प्रवक्ता ने भी कहा कि उनके अपने सिस्टम सीधे तौर पर प्रभावित नहीं हुए हैं, लेकिन अन्य वित्तीय संस्थानों की प्रणाली में आई खराबी के कारण जेल पेमेंट भेजने या प्राप्त करने में देरी हो सकती है। डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म जेल का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों ने भी सेवाएं ठप होने की शिकायत की।

वॉशिंगटन में ट्रंप के अफसरों पर डर्टी बम हमले की साजिश?: अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का दावा; व्हाइट हाउस सतर्क

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की खुफिया एजेंसियों को नई जानकारी मिली है, जिसके मुताबिक ईरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए वॉशिंगटन डीसी में डर्टी बम या रासायनिक हथियार से हमले के विकल्पों पर विचार कर रहा है। अमेरिकी मीडिया सीएनएन की रिपोर्ट में सात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह दावा किया गया है। इस जानकारी के सामने आने के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले सप्ताह से संभावित हमले से निपटने के लिए आकस्मिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि, अमेरिकी व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि फिलहाल देश के भीतर किसी विश्वसनीय खतरे की जानकारी नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता लॉरेन बिस ने कहा कि प्रशासन सभी संभावित खतरों पर



लगातार नजर रख रहा है।

डर्टी बम हमले की आशंका, अमेरिकी एजेंसियां सतर्क : सीएनएन के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी में ईरान की ओर से संभावित ठिकानों और निशाने पर रखे जाने वाले लोगों का जिक्र है। इस मामले को लेकर हाल के दिनों में कई उच्चस्तरीय बैठकें भी हुई हैं। इनमें चर्चा की गई कि अगर ईरान अमेरिका के भीतर किसी असामान्य हथियार से हमला करता है तो उससे कैसे निपटा जाएगा।

एक अमेरिकी अधिकारी ने इन तैयारियों को एहतियाती कदम बताया। वहीं, एक अन्य अधिकारी के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों के बीच इस बात पर अभी भी चर्चा जारी है कि ईरान के पास ऐसी कार्रवाई करने की क्षमता और इरादा है या नहीं।

क्या होता है डर्टी बम, परमाणु बम से कितना अलग : डर्टी बम ऐसा विस्फोटक उपकरण होता है, जिसमें पारंपरिक विस्फोटक के साथ रेडियोधर्मी पदार्थ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर परमाणु विस्फोट करना नहीं, बल्कि विस्फोट के जरिए रेडियोधर्मी पदार्थ फैलाकर दहशत और प्रदूषण पैदा करना होता है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि परमाणु हथियार बनाने की तुलना में डर्टी बम तैयार करना आसान हो सकता है। सीएनएन से बातचीत में एक अधिकारी ने कहा कि इस तरह का कोई भी हथियार आतंक फैलाने का माध्यम है, न कि सटीक हमले का। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ईरान से जुड़े संभावित खतरों के कारण अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को एहतियात के तौर पर सैन्य आवास में स्थानांतरित कर दिया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां पहले भी ईरान की ओर से मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने की कथित कोशिशों की जांच करती रही हैं। ईरान ने रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े आरोपों को सिरे से खारिज किया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन के प्रवक्ता ने कहा कि उनका देश किसी भी परिस्थिति में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल को पूरी तरह अवैध मानता है। उन्होंने इन आरोपों को झूठा और मनगढ़ंत बताया।

तीन देशों में गोपनीय अभियान: इस्राइल ने 40 साल तक खोजा अपना पायलट, ईरानी जनरल का अपहरण कर की हत्या

इस्राइल, एजेंसी। इस्राइल ने करीब चार दशक पहले लापता हुए अपने एक पायलट को खोजने के लिए लेबनान, सीरिया और ईरान तक खुफिया अभियानों का जाल फैलाया था। इस मिशन में ईरान के दो सैन्य अधिकारियों का अपहरण किया गया। इनमें से एक को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया, जबकि दूसरे की हत्या कर शव समुद्र में फेंकने का दावा किया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इतने खतरनाक अभियानों के बावजूद इस्राइल अपने पायलट का पता नहीं लगा सका। अब इन गुप्त कार्रवाइयों से जुड़े नए खुलासों ने पूरे मामले को फिर चर्चा में ला दिया है। यह पूरा अभियान इस्राइली वायुसेना के पायलट रॉन अराद की तलाश से



जुड़ा था। वह 16 अक्टूबर 1986 को दक्षिणी लेबनान के ऊपर उड़ान भरते समय विमान में धमाका होने के बाद पैराशूट से नीचे उतरे थे। उस समय उनकी उम्र 28 साल थी। इसके बाद लेबनान के शिया मिलिशिया संगठन अमल ने उन्हें पकड़ लिया। शुरुआत में संगठन ने उनकी रिहाई के बदले करोड़ों डॉलर और कैदियों को छोड़ने की मांग की थी, लेकिन बाद में उनका कोई पता नहीं चला। ईरान लेबनान के शिया संगठनों का बड़ा समर्थक था, इसलिए इस्राइल को शक था कि अराद को ईरान ले जाया गया है। सितंबर 2021 में इस्राइली खुफिया अधिकारियों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी कमांडर जनरल अब्दुल्ला साबेरी को निशाना बनाया। वह राजनयिक इलाके में सुबह की सैर पर निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे एजेंटों ने उन्हें दबोच लिया और बेहोश करके फ्रिज के एक बड़े डिब्बे में बंद कर दिया। इसके बाद उन्हें वहां से उठा लिया गया। जनरल साबेरी ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अनुभवी अधिकारी थे। इस्राइली एजेंट उनसे केवल रॉन अराद के बारे में जानकारी हासिल करना चाहते थे। लंबी पूछताछ और प्रताड़ना के बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की एक सड़क पर छोड़ दिया गया। ईरानी जनरल अलीरेजा असगरी दिसंबर 2006 में तुर्किये के इस्तांबुल स्थित एक होटल से अचानक लापता हो गए थे। करीब दो दशक तक उनकी गुमशुदगी एक रहस्य बनी रही। अब सामने आए दावों के मुताबिक, मोसाद के एजेंटों ने रॉन अराद के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उनका अपहरण किया था। उन्हें एक नाव पर ले जाकर कई हफ्तों तक पूछताछ की गई। जब उनसे अराद के बारे में कोई उपयोगी जानकारी नहीं मिली तो उनकी हत्या कर दी गई।

एनवीडिया: जेनसन हुआंग की कंपनी में बतौर सीईओ वापसी मुश्किल, रिपोर्ट में दावा- बोर्ड का ऐसा कोई विचार नहीं

वाशिंगटन , एजेंसी। ऐसा दावा किया जा रहा था कि जेनसन हुआंग की एनवीडिया के सीईओ पद पर वापसी हो सकती है और इसके लिए कई तकनीकी दिग्गज समर्थन जुटा रहे हैं। हालांकि अब एक रिपोर्ट में इन दावों को खारिज कर दिया गया है और कहा गया है कि बोर्ड जेनसन हुआंग की सीईओ के तौर पर वापसी को लेकर विचार नहीं कर रहा है।



जेनसन हुआंग की वापसी का किया गया था दावा : फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एनवीडियो का नेतृत्व करने के लिए जेनसेन हुआंग की सीईओ पद पर वापसी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि कई तकनीकी दिग्गज हुआंग की वापसी के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। हुआंग कंपनी में वापसी के लिए अपने भरोसेमंद लोगों से बात कर रहे हैं। वहीं एनवीडिया का बोर्ड उनके मामले की जांच कर रहा है। हुआंग के एक करीबी ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि उनकी बहाली के लिए लॉबिंग करने की तैयारी है और इसके लिए एक नेटवर्क बनाया जा रहा है, जिसमें व्हाइट हाउस से भी मदद मांगी गई है। जो टेक दिग्गज जेनसन हुआंग को पसंद करते हैं, वे इस कैंपेन का समर्थन कर रहे हैं। दावा किया गया कि कई कर्मचारियों ने भी हुआंग की वापसी का समर्थन किया और एक ओपन लैटर पर अपने साइन किए।

अमेरिकी सरकार में ही इसे लेकर विरोधाभास : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एनवीडिया सीईओ के पद पर हुआंग की वापसी के समर्थन में है। सोमवार को मनीला में 49वें आसियान सम्मेलन में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले रिपोर्टर्स से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि हुआंग की सीईओ पद पर वापसी से उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एनवीडिया के सह-संस्थापक ने सबक सीख लिया है। हालांकि ट्रंप के ही वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अलग राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि एनवीडिया को बदलाव की जरूरत है और कंपनी को एक बाहरी एग्जीक्यूटिव चाहिए। बेसेंट ने ये भी सवाल उठाया कि क्या हुआंग ने चीन में चिप्स की कथित तस्करी की तरफ से अपनी आंखें मूंदी हुई थी?

चीन की कथित जासूस एलिस हुआंग के साथ रिश्तों के चलते जेनसन हुआंग ने 33 साल एनवीडिया के सीईओ पद पर रहने के बाद बीती 12 नवंबर को पद छोड़ दिया था। हुआंग के विवाहेतर संबंधों की जांच चल रही है। आरोप है कि हुआंग ने प्रतिबंधित एआई चिप्स बीजिंग भेजे थे। जेनसन हुआंग के एनवीडिया हेल्थकेयर की वाइस प्रेसीडेंट किम्बर्ली पॉवेल के साथ भी कथित तौर पर रिश्ते थे।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण की बढ़ी मुश्किलें: चटगांव से ढाका जेल शिफ्ट

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी को चटगांव सेंट्रल जेल से ढाका सेंट्रल जेल स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्हें सोमवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच चटगांव से ढाका ले जाया गया। इस अचानक हुए स्थानांतरण को लेकर उनके वकीलों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि चिन्मय कृष्ण लिवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और खानपान में विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। ढाका जेल में उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन की व्यवस्था नहीं होने से उनकी सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है।

चिन्मय कृष्ण के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि उनके आध्यात्मिक नेता सख्त शाकाहारी हैं और वैष्णव परंपरा का पालन करते हैं। वह अपना भोजन खुद बनाकर ही खाते हैं। चटगांव जेल में उनके साथ बंद एक अन्य आरोपी रंगनाथन ब्रह्मचारी उन्हें भोजन तैयार करने में मदद करते थे।

वकील बोले- ढाका जेल में सिर्फ फल खाकर रह रहे : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को लिवर की गंभीर बीमारी है। ऐसे में वह किसी भी तरह का भोजन नहीं कर सकते। चटगांव जेल में उन्हें खाने-पीने की सुविधा मिल रही थी, लेकिन



ढाका सेंट्रल जेल में यह व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।

वकील ने दावा किया कि ढाका जेल पहुंचने के बाद से वह केवल फल खाकर गुजारा कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि अगर उन्हें उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन और सुविधाएं नहीं मिलीं तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को सोमवार सुबह ढाका ले जाया गया था। उन्हें लेकर जाने वाला वाहन सुबह करीब 10 बजे ढाका सेंट्रल जेल पहुंचा। कौन हैं चिन्मय कृष्ण दास, क्यों हुई थी गिरफ्तारी? चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश में सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर 2024 को ढाका से गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान से जुड़े राजद्रोह के मामले में हुई थी। इससे पहले 31 अक्तूबर 2024 को चटगांव के चांदगांव पुलिस थाने के अंतर्गत मोहड़ा वार्ड बीएनपी के तत्कालीन महासचिव फिरोज खान ने चिन्मय कृष्ण समेत 19 लोगों के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया था। बाद में बीएनपी ने फिरोज खान को उनके पद से हटा दिया था।

वकील की हत्या के मामले में भी आरोपी हैं चिन्मय कृष्ण : 26 नवंबर 2024 को चिन्मय कृष्ण दास की जमानत सुनवाई को लेकर चटगांव कोर्ट परिसर में हिंसक झड़प हुई थी। इस दौरान वकील सैफुल इस्लाम की कथित तौर पर पीटकर और धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद उनके पिता जमाल उद्दीन ने 31 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था। इसके अलावा पुलिस पर हमला करने, सरकारी काम में बाधा डालने, वकीलों और न्याय मांगने पहुंचे लोगों पर हमले तथा विस्फोटक फेंकने से जुड़े पांच अन्य मामले भी दर्ज किए गए थे। 1 जुलाई 2025 को जांच अधिकारी ने चटगांव की अदालत में चिन्मय कृष्ण दास समेत 38 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। इसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोपपत्र पर असहमति जताते हुए नाराजी याचिका दायर की। 25 अगस्त 2025 को अदालत ने सुकांत दत्ता समेत 39 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र स्वीकार कर लिया। फिलहाल इस मामले में चटगांव डिविजनल स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल में गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)